मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.0	27.8
जमशेदपुर	37.7	25.8
डालटनगंज	35.6	26.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार 31 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 113 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

चक्रधरपुर:राजखरसावां-बड़ाबाम्बो रेलवे स्टेशन के बीच हादसा

हावड़ा-मुंबई मेल बेपटरी दो की मौत, 23 घायल

शंभु कुमार। चक्रधरपुर

चक्रधरपुर रेल मंडल के राजखरसावां-बड़ाबाम्बो स्टेशन के बीच मंगलवार सुबह 3.45 बजे हावड़ा से मुंबई जा रही 12810 सीएसएमटी मेल बेपटरी हो गई. इस हादसे में ट्रेन के इंजन व 18 बोगी पटरी से उतर गये. सबसे ज्यादा क्षति एसी कोच को पहुंची. इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हुई है व आठ यात्री घायल हुए हैं. घायल 23 यात्रियों का चक्रधरपुर के रेलवे अस्पताल में इलाज चल रहा है. दुर्घटना में मृत यात्री अजीत कुमार समाल और पी विकास राव बी-4 कोच के शौचालय के पास बैठे थे. ये जमशेदपुर से राउरकेला जा रहे थे.

रिलीफ ट्रेन व एंबुलेंस मौके पर पहुंचे : दुर्घटना के बाद चक्रधरपुर से रिलीफ ट्रेन व कई एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गए. फिर घायलों को चक्रधरपुर के रेलवे अस्पताल लाया गया. वहीं ट्रेन के यात्रियों को दूसरी ट्रेन से गंतव्यों पर भेजा गया. घटना को लेकर दक्षिण पूर्व रेलवे के जीएम अनिल कुमार मिश्रा के अलावे अन्य वरीय अधिकारी और जिले के डीसी-एसपी व अन्य अफसर मौके पहुंचे गए. झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, मंत्री दीपक बिरुवा, विधायक दशरथ गागराई भी मौके पर पहुंचे और जानकारी ली. रेलवे के कर्मियों द्वारा ट्रैक से बोगियों को हटाने, टूटे ओएचई तार को ठीक करने व ट्रैक मरम्मत का कार्य जारी है.

एनडीआरएफ ने मोर्चा संभाला : हादसा होने के बाद एनडीआरएफ के जवानों ने घायलों को बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया. जिला प्रशासन की ओर से जेसीबी से बेपटरी डिब्बों को ट्रैक से हटाकर लाइन को क्लियर किया जा रहा है. कोई दुर्घटना न हो इसको लेकर काफी संख्या में मौके पर फोर्स की भी तैनाती की गई है. जिले के डीसी रवि शंकर शुक्ला व एसपी मुकेश लुणायत व कई अधिकारी मौजूद थे.

रेलवे ने जारी किया हेल्प लाइन नंबर: हादसे के बाद रेलवे ने हेल्प लाइन नंबर जारी किया है. चक्रधरपुर स्टेशन के लिए 06587-238072 (72770), टाटानगर 0657-229 0324 के लिए (रेलवे 735223), राउरकेला के लिए 0661-2501072, 0661-2500191, 0661-2500171 के लिए हेल्प लाइन नंबर जारी किया गया है. रांची हेल्प लाइन डेस्क नंबर-0651-27-87115 पर कॉल कर पता किया जा सकता है. बड़ाबांबो स्टेशन पर भी हेल्प डेस्क बना दिया गया है. जहां से यात्री के बारे पता कर सकता हैं.

कैसे हुआ हादसा

बताया जाता है कि एनजेवीसीटी नामक मालगाड़ी रायपुर से टाटानगर जा रही थी. इसी बीच चक्रधरपुर रेल मंडल के बड़ाबाम्बो रेलवे स्टेशन के पास 3 बजकर 39 मिनट पर मालगाड़ी की 20वें नम्बर की बोगी ट्रैक से उतर गई. इससे हावड़ा से मुंबई की ओर जा रही सीएसएमटी मेल से जा टकराई, इससे मालगाड़ी के दो डिब्बों के साथ-साथ हावड़ा-मुंबई मेल की इंजन व 18 बोगियां ट्रैक से नीचे उतर गईं. दुर्घटना कितनी भयावह थी इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ट्रेन के कई डिब्बे एक-दूसरे के ऊपर चढ़ गए. काफी गति तेज होने के कारण बीच से मुड़ गए थे. कई डिब्बे आपस में बुरी तरह से सट चुके थे.

आम लोगों की लाइफ लाइन रेल का हाल सभी देख रहे : हेमंत

सीएम हेमंत सोरेन ने हादसे पर कहा कि रेल मंत्रालय कहता कुछ है, दावा कुछ करता है, हकीकत कुछ और होती है. रेलवे मिडिल, लोअर मिडिल क्लास, गरीब, मजदूरों की लाइफ लाइन है. मगर लाइफ लाइन का क्या हाल है देश देख रहा है. हादसा वाकई में दुखदाई है. मैं मृत लोगों के प्रति गहरी संवदेना प्रकट करते हुए उनके परिजनों को दुख सहने की शक्ति देने की कामना करता हूं. राज्य की ओर से मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने की घोषणा की गई है. देखते हैं हम आगे और क्या कर सकते हैं. हमारे दो मंत्री और अफसर घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं, और सभी चीजों पर नजर बनाए हुए हैं.

केरल के वायनाड में जल प्रलय, भारी तबाही

125 लोग मरे, सैकड़ों दबे

एजेंसी। वायनाड (केरल)

केरल के वायनाड जिले में मंगलवार तड़के कई जगहों पर भारी बारिश से आए जल प्रलय से हुईं भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 125 लोगों की मौत हो गई तथा सैकड़ों लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है. हालांकि सरकार ने अब तक इस हादसे में 93 लोगों के मरने और 116 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है. लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो मृतक संख्या 116 से अधिक है. घायलों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है.

जल प्रलय के चलते भूस्खलन की घटनाएं मंगलवार तड़के हुईं, जिससे घरों में सो रहे लोगों को बचने का मौका भी नहीं मिल पाया. बचाव के लिए सेना की कई टुकड़ियां युद्धस्तर पर मलबे से लोगों का निकालने में जुटी हैं. डीएम मेघाश्री डीआर के अनुसार, चूरलमाला में भूस्खलन में 56 लोगों की मौत हुई है. इसके अलावा, चेलियार नदी में बहे 15 लोगों के शव मलप्पुरम में बरामद किए गए. मृतकों के शवों को पहचान तथा पोस्टमार्टम के लिए अस्पतालों के मुर्दाघरों में भेजा जा रहा है. मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांव में भूस्खलन हुआ हैं. बचाव दल मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए लगातार काम कर रहे हैं.

लोग कर रहे मदद की गुहार : सैकड़ों लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है. भूस्खलन से तबाह हुए मकानों और मलबे के ढेर के नीचे फंसे होने के बाद लोग फोन कर मदद की गुहार लगाते रहे. सड़कों के जलमग्न होने से उनके पास निकलने का कोई रास्ता नहीं बचा है.

सरकार कर रही है हरसंभव मदद: लैंडस्लाइड मामले को लेकर संसद में केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि केंद्र सरकार इस आपदा से पीड़ित लोगों के लिए हरसंभव मदद कर रही है. उन्होंने कहा कि बचाव और तलाशी अभियान के लिए एनडीआरएफ की दो टीमें, सेना की दो टुकड़ियां और वायुसेना के दो हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं. उन्होंने कहा कि वायनाड की त्रासदी केरल के लिए ही नहीं पूरे देश के लिए बड़ी त्रासदी है.

-पेज 12 भी देखें

आज वायनाड का दौरा करेंगे राहुल गांधी

वायनाड से सांसद रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार को प्रभावित इलाके का दौरा करेंगे. उन्होंने लोकसभा में सरकार से युद्धस्तर पर राहत बचाव चलाने के साथ-साथ बढ़ी मुआवजा राशि देने की मांग की है. सरकार की ओर से मृतकों के लिए दो-दो लाख और घायलों के लिए 50-50 हजार रुपए के मुआवजे की घोषणा की गई है. संसद में सभी सदस्यों ने वायनाड के हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की है. राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा ने कहा, केरल की त्रासदी देश की त्रासदी है. सरकार लोगों को बचाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी. लोकसभा में राहुल गांधी ने वायनाड में हुए भूस्खलन पर कहा, वायनाड कई विनाशकारी भूस्खलन की चपेट में आया. 1116 से ज्यादा लोग मारे गए हैं. मुंडक्कई गांव का संपर्क टूट गया है और त्रासदी की वजह जानमाल की विनाशकारी हानि और व्यापक क्षति का आकलन अभी तक नहीं किया जा सका है. मैंने रक्षा मंत्री और केरल के सीएम से बात की है. मैं केंद्र से बचाव और चिकित्सा देखभाल के लिए मदद देने, मृतकों को मुआवजा तुरंत जारी करने का अनुरोध करता हूं. सबसे जरूरी परिवहन और संचार लाइनों को बहाल करना है.

पीएम खुद रख रहे नजर

पीएम मोदी ने भूस्खलन की घटनाओं में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और सीएम पिनराई विजयन को संकट से निपटने के लिए केंद्र से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है. मोदी ने कहा, वायनाड में कुछ जगहों पर भूस्खलन की खबर से व्यथित हूं. उन सभी लोगों के साथ हूं, जिन्होंने अपने प्रियजन को खोया है और जो घायल हुए हैं, मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं. प्रभावित लोगों की मदद के लिए बचाव अभियान जारी है. मोदी ने कहा, केरल के सीएम पी. विजयन से बात की और वहां उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर केंद्र से हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया है.

केरल में दो दिन का शोक

केरल में राज्य सरकार ने आधिकारिक रूप से दो दिवसीय शोक की घोषणा की है. मंगलवार और बुधवार को शोक रहेगा. राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा. राज्य सरकार के आधिकारिक कार्यक्रम और समारोह आज और कल स्थगित कर दिए गए हैं.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	64,500
चांदी (किलो)	85,000

शूटिंग में मनु भाकर का ऐतिहासिक डबल

पेरिस। भारतीय जोड़ी मनु भाकर और सरबजोत सिंह ने पेरिस ओलिंपिक में मंगलवार को इतिहास रच दिया है. मनु और सरबजोत ने शूटिंग के 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता. भारत के शूटरों ने ली वोन्हो और ओह ये जिन की कोरियाई जोड़ी को हराया. इससे पहले रविवार को मनु भाकर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद ओलिंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनी थी, जबकि अब वह एक ही ओलिंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं.

-पेज 12 भी देखें

नॉन टैक्स पेयर को फ्री में देंगे बालू: सीएम

- हेमंत का एक और मास्टर स्ट्रोक, सदन में सरकार की फजीहत के बाद मुख्यमंत्री ने सदन में खड़े होकर की घोषणा

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेंमत सोरेन आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए मंगलवार को एक और बड़ा मास्टर स्ट्रोक मारा है. सदन में सरकार की बालू पर हुई फजीहत के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने घोषणा कर दी कि सरकार बालू को लेकर एक बड़ा निर्णय लेने जा रही है. सरकार अब नॉन टैक्स पेयर को बालू फ्री में देगी.

हेमंत की इस घोषणा से राज्य में निर्माण करा रहे अबुआ आवास योजना के लाभुकों समेत करोड़ों लोगों का सीधा फायदा होगा. जो अपना आशियाना बनाना चाहते हैं, और मंहगी दर पर बालू खरीदने को विवश हैं. मगर इसका मैक्निजम क्या होगा. इसको लेकर कोई घोषणा नहीं हुई है. अब सरकार जल्द ही इससे जुड़े प्रस्ताव को तैयार करके इसे कैबिनेट की मंजूरी प्रदान करेगी.

इससे पूर्व बालू मामले पर सदन में सरकार की जम कर फजीहत हुई. भाजपा विधायक भानु प्रताप शाही और सीपी सिंह ने सरकार को सीधे तौर पर घेरा और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ही कटघरे पर खड़ा किया. भानु ने बालू पर मुख्य मंत्री को घेरते हुए कहा कि यह सरकार बालू से तेल निकाल रही है और पुलिस चोर-डकैत पकड़ना छोड़ बालू पकड़ रही है. बालू से तेल निकालना जा रहा है. वहीं विधायक सीपी सिंह ने कहा कि जब-जब हेमंत सोरेन आते हैं, बालू ही गायब हो जाती है. सरकार की हुई फजीहत के बाद खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सदन में उठे और भाजपा विधायकों की अनुपस्थिति में बड़ी घोषणा कर दी.

आदिवासी क्यों घट रहे ?

भानु-अनंत ओझा ने कहा : बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण
नेहा शिल्पी ने कहा : बाहरी आबादी के बसने के कारण

बांग्लादेशी घुसपैठ से घट रही राज्य में आदिवासियों की जनसंख्या : भाजपा

सदन के दूसरे सत्र में जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई. बांग्लादेशी घुसपैठ और आदिवासियों की घटती जनसंख्या पर जम कर बवाल और तीखी बहस हुई. सदन में कटौती प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए भाजपा विधायक अनंत ओझा ने कहा कि पूरे संथाल परगना में बांग्लोदशी घुसपैठ के कारण लगातार आदिवासियों की संख्या घट रही है. इसलिए यह सरकार आदिवासी-मूलवासियों के नाम पर ढोंग कर रही है. सरकार ने खुद अपने जवाब में स्वीकार किया है कि चार बांग्लादेशी पकड़े गए. बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण आदिवासियों का हक छीना जा रहा है, जमीन छीनी जा रही है. सरकार उन्हें हर तरह की सुविधा दे रही है. वहीं भाजपा विधायक भुान प्रताप शाही ने कहा कि मैं भी आदिवासी हूं, मूलवासी हूं. चाहे सरकार मेरा डीएनए टेस्ट करा ले. भानु प्रताप शाही ने कहा कि यह आदिवासी मूलवासी की सरकार नहीं है. अगर आदिवासी मूलवासी की सरकार रहती, तो आदिवासी मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और मूलवासी मंत्री बादल पत्र लेख को यह सरकार नहीं हटाती बादल पत्र लेख को हटा कर इरफान अंसारी को बनाना ही साबित करता है कि यह सरकार बांग्लादेशी घुसपैठ को समर्थन करती है. बांग्लोदशी घुसपैठ के कारण संथाल से यहां तक कि पूरे झारखंड से आदिवासियों की संख्या घट रही है.

बाहरियों के बस जाने व आदिवासी विरोधी नीतियों से घट रहे आदिवासी

कांग्रेस विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने भाजपा के आरोपों का जोरदार तरीके से जवाब दिया. उन्होंने कहा कि घुसपैठ के कारण नहीं बल्कि आदिवासी जमीन पर बाहरियों के बसने के कारण आदिवासियो की संख्या घट रही है. वे स्वीकार करती हैं कि आदिवासियों की संख्या तेजी से घट रही है. मगर इसके कारण कुछ और ही हैं. राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, फिर अर्जुन मुंडा ने बरही से बहरागोड़ा तक इकोनॉमिक जोन बनाने की तैयारी की थी. मगर आदिवासियों के जबरदस्त विरोध के यह नहीं बना. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रघुवर दास के समय लैड बैंक बनाकर 31 लाख हेक्टयर जमीन उसमें जमा कराई गई. यह किसकी जमीन थी. यह सारे आदिवासी-मूलवासियों की जमीन थी. पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और रघुवर दास ने आदिवासियों की जमीन का सुरक्षा कवच सीएनटी-एसपीटी एक्ट में संशोधन करने का विफल प्रयास किया.यह क्यों किया जा रहा था, केवल और केवल आदिवासी जमीन लूट कर बाहरी कंपनियों, औद्योगिक इकाइयों को देने के लिए. यह अगर हो जाता, तो हमारे रांची से आदिवासी गायब ही जाते. इसलिए आदिवासी की संख्या कमी के बारे में इन्हें बोलने का कोई हक नहीं है.

नरसिंह इस्पात की जमीन की नापी करवा रही समिति

- उपायुक्त ने गठित की थी चार सदस्यीय जांच समिति
- ग्रामीणों ने कहा- नहीं हो खानापूर्ति

दिलीप कुमार । चांडिल

सरायकेला-खरसावां जिला के डीसी रविशंकर शुक्ल द्वारा गठित समिति मंगलवार को दूसरे दिन भी खूंटी स्थित नरसिंह इस्पात कंपनी की जांच कर रही है. चार सदस्यीय टीम ने सोमवार को नरसिंह इस्पात की जमीन संबंधी मामलों की जांच शुरू की थी. जांच समिति में जिले के अपर उपायुक्त संजय कुमार दास, चांडिल के भूमि सुधार उपसमाहर्ता विकास कुमार राय, उद्योग महाप्रबंधक रविशंकर प्रसाद और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता रंजीत कुमार ठाकुर शामिल हैं.

जांच के पहले दिन जमीन संबंधी आरोपों की सत्यता जानने के लिए जमीन की नापी शुरू करायी गयी थी, जो मंगलवार को भी जारी रही. मंगलवार को समिति का कोई सदस्य कंपनी नहीं पहुंचा था. कंपनी के अंदर सीओ की देखरेख में अमीन कंपनी की जमीन की नापी कर रहे थे. इस संबंध में अपर उपायुक्त संजय दास ने बताया कि जांच के पहले दिन जमीन संबंधी जांच शुरू की गई. सीओ अमीन प्लॉट वाइज जमीन की नापी कर रहे हैं. नापी का काम पूरा होने के बाद खतियान के साथ सभी प्लॉटों का मिलान होगा. इसके बाद जमीन संबंधी जांच रिपोर्ट डीसी को सौंपी जाएगी.

विदित हो कि चौका-कांड्रा सड़क पर खूंटी स्थित नरसिंह इस्पात कंपनी द्वारा सरकारी जमीन के अतिक्रमण करने की पुष्टि सरकार के राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने किया है. ईचागढ़ के तत्कालीन विधायक दिवंगत साधुचरण महतो के 19 फरवरी 2016 को विधानसभा सत्र के दौरान पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या रा. 12 के जबाव में सरकार के संयुक्त सचिव की रिपोर्ट पर राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री ने उत्तर देते हुए सदन को बताया था कि नरसिंह इस्पात द्वारा मौजा खूंटी, थाना नंबर 175, खाता नंबर 506, प्लॉट नंबर 2642, 2645 और 2668 में रकवा क्रमशः 0.26, 0.23 और 0.06 एकड़ सरकारी भूमि का अतिक्रमण किया है. कंपनी पर बगैर हस्तांतरण के सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने के अलावा कई गंभीर आरोप है.

समिति को 16 जुलाई को ही सौंपनी थी रिपोर्ट

बता दें कि हिंदी दैनिक शुभम संदेश में नरसिंह इस्पात पर छपी खबर के बाद डीसी ने कंपनी पर लगे आरोपों की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया था. डीसी रविशंकर शुक्ला ने कंपनी के मामले में 12 जुलाई को जांच समिति का गठन कर जांच करने का आदेश जारी किया था. जारी आदेश पत्र में कहा गया है कि खूंटी के पास स्थित नरसिंह इस्पात कंपनी द्वारा सरकारी, वन भूमि पर अवैध कब्जा करने संबंधी शिकायत मिली है. उक्त मामले में जांच कर प्रतिवेदन सौंपने के लिए जांच समिति का गठन किया जाता है. जांच समिति को 16 जुलाई तक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था. किसी कारण जांच नहीं होने पर दूसरी तिथि 24 जुलाई निर्धारित की गई थी. इस तिथि को भी किसी कारणवश जांच नहीं हो सकी थी. इसके बाद समिति ने सोमवार को कंपनी पर लगे आरोपों की जांच शुरू की. उपायुक्त द्वारा जांच समिति का गठन कर कंपनी के जमीन समेत अन्य मामलों की जांच शुरू कराए जाने के बाद ग्रामीणों में खुशी की लहर है. ग्रामीणों की मांग है कि जांच समिति के पदाधिकारी मामलों के जांच के क्रम में उनसे भी मिलें और उनकी बातों को भी सुनें. ग्राम सभा की मांग है कि इन सरकारी प्लॉटों की भी मापी करवाएं और सच्चाई ग्रामीणों के समक्ष रखें. ग्रामीणों ने कहा कि कंपनी पर जांच के नाम पर मात्र खानापूर्ति नहीं की जाए. ग्राम सभा और जिला परिषद सदस्य समेत अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने कंपनी प्रबंधन पर सिंचाई कैनाल से पानी चोरी करने का गंभीर आरोप लगाया है.

लोस में जाति जनगणना पर पूछ ली नेता प्रतिपक्ष की जाति, हंगामा

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच मंगलवार को लोकसभा तीखी नोकझोंक हुई. दरअसल, बजट पर चर्चा के दौरान अनुराग ठाकुर ने सदन में कहा, जिसकी जात का पता नहीं, वो गणना की बात करता है. उनके इतना बोलते ही सदन में जोरदार हंगामा शुरू हो गया. अनुराग ठाकुर भाषण के तुरंत बाद ही राहुल गांधी खड़े हो गए. राहुल ने कहा, जितना आप मेरा अपमान करना चाहते हैं, आप खुशी से रोज करिए, मगर एक बात मत भूलिए जाति जनगणना को हम यहां पास करके दिखाएंगे. वहीं, अखिलेश यादव ने कहा कि पूर्व मंत्री हैं, बड़े दल के नेता हैं. शकुनी, दुर्योधन तक ये ले आए, लेकिन आप जाति कैसे पूछ सकते हैं. जाति नहीं पूछ सकते हैं.

जिनकी जाति का पता नहीं, वो जाति गणना की बात करते हैं

एजेंसी। नयी दिल्ली

बजट पर लोकसभा चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार राहुल गांधी के भाषण पर जम कर पलटवार किया. राहुल गांधी ने बजट हलवा से सरकार पर निशाना साधा था और यह कहा था कि इसमें कोई दलित अधिकारी नहीं.

इस पर तंज कसते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल जी हलवा मीठा था या फीका. कुछ लोग ओबीसी की बात करते हैं, इनके लिए ओबीसी का मतलब है ओनली फॉर ब्रदर इन लॉ कमीशन. अनुराग ठाकुर ने राहुल के एक-एक आरोप का जवाब दिया.

-शेषपेज 7 पर

पीठासीन अध्यक्ष ने सदन में दी व्यवस्था

सदन में पीठासीन अधिकारी के तौर पर आसन पर मौजूद जगदंबिका पाल ने व्यवस्था दी कि कोई भी व्यक्ति किसी की जाति नहीं पूछ सकता. उन्होंने कहा कि वह रिकार्ड देख लेंगे, जरूरत पड़ी तो इसे रिकार्ड से हटवा देंगे. इस पर राहुल ने कहा, मुझे कोई ऐतराज नहीं है. मैं गाली खाकर खुश हूं, मुझे कुछ भी बुरा नहीं लगा है.

आप मुझे गाली दें, मुझे परवाह नहीं, आप माफी भी मत मांगिए

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अनुराग ठाकुर जाति जनगणना के मुद्दे पर भिड़ गए. इस दौरान राहुल गांधी ने आरोप लगाया, ठाकुर ने मुझे गाली दी, मेरी बेइज्जती की. लेकिन मुझे इनसे माफी भी नहीं चाहिए. दरअसल, अनुराग ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि, उन्हें पता होना चाहिए कि एलओपी का फुल फॉर्म लीडर ऑफ अपोजिशन होता है, लीडर ऑफ प्रोपेगैंडा नहीं. अनुराग के ऐसा बोलते ही हंगामा होने लगा. इसी दौरान राहुल गांधी फिर से अपनी सीट से खड़े हुए और अनुराग ठाकुर पर जवाबी हमला बोला.

-शेष पेज 7 पर

आपने आखिर जाति कैसे पूछ ली: अखिलेश

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी कूद पड़े. अखिलेश ने सभापति से कहा- वो (अनुराग ठाकुर) मंत्री रहे हैं. बड़े नेता हैं. बड़ी बात कर रहे थे. दुर्योधन शकुनी तक ले आए. आप जाति कैसे पूछ सकते हैं. तुम पूछ के दिखाओ जाति. कैसे पूछ दी जाति? अखिलेश ने कहा कि आप जाति नहीं पूछ सकते.

झारखंड विधानसभा में गूंजा रोजगार का मुद्दा

रांची । झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन मंगलवार को सत्र शुरू होने से पहले भाजपा विधायकों ने रोजगार मुद्दे को लेकर सदन के बाहर बैनर-तख्ती लेकर प्रदर्शन किया. साथ ही सदन के अंदर भी रोजगार मुद्दे को लेकर हंगामा किया. भाजपा विधायकों ने हेमंत सोरेन सरकार को पांच लाख युवाओं को नौकरी देने के वादे को लेकर घेरा. भाजपा विधायकों ने कहा कि हेमंत सोरेन ने चुनावी भाषण में कहा था कि पांच लाख नौकरी देंगे. साढ़े चार हो गये, इस वादे का क्या हुआ. आंगनबाड़ी सेविका सहाय के रसोइयां परमानेंट क्यों नहीं हुए, इसका जवाब हेमंत सोरेन दें.

झामुमो के प्रवक्ता की तरह कार्य कर रहे विधानसभा अध्यक्षः बाउरी

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा के तीसरे कार्यदिवस के दिन नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने विधानसभा अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाये कहा कि कि वे अध्यक्ष सरकार के प्रवक्ता के रूप में सदन में कार्य कर रहे हैं. और विपक्ष की आवाज़ को दबाने के काम कर रहे हैं. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को आज पूरा देश सुन रहा है, लेकिन झारखंड के नेता प्रतिपक्ष को बोलने नही दिया जा रहा, हमारे माइक को बंद कर दिया जाता है. उन्होंने अध्यक्ष पर हाईकोर्ट के आदेश, गाइड लाइन की अवमानना करने का भी आरोप लगाया. हाईकोर्ट ने बांग्लादेशी घुसपैठ मामले में सरकार को बांग्लादेशियों को चिन्हित कर इसकी जवाबदेही तय करने की बात कही है, लेकिन सदन के अंदर अध्यक्ष कहते हैं कि झारखंड में कोई घुसपैठ नहीं हो रही है.

नियुक्ति में एसटी और ओबीसी में आरक्षण नहीं दिया : उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि हाल में ही चौकीदार और वनरक्षी की नियुक्ति में अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग में आरक्षण नहीं दिया गया. सरकार से उन्होंने पूछा कि किस आधार पर झारखंड में अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को समाप्त किया गया, इसका जवाब सदन के अंदर कांग्रेस नेता एवं मुख्यमंत्री दें.

सीएम की जमानत पर सत्ता पक्ष व विपक्ष आमने-सामने

मॉनसून सत्र : जमकर हुई नारेबाजी, स्पीकर को 11-30 बजे से दोपहर 12-30 बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी

- सत्ता पक्ष ने कहा, साजिश के तहत हेमंत को फंसाया, समय बर्बाद हुआ
- विपक्ष ने कहा, हेमंत सोरेन को जमानत मिला है, बाइज्जत बरी नहीं हुए

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र के तीसरे दिन की पहली पाली भी हंगामेंदार रही. हंगामे के कारण स्पीकर को 11-30 बजे से दोपहर 12-30 बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी. सुबह 11-08 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के आदेश से यह साबित हो गया कि सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी ने गलत केस दर्ज किया. यह पूरी तरह से साजिश थी. भाजपा विधायक बाबूलाल मरांडी और गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने पहले ही बोल दिया था कि हेमंत सोरेन और उनका पूरा परिवार जेल जाएगा. इन लोगों ने हेमंत सोरेन के खिलाफ साजिश की. इस पर भाजपा के नेता कान पकड़ कर माफी मांगें. वहीं विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि भाजपा के ऑपरेशन लोटस के नए स्वरूप का सामना करना पड़ा. पांच माह में जो कल्याणकारी योजनाएं बाधित हुईं, उसकी जवाबदेही कौन लेगा. भाजपा को राज्य की जनता से माफी मांगनी चाहिए. इस बीच नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन को न्यायालय से जमानत मिली है. उनको बाइज्जत बरी नहीं किया गया है. इसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने सामने हो गए और वेल में चले गए. दोनों ओर से एक-दूसरे खिलाफ जमकर नारेबारी हुई. इसके बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही 12-30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी.

12-30 में सदन की कार्यवाही शुरू होते ही बीजेपी विधायक वेल में घुसे : दोपहर 12-30 में सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा विधायक वेल में घुस गए. इस बीच शून्यकाल चलता रहा. बीजेपी विधायक वेल में नारेबाजी करते रहे. बीजेपी विधायकों ने आदिवासी विरोधी सरकार, बांग्लादेशी घुसपैठ बंद करो, मुस्लिम तुष्टीकरण नहीं चलेगा के नारे लगाए. हंगामें के बीच स्पीकर ने कहा कि 31 जुलाई को दूसरी पाली में भी ध्यानाकर्षण की सूचनाएं ली जाएंगी. इसके बाद स्पीकर ने दोपहर दो बजे तक के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी.

किताब वितरण पर तीखी बहस

नीलकंठ ने कहा-पुस्तक वितरण में हुआ घोटाला

- शिक्षा मंत्री ने कहा, गड़बड़ी का सवाल ही नहीं, एक सप्ताह में 100 परसेंट हो जाएगा किताबों का वितरण

प्रमुख संवाददाता। रांची

मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नीलकंठ सिंह मुंडा ने सवाल उठाया कि बच्चों को अब तक किताबें नहीं मिली हैं. सेशन भी समाप्त हो रहा है. राज्य परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने दो जुलाई को चिट्ठी जारी किया था कि जिसमें कहा था कि किताब बीआरसी ब्लॉक में रख दिया गया है. अब टीचर को पुस्तक ले जाने को कहा जा रहा है. अब तक 42 लाख किताबें उपलब्ध नहीं कराई गई हैं. इसमें कहीं न कहीं वित्तीय अनियमितता या घोटाला हुआ है. इस पर शिक्षा मंत्री बैजनाथ राम ने कहा कि पुस्तक वितरण का काम आचार संहिता के कारण बाधित हुआ, एक सप्ताह में शत-प्रतिशत पुस्तक वितरण का काम पूरा हो जाएगा.

सदन को गुमराह कर रहे शिक्षा मंत्री :

सीपी सिंह ने पुस्तक वितरण को लेकर कहा कि शिक्षा मंत्री सदन को गुमराह कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का आदेश बताएं. फिर कहा कि जो कार्य योजना चालू रहती है, उस पर चुनाव आयोग कोई रोक नहीं लगाता. नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि अब किताबों को जिला से स्कूल तक ले जाने के लिए कोई दर का निर्धारण ही नहीं हुआ है. सेशन भी खत्म हो रहा है. सरकार का न शिक्षक पर और न ही शिक्षा पर ध्यान है.

सरकारी नौकरी के विज्ञापन में एससी श्रेणी की सीट नहीं होने का मुद्दा : सदन में झामुमो विधायक मथुरा महतो ने कहा कि 24 साल बाद वन क्षेत्र पदाधिकारी के लिए वेकेंसी आई है. इस में अनुसूचित जाति के लिए एक भी सीट नहीं है. दलित छात्र इससे वंचित हो जाएंगे. वहीं विधायक केदार हाजरा ने भी सरकारी नौकरियों के विज्ञापन में एससी कैटगरी के लिए सीट नहीं होने का मुद्दा उठाया. सूचना के माध्यम से उन्होंने कहा कि सरकार को इसपर ध्यान देना चाहिए. नीलकंठ सिंह मुंडा ने भी केदार हाजरा के द्वारा उठाये गए मुद्दे पर सहमति जताई. जिसपर स्पीकर रबिन्द्रनाथ महतो ने संसदीय कार्य मंत्री रामेश्वर उरांव से कहा कि इस मुद्दे पर सरकार ध्यान दे. वहीं शून्य काल के दौरान विधायक विनोद कुमार सिंह ने पोषण सखियों को समायोजित करने की मांग की. सुनीता चौधरी ने भैरवा नदी के दोनों ओर नगर बनाने की मांग की. उमाशंकर अकेला ने रसोइया का मानदेय बढ़ाने की मांग की. लंबोदर महतो ने सहिया, पंचायत स्वयं सेवक संघ, मनरेगा कर्मियों के स्थायीकरण की मांग की.

सीएम हेमंत सोरेन से मिले रूहानी मर्कज के अध्यक्ष

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में मंगलवार को रूहानी मर्कज के अध्यक्ष सह पूर्व विधायक हसन रिजवी ने मुलाकात की. उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि रूहानी मर्कज, जमशेदपुर की ओर से 11 अगस्त को राज्यवासियों की सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली के लिए दरगाह अजमेर शरीफ में चादरपोशी और दुआएं-ए-खास का आयोजन किया जाएगा. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अजमेर शरीफ भेजी जाने वाली चादर-ए-मुबारक का अनावरण किया. मौके पर रिजवी ने मुख्यमंत्री को अजमेर शरीफ की टोपी तथा साफा पहनकर सम्मानित किया. इस अवसर पर विधायक मंगल कालिंदी, शोहदा-ए-कर्बला के महासचिव अब्बास अंसारी, झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता गुलरेज अख्तर सहित अन्य उपस्थित थे.

पत्नी कल्पना संग राज्यपाल से मिले सीएम, दी शुभकामनाएं

संवाददाता। रांची

- झारखंड से विदा हुए सीपी राधाकृष्णन, आज नए राज्यपाल गंगवार लेंगे शपथ

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गांडेय विधायक व अपनी पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन के साथ राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मंगलवार को राजभवन में मुलाकात की. मौके पर हेमंत सोरेन ने राज्यपाल राधाकृष्णन को सप्रेम पुष्पगुच्छ भेंट किया और उनके सुदीर्घ एवं स्वस्थ जीवन के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी. मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का स्नेह, आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन झारखंडवासियों को सदैव मिलता रहेगा. मालूम हो कि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन मंगलवार को झारखंड से विदा हो गए. उन्हें महाराष्ट्र के नये राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया है. वहीं झारखंड के नव नियुक्त राज्यपाल संतोष गंगवार बुधवार को राज्य के 12वें राज्यपाल

के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे. झारखंड हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद संतोष गंगवार को पद की शपथ दिलाएंगे. नव नियुक्त राज्यपाल मंगलवार की शाम रांची पहुंच गए.

सीओ ने 4 लाख रुपये लिया, काम भी नहीं किया

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

चतरा जिले के प्रतापपुर अंचल के निवर्तमान सीओ नित्यानंद दास पर एक महिला ने गंभीर आरोप लगाये हैं, प्रतापपुर इलाके की रहने वाली महिला ने सीओ नित्यानंद दास पर जमीन म्यूटेशन को लेकर 4 लाख घूस लेने का आरोप लगाया है. आरोप लगाने वाली महिला ने एक वीडियो जारी किया है. उस वीडियो

कर्मी पैसा देने आया तो पीड़ित ने बनाया वीडियो

में बताया कि जब सीओ नित्यानंद दास का ट्रांसफर हजारीबाग के विष्णुगढ़ कर दिया गया, तो सीओ ने बहुत मुश्किल से रिश्वत के पैसे वापस करने की हामी भरी. मामला तूल पकड़ता देख खुद के खाते से 50 हजार भी ट्रांसफर किये. फिर 80 हजार कैश अंचल के कर्मचारी नारायण झा के जरिये उनके घर भेजा. जब सीओ ने कर्मचारी को पैसे देने भेजा, उस समय महिला और उसके घर वालों ने अपने मोबाइल से वीडियो बना लिया. यह वीडियो सोशल मिडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. हालांकि लगातार.इन इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है.

इस पूरे मामले पर निवर्तमान सीओ ने सफाई देते बताया कि महिला का आरोप निराधार है. यह वीडियो काफी पुराना है. वीडियो सामने आने के बाद चतरा जिले के एसडीओ इस पूरे मामले की जांच कर रहे हैं.

पीएलवी का मानदेय बढ़ा कर 700 रुपये किया

संवाददाता। रांची

झारखंड में कार्यरत पारा लीगल वॉलेंटियर्स (पीएलवी) को अब 700 रुपये प्रतिदिन की दर से मानदेय मिलेगा. झारखंड हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस और झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की पहल पर इसकी स्वीकृति दे दी गई है. झारखंड में फिलहाल एक हजार से ज्यादा पीएलवी कार्यरत हैं. इससे पहले सभी पीएलवी को 500 रुपये प्रतिदिन की दर से मानदेय का भुगतान किया जाता था. झालसा के निर्देश के मुताबिक, प्रत्येक पीएलवी को महीने में न्यूनतम आठ दिन का कार्य देने का प्रावधान है.

बालू का वैध खनन बंद होने के कारण बढ़ गया है संकट

विशेष संवाददाता। रांची

भाजपा विधायक विरंची नारायण ने सदन में बालू संकट का मामला उठाया. उन्होंने कहा कि झारखंड में वर्तमान में झारखंड स्टेट सैंड माइनिंग पॉलिसी 2017 लागू है. जिसके तहत केटेगरी-1 में 235 बालू घाट और केटेगरी-2 में 444 बालू घाट हैं. जिसमें मात्र 44 बालू घाट ही वैध है जिसमें बालू का वैध खनन हो रहा है. शेष बालू घाटों में जेएसएमडीसी के माध्यम से टेंडर, माइनिंग प्लान की प्रक्रिया पूर्ण होने से इन बालू घाटों में वैध खनन बंद है जिसके कारण धड़ल्ले से बालू घाटो से अवैध खनन और भंडारण हो रहा है. उन्होंने मामले को उठाते हुए सरकार से मांग किया कि सरकार अनियमितता पर तत्काल राक लगाते हुए इसके अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन में शामिल व्यक्तियों एवं पदाधिकारियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई करे.

छवि रंजन को जमानत देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

संवाददाता। रांची

जमीन घोटाला से जुड़े केस के आरोपी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की डिफॉल्ट बेल पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुना दिया है. अदालत ने बेल देने से इनकार करते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी. सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने छवि रंजन की डिफॉल्ट बेल पर सुनवाई की. छवि रंजन की ओर से वरीय अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल और अधिवक्ता अभिषेक चौधरी ने बहस की. रांची के पूर्व डीसी ने जिस केस में डिफॉल्ट बेल के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, वह चेशायर होम रोड स्थित भूखंड की खरीद-बिक्री में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा हुआ है.

झारखंड केवल 30 फीसदी कैदियों को सजा मिली है

जेलों में बंद 12397 कैदी अंडर ट्रायल

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड की जेलों में 70 फीसदी यानि 12397 कैदी ऐसे हैं, जो अंडरट्रायल हैं यानी जिनका मुकदमा चल रहा है. केवल 30 फीसदी कैदियों को सजा मिली है, यानी वे कनविक्टेड इनमेट्स हैं. यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है. झारखंड में कुल 31 जेल हैं. जिनमें संेट्रल जेल, 16 डिस्ट्रिक्ट जेल, हजारीबाग में एक ओपन जेल और सात सब-जेल हैं. इन जेलों में कुल 17718 कुल कैदी बंद हैं. इनमें से 12397 अंडर ट्रायल और 5321 सजायाफ्ता कैदी बंद हैं.

राज्य में 856 महिलाएं बंदी जेल में, एक भी महिला जेल नहीं

झारखंड में अब तक महिला कैदियों के लिए अलग से जेल नहीं बनाया गया है, जबकि पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल, बिहार में महिलाओं के लिए अलग से जेल है. झारखंड में कुल 868 महिला कैदी हैं. तमिलनाडु जैसे राज्य में 13 महिला जेल हैं, जिसमें 790 महिला कैदी को रखा गया है. केरल के चार महिला जेलों में 186 महिला बंदी हैं. राजस्थान में सात महिला जेल में 688 महिला बंदी हैं. बिहार में 2890 महिलाएं जेल में बंद हैं. बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, गुजरात जैसे राज्य में दो-दो महिला जेल हैं.

किस जेल में कितने कैदी अंडर ट्रायल व सजायाफ्ता

जेल	सजायाफ्ता	अंडर ट्रायल	जेल	सजायाफ्ता	अंडर ट्रायल
रांची	1340	1948	लातेहार	08	406
देवघर	124	319	लोहरदगा	28	240
दुमका	676	551	पाकुड़	27	271
जमशेदपुर	1045	756	साहिबगंज	27	252
हजारीबाग	1110	546	साकची	40	187
गिरिडीह	133	556	सरायकेला	11	392
पलामू	340	676	सिमडेगा	14	355
चाईबासा	73	813	बरही	00	06
चास	70	226	घाटशिला	07	175
चतरा	05	500	खूंटी	05	513
धनबाद	66	555	मधुपुर	27	136
गढ़वा	53	400	राजमहल	03	107
गोड्डा	08	323	रामगढ़	10	219
गुमला	38	443	तेनुघाट	18	155
जामताड़ा	01	140	ओपन जेल	05	66
कोडरमा	09	165	कुल 5321	12397	17718

क्लासिफाइड

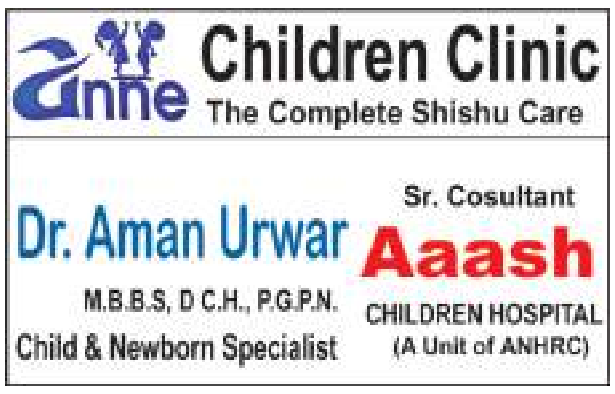

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर, बुधवार 31 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 113 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

दुर्घटना की कहानी यात्रियों की जुबानी राजखरसावां व बड़ाबाम्बो के बीच हावड़ा-मुंबई मेल हादसा

तेज आवाज के साथ पलट गई बोगी, चारों ओर भयावह मंजर

घटना स्थल पर बचाव व राहत कार्य के लिए मौजूद रेल, प्रशासन व पुलिस के अधिकारी. (दाहिने) रेल पटरी के समीप मैदान में जमा बचावकर्मी और ग्रामीण.

शंभू कुमार | चक्रधरपुर

राजखरासावां व बड़ाबाम्बो रेलवे स्टेशन के बीच मंगलवार अहले सुबह लगभग 3 बजकर 45 मिनट पर दुर्घटनाग्रस्त हुई हावड़ा-मुंबई मेल ट्रेन में मौजूद यात्रियों ने बताया कि पहले तीव्र गति के साथ कंपन हुआ. उसके बाद जोर की तेज आवाज के साथ ट्रेन पलट गई. ट्रेन की बोगियों की लाइटें बंद हो गई. अधिकांश यात्री उस वक्त सो रहे थे. इस बीच किसी ने आग लगने की अफवाह भी फैला दी. इससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई. ट्रेनों में सामान बिखर गये थे. एसी कोच के कांच टूटकर ट्रेनों में बिखर गये. कई अपना सामान छोड़कर ट्रेन से नीचे उतरे. ओएचई तार में विद्युत प्रवाह के खतरे के बीच यात्री ट्रेन से जैसे-तैसे नीचे उतरे. नीचे उतरने के बाद यात्रियों के सामने चारों ओर अंधेरा था. बोगियां एक-दूसरे पर चढ़ी हुई थी. ओएचई तार आदि जगह-जगह टूटे हुये थे. कई घायल दर्द से कराह रहे थे. ट्रेन के आसपास सभी यात्री जमा हो गये. थोड़ी देर बाद स्थानीय ग्रामीणों का आना शुरू हुआ. सुबह लगभग छह बजे एम्बुलेंस व अन्य वाहनों से घायलों को अस्पताल भेजा गया.

ट्रेन डगमगाने लगी और पलट गई

रश्मि बन्सोल.

चक्रधरपुर के रेलवे अस्पताल में इलाजरत युवा कांग्रेस की सदस्य रश्मि बन्सोल अपनी मां आशा कराकर के साथ ट्रेन के एसी कोच ए टू में यात्रा कर रही थी. उन्होंने बताया कि जिस वक्त घटना हुई वह और उसकी मां सो रही थी. ट्रेन लगभग 120 से 130 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड में होगी. अचानक ट्रेन डगमगाने लगी और पलट गई. मां को लेकर वह ट्रेन से नीचे उतरी तो काफी डरावना मंजर था. सौ से अधिक घायल लोग थोड़ी दूर नीचे स्थित मैदान में जमा हो गये.

पत्थर से रगड़ाने की आवाज आयी

सुमनदीप

कोलकाता निवासी सुमनदीप नाथ ने बताया कि वे अपने मित्र प्रदीप अग्रवाल के साथ हावड़ा से मुंबई जा रहे थे. दोनों ट्रेन के अंतिम छोर में जेनरल डिब्बे में सवार थे. घटना के वक्त दोनों दोस्त आपस में बात कर रहे थे. इस बीच अचानक ट्रेन की पहियों के पत्थर से रगड़ाने की आवाज आयी और मानो जोरदार धक्का हुआ हो. इस घटना में उनकी बोगी पलटने से बच गई, लेकिन जेनरल बोगी में सवार कई लोगों को हल्की चोटें लगी हैं.

शौचालय का दरवाजा टूटकर गिरा

साहेब आलम

हावड़ा-मुंबई मेल में हावड़ा से मुंबई की यात्रा कर रहे साहेब आलम ने बताया कि वह ट्रेन के एसी कोच बी-5 में यात्रा कर रहे थे. ट्रेन जब दुर्घटना ग्रस्त हुई उस वक्त वे ट्रेन के शौचालय में थे. ट्रेन जोरदार धक्के के साथ पलट गई. इससे शौचालय का दरवाजा टूटकर उनपर जा गिरा. इसके बाद वे टूटे दरवाजे को अपने ऊपर से हटाकर बाहर निकले और अपनी बर्थ के समीप जाकर मोबाइल ढूंढकर ट्रेन से नीचे उतरे. उनके हाथ व पूरे शरीर के कई हिस्सों में चोट लगी है.

आग लगने की फैली थी अफवाह

माधव मंडल.

हावड़ा-मुंबई मेल में हावड़ा से मुंबई अपनी पत्नी के इलाज के लिए जा रहे हावड़ा के उलीबेड़िया निवासी माधव मंडल ने बताया कि जिस वक्त ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हुई वे सो रहे थे. दुर्घटना होने के बाद वे और उनकी पत्नी सीट से नीचे गिर गये. इससे उनके सिर में चोट पहुंची. वहीं पत्नी सरस्वती मंडल के भी शरीर के अंदरुनी हिस्सों में चोट लगी. इस बीच किसी ने यह हल्ला कर दिया कि ट्रेन में आग लग गई है. किसी तरह सामान छोड़कर ट्रेन से नीचे उतरे. इससे एक बैग भी छूट गया.

राउरकेला के दो दोस्त की एक साथ गई जान

टाटानगर से घर के लिए कर रहे थे यात्रा

अजीत कुमार सामल.

पी विकास राव.

संवाददाता | चक्रधरपुर

हावड़ा से मुंबई जाने वाली 12810 सीएसएमटी मेल में टाटानगर रेलवे स्टेशन पर सवार हुए राउरकेला के रेलवे कॉलोनी में रहने वाले दो दोस्तों की यह आखिरी यात्रा साबित हुई. राउरेकला के रेलवे कॉलोनी में रहने वाले 37 वर्षीय अजीत कुमार सामल उर्फ लुभ्भा व 27 वर्षीय पी विकास राव दोनों आपस में अच्छे दोस्त थे. पी विकास राव जमशेदपुर स्थित एक स्पा में मैनेजर के पद पर काम करता था.जबकि उसका दोस्त अजीत कुमार सामल विभिन्न प्रकार के सामानों को लाकर बेचा करता था. काम के सिलसिले से ही अजीत कुमार सामल अपने दोस्त पी विकास राव के पास गया था और दोनों दोस्त हावड़ा-मुंबई मेल में टाटानगर से राउरकेला के लिए यात्रा कर रहे थे. दोनों ट्रेन के एसी कोच संख्या बी-4 में सवार थे. जिस वक्त घटना घटी उस वक्त दोनों ट्रेन के कोच में शौचालय के समीप बैठे थे. घटना के दौरान ट्रेन की एक बोगी दूसरे बोगी पर चढ़ जाने के कारण दोनों बुरी तरह दब गये. जिससे दोनों के सिर व शरीर में गंभीर चोटें लगने से दोनों की मौत हो गई. घटना के बाद किसी तरह ट्रेन के कोच को काटकर दोनों का शव बाहर निकाला गया था.

इधर घटना की सूचना मिलने से राउरकेला के रेलवे कॉलोनी क्षेत्र व दोनों मृतक के जान पहचानों में शोक की लहर दौड़ गई. दुर्घटना में मरने वाले दोनों दोस्त के शव को पहले चक्रधरपुर के रेलवे अस्पताल लाया गया. जहां दोनों के शव को शीतगृह में रखा गया था. इसके बाद परिजनों के आने पर चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल में पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया.

मोबाइल पर फोटो देखकर हुई पहचान

हावड़ा-मुंबई मेल ट्रेन दुर्घटना में मरने वाले अजीत कुमार सामल व पी विकास राव की पहचान दुर्घटना के बाद कई सोशल मीडिया पर जारी हुये फोटो से पहचान हुई. चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने पहुंचे मृतक के परिजनों ने बताया कि अहले सुबह ट्रेन दुर्घटना की खबर मिली, कई सोशल मीडिया पर जारी हुये फोटो से दोनों की पहचान हो सकी. इसके बाद दोनों मृतक के परिजन व राउरकेला से लगभग 16-17 गाड़ियों में सड़क मार्ग से दोनों के लगभग 40 से अधिक की संख्या में लोग चक्रधरपुर पहुंचे थे. मृतक के साथियों ने बताया कि अजीत कुमार सामल विवाहित था और उसके दो बच्चे भी हैं.

नाकाम साबित हो रहे प्रधानमंत्री : बन्ना गुप्ता

संवाददाता | चक्रधरपुर

राहत व बचाव कार्य का जायजा लेते मंत्री बन्ना गुप्ता एवं दीपक बिरूवा.

हावड़ा-मुम्बई मार्ग पर चक्रधरपुर रेल डिवीजन के बड़ाबम्बो-राजखरसावां रेलवे स्टेशन के बीच पोटो बेड़ा गांव के समीप हुए ट्रेन हादसे की खबर सुनकर मंगलवार को घटना स्थल पर झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता पहुंचे. इस दौरान उनके साथ आदिवासी कल्याण मंत्री दीपक बिरुवा भी मौजूद रहे. बन्ना गुप्ता चक्रधरपुर रेल अस्पताल भी पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना. स्वास्थ्य मंत्री ने मृतकों के आश्रितों को झारखंड सरकार द्वारा दो-दो लाख रुपये सहायता राशि दिए जाने की घोषणा की है. घटना पर उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए रेल मंत्रालय और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तंज कसा. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री रेल मंत्रालय के सहयोग से रेल दुर्घटना रोकने में नाकाम साबित हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि रेल मंत्रालय द्वारा एडवांस डिवाइस लाने का दावा किया गया था, जिससे रेल दुर्घटनाओं में कमी होगी लेकिन ऐसा होता दिख नहीं रहा है.

कई सामाजिक संगठनों ने की राहत कार्य में मदद

बड़ाबाम्बो रेलवे स्टेशन के पास हुई ट्रेन दुर्घटना के बाद एनडीआरएफ, एसआरपी समेत अन्य कई बचाव दल घटना स्थल पहुंचे. वहीं स्काउट्स एंड गाइड्स, गिरिराज सेना के अलावे विभिन्न सामाजिक संगठनों ने घायलों को मदद पहुंचाने के लिए पानी, बिस्कुट, खाने के अन्य सामान आदि प्रदान किया. चक्रधरपुर नगर परिषद के अलावे सरायकेला-खरसावां जिला से पानी के टैंकर पहुंचे थे, ताकि किसी को परेशानी न हो सके. इधर, राहत कार्य में सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम और पूर्वी सिंहभूम जिला पुलिस भी मौजूद रही. सरायकेला-खरसावां जिले के एसपी मुकेश कुमार लुणायत, पश्चिमी सिंहभूम जिले के एसपी आशुतोष शेखर और पूर्वी सिंहभूम के ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग सुबह से ही राहत कार्य में लगे रहे.

मृतक के परिजनों को 10-10 लाख का मुआवजा

संवाददाता | चक्रधरपुर

घटना स्थल पर दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा.

घटना को लेकर दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक (जीएम) अनिल कुमार मिश्रा ने बताया कि मंगलवार को 3 बजकर 33 मिनट पर टाटानगर की ओर जा रही मालगाड़ी ने 3 बजकर 33 मिनट पर बड़ाबाम्बो रेलवे स्टेशन को पार किया था. जबकि 3 बजकर 39 मिनट पर दो किमी की दूरी पर ही मालगाड़ी के 20वें नंबर की बोगी डिरेल हो गई. इस बीच अप लाइन पर आ रही 12810 हावड़ा-मुंबई मेल मालगाड़ी से टकरा गई. घटना काफी कम समय में हुई. जब तक कोई एक्शन होता, इस बीच मात्र पांच से छह मिनट के अंतराल में यह हादसा हो गया. रेल जीएम ने कहा कि घटना में दो लोगों की मौत हुई है. वहीं आठ लोगों को हल्की चोट पहुंची है. उन्होंने कहा कि रेलवे की मुआवजा प्रक्रिया के तहत मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये दिये जाएंगे, जबकि घायलों को भी मुआवजा दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि 18 से 24 घंटे के भीतर ट्रैकों पर से गाड़ियों को उठाने, घटना के बाद बचाव टीम पहुंची, ट्रैक को ठीक करने में जुटे थे कर्मचारी घटना के बाद चक्रधरपुर से कई बड़े जेसीबी मशीन, बड़े-बड़े क्रेन इत्यादि लगाकर ट्रैकों को ठीक करने का काम जारी था. इसे लेकर बड़ी संख्या में रेलवे के इंजीनियरिंग समेत अन्य कई विभाग के अधिकारी व कर्मचारी कार्य में लगे हुये थे.

घटना के बाद इन ट्रेनों को किया गया रद्द

22861 हावड़ा- टीटलागढ़-कांटाबांजी एकप्रेस, 08015/18019 खड़गपुर-झाड़ग्राम-धनबाद एक्सप्रेस,12021/12022 हावड़ा-बारबिल-हावड़ा जनशतब्दी एक्सप्रेस,18109 टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस एक्सप्रेस,18030 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस को मंगलवार को रद्द कर दिया गया. वहीं 18114- बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस ट्रेन जो 29 जुलाई को खुली थी आज राउरकेला तक ही चली. 18190- एर्नाकुलम-टाटानगर एक्सप्रेस जो 28 जुलाई को खुली थी वह राउरकेला तक ही चलेगी. 18011 हावड़ा चक्रधरपुर एक्सप्रेस, जिसके सफर की शुरुआत 30 जुलाई को हुई आद्रा तक ही चलेगी. 18110 इतवारी-टाटानगर एक्सप्रेस जो 30 जुलाई को खुली बिलासपुर तक ही चलेगी.

ब्रीफ खबर

टीपीएस डीएवी में क्लस्टर लेवल एथलीट आयोजित

बहरागोड़ा | तारापद षाड़ंगी

डीएवी पब्लिक स्कूल में मंगलवार को में डीएवी सीएमसी के मार्गदर्शन में आयोजित संकुल स्तरीय राष्ट्रीय खेल का आयोजन किया गया. स्कूल की चेयरमैन डॉ बिन्नी षाड़ंगी एवं एआरओ ओपी मिश्रा, प्राचार्य अनूप कुमार एवं पर्यवेक्षक चिड़िया डीएवी के प्राचार्य एसके झा और झींकपानी के प्राचार्य एसके पाठक ने शुभकामनाएं दीं व पदक प्रदान किए. ओवरऑल चैंपियन बॉयज गुवा डीएवी और गर्ल्स में डीएवी चिड़िया बना.

पोटका में पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलने की मांग

जमशेदपुर | पोटका विधानसभा के विधायक संजीव सरदार ने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंपाई सोरेन को मांग पत्र सौंपकर विधानसभा क्षेत्र में पॉलिटेक्निक कॉलेज की स्थापना करने की मांग की. विधायक ने उन्हें बताया कि पोटका प्रखंड की जनसंख्या 2.10 लाख के करीब है. साथ ही सटे डुमरिया प्रखंड की जनसंख्या लगभग 70 हजार है. दोनों प्रखंडों में पॉलिटेक्निक कॉलेज नहीं होने से यहां के छात्रों को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए जमशेदपुर अथवा दूसरे जिले में जाना पड़ता है.

चाकुलिया में 33000 सीएफटी बालू का मिला अवैध भंडारण

गुप्त सूचना पर अंचलाधिकारी ने की छापेमारी

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई के तहत मंगलवार को चाकुलिया के अंचलाधिकारी ने श्यामसुन्दरपुर थाना अंतर्गत दुधियाशोल एवं ठाकुरबाड़ी में करीब 33000 सीएफटी बालू का अवैध भंडारण पकड़ा. दोनों जगहों पर बरामद बालू की जब्ती सूची बनाकर इसकी सूचना खनन विभाग को दे दी गई है. दूसरी ओर खान निरीक्षक ने पटमदा अंचल के बंद खदानों में अवैध खनन की सूचना पर छापेमारी की. छापेमारी के दौरान अवैध खनन नहीं पाया गया. वहीं अवैध खनन का परिवहन करते हुए भी कोई वाहन नहीं दिखा. खान निरीक्षक ने खनन मार्ग की ओर आने-जाने वाले मार्ग में जेसीबी से ट्रेंच कटवा दिया जिससे अवैध खनन एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लग सके. ज्ञात हो कि दो दिन पहले उपायुक्त ने खनन टास्क फोर्स की बैठक में अधिकारियों को अवैध खनन पर रोक लगाने का निर्देश दिया था. उसी आलोक में टास्क फोर्स ने कार्रवाई शुरू की है.

एसएसपी ने किया टेल्को थाना का निरीक्षण

जमशेदपुर | वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) किशोर कौशल ने मंगलवार को टेल्को थाना का निरीक्षण किया. निरीक्षण के क्रम में थाना अभिलेखों का निरीक्षण किया गया तथा लंबित कांड, वारंट, कुर्की का शीघ्र निष्पादन, अपराध नियंत्रण हेतु क्षेत्र में सघन गश्ती करने के साथ सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लेते हुए वहां उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया.

एक्सएलआरआई में ऑनलाइन लर्निंग प्रोग्राम का नया सत्र

जमशेदपुर | एक्सएलआरआइ में ऑनलाइन लर्निंग प्रोग्राम की शुरुआत की गयी है. एआइसीटीइ एप्रूव इस ऑनलाइन कोर्स में कुल 97 विद्यार्थियों का नामांकन हुआ है. सोमवार को नए सत्र की शुरुआत हुई. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में एक्सएलआरआइ एल्युमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष राणावीर सिन्हा जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर एस जॉर्ज, डीन एडमिन एंड फाइनांस फादर डोनाल्ड डिसिल्वा, डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर संजय पात्रो उपस्थित थे.

इस अवसर पर बताया गया कि उक्त कोर्स को वर्ष 2022 में लांच किया गया था. इस कोर्स का यह तीसरा सत्र है. दो साल पूर्व इस कोर्स को एआइसीटीइ से मान्यता मिली है. फादर एस जॉर्ज ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी. उन्होंने एक्सओएल प्रोग्राम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रोग्राम को वही कर पाते हैं जिन्हें इंडस्ट्री में कार्य करने का अनुभव प्राप्त है. जरूरी यह नहीं है कि आपको दो साल के बाद डिग्री मिल जाएगी, जरूरी यह है कि आप दो साल के दौरान क्या कुछ सीखते हैं और उसे किस प्रकार अमल में लाते हैं. राणावीर सिन्हा ने कहा कि एक्सएलआरआइ कामकाजी लोगों और अधिकारियों के लिए ऑनलाइन पढ़ाई शुरू करने वाला पहला संस्थान है.

विधानसभा में जमशेदपुर पूर्वी के विधायक ने उठाया मसला

मंत्री ने कहा- केबुल कंपनी में नहीं हुई चोरी, सरयू बोले जवाब गलत

दो साल पहले खुद गोलमुरी थाने में दर्ज कराई थी प्राथमिकी

- एनसीएलटी का आदेश 4 जून 2021 को रद्द कर दिया गया था
- कंपनी में ऋणदाताओं की कमेटी कभी बनी ही नहीं

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

झारखण्ड विधान सभा में जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय द्वारा पूछे गये अल्पसूचित प्रश्न का सही उत्तर सरकार ने नहीं दिया है. विधायक ने कंपनी के बंद होने के बाद वहां निरंतर हो रहे चोरी का मामला उठाया. लेकिन सरकार ने कहा कि हाल के वर्षों में कंपनी में चोरी की कोई घटना नहीं हुई है. साथ ही इससे जुड़ा कोई मामला थाना में दर्ज नहीं है. जबकि विधायक सरयू राय ने कहा कि उन्होंने स्वयं दो वर्ष पहले वहां की भारी मशीनों की चोरी होने के संबंध में गोलमुरी थाने में मामला दर्ज कराया था. उन्होंने सरकार के उत्तर को सरासर गलत बताया. उन्होंने कहा कि उनके द्वारा दर्ज करायी गई प्राथमिकी पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई. केबुल कंपनी इलाके का बच्चा-बच्चा जानता है कि वहां अब कोई मशीनरी नहीं है, सभी मशीनों की चोरी कर ली गई है.

उन्होंने कहा कि केबुल कंपनी के पुनरूद्धार करने तथा चालू करने के संबंध में सरकार ने गोल मटोल जवाब दिया. विधायक ने बताया कि वास्तव में एनसीएलटी का 7 फरवरी 2020 को कंपनी बंद करने का आदेश एनसीएलएटी ने अपने 4 जून 2021 के आदेश द्वारा गलत करार देकर रद्द कर दिया गया. जिस आदेश को फरवरी, 2022 में सुप्रीम कोर्ट भी सही करार दे चुकी है. एनसीएलएटी ने अपने आदेश में कहा है कि इंकैब के ऋणों की रिजोल्यूशन प्रोफेशनल ने जांच नहीं की इसलिए इस कंपनी में ऋणदाताओं की कमिटी कभी बनी ही नहीं. उन्होंने बताया कि इंकैब कंपनी 1993 से 96 तक बंद थी. यानी सारा बैंक अकाउंट 1992 में एनपीए हो गया और 1996 आते आते सारे ऋण लिमिटेशन कानून के कारण समाप्त हो गये. तो ऋणदाताओं की कमिटि बनी कैसे ? एनसीएलटी इन फर्जी ऋणदाताओं को कैसे सुन रही है ? वास्तव में सरकार को ये तथ्य सदन में रखना चाहिए, जबकि वह विधानसभा में गलत उत्तर दे रही है. विधायक ने बताया कि इससे पहले भी सरकार ने कंपनी के पुनरूद्धार का आश्वासन दिया था. लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई.

पोटका, बहरागोड़ा में जिप बनाएगी दुकानें बस स्टैंड, मैरेज हॉल

जमशेदपुर | जिला परिषद की सामान्य बैठक मंगलवार को साकची स्थित परिषद सभागार में अध्यक्ष बारी मुर्मू की अध्यक्षता में हुई. बैठक में उप विकास आयुक्त मनीष कुमार, जिला परिषद उपाध्यक्ष पंकज समेत सभी जिला परिषद सदस्यगण व प्रखंड प्रमुख तथा जिला स्तरीय पदाधिकारी शामिल हुए. सामान्य बैठक के लिए 23 एजेंडे निर्धारित किए गए थे. जिसपर बारी-बारी से चर्चा हुई.

इस दौरान जिला परिषद की आय बढ़ाने के लिए मार्केट कॉम्प्लेक्स निर्माण कराए जाने पर सहमति बनी. जिला परिषद की बहरागोड़ा, पोटका स्थित जमीन पर मार्केट कॉम्प्लेक्स निर्माण का निर्णय लिया गया. बहरागोड़ा के पाटपुर डाक बंगला परिसर में जिला परिषद की जमीन पर 92 दुकान बनाने तथा एक मैरेज हॉल निर्माण का निर्णय लिया गया. इसी तरह पोटका के हाता में स्थित जिला परिषद की जमीन पर बस स्टैंड एवं मार्केट कॉम्प्लेक्स (दुकान) बनाने का निर्णय लिया गया. साथ ही परिषद की घाटशिला प्रखंड के उल्दा पंचायत के गालुडीह में बहुउद्देशीय भवन सह मैरेज हॉल निर्माण का निर्णय लिया गया. 15 वें वित आयोग से आवंटित 26.65 करोड़ में 14 करोड़ 74 लाख व्यय का अनुमोदन किया गया. वर्ष 2022-23 में 113 योजनायें स्वीकृत की गईं थी जिनमें 103 को पूर्ण कर लिया गया है.

ब्रीफ खबरें

टाटा मोटर्स में आज व कल ब्लॉक क्लोजर

जमशेदपुर । टाटा मोटर्स के जमशेदपुर प्लांट में 31 जुलाई व 1 अगस्त को ब्लॉक क्लोजर रहेगा. जिसके कारण उस दिन प्लांट पूरी तरह बंद रहेगा. 2 अगस्त को सामान्य दिनों की तरह कंपनी खुलेगी. इस संबंध में प्लांट हेड की ओर से सर्कुलर जारी किया गया है. मिली जानकारी के अनुसार कंपनी ने समय पूर्व उत्पादन का लक्ष्य पूरा कर लिया है. साथ ही बरसात के दिनों में सप्लाई कम होने के कारण कंपनी को बीच-बीच में ब्लॉक क्लोजर करना पड़ा. ब्लॉक क्लोजर के दौरान कर्मचारियों को आधा वेतन मिलता है और आधा कंपनी वहन करती है.

भाजपा शासित राज्यों से घुसपैठियों को निकालें

जमशेदपुर । राजद नेता सह अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्पु ने बंगलादेशी घुसपैठियों के मामले में भाजप व केंद्र सरकार को आड़े हाथ लिया. उन्होंने कहा कि घुसपैठ की समस्या निःसंदेह गंभीर समस्या है. लेकिन इस संबंध में प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री निर्णय व निर्देश देने के लिए काफी हैं. दोनों को पहल करनी चाहिए. साथ ही सबसे पहले भाजपा शासित राज्यों में रह रहे बंगलादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालना चाहिए.

सरायकेला जेडीयू ने खीरू महतो को दी बधाई

आदित्यपुर । जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो को राज्यसभा में संसदीय सचेतक मनोनीत किया गया है. उनके मनोनयन पर सरायकेला जेडीयू कमेटी ने खुशी जताई है. सरायकेला जिलाध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार ने बताया कि खीरू महतो को राज्यसभा संसदीय सचेतक पद पर मनोनीत किए जाने पर उन्हें हार्दिक बधाई है. साथ ही कौशलेंद्र ने बताया कि इस बार झारखंड विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने भी मजबूत दावेदारी पेश करते हुए 11 सीटों पर प्रत्याशी देने का प्रस्ताव एनडीए के संयोजक को दिया है.

निशान साहिब को लेकर आदेश का किया स्वागत

जमशेदपुर। निशान साहिब के रंग को लेकर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी (एसजीपीसी), धर्म प्रचार कमेटी द्वारा जारी आदेश का सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी (सीजीपीसी) ने स्वागत किया है. एसजीपीसी की धर्म प्रचार कमेटी ने केसरी चोला के स्थान पर बसंती रंग या सुरमई रंग की पोशाक का निशान साहिब लगाने का आदेश जारी किया है. प्रधान भगवान सिंह ने कोल्हान के सभी गुरुद्वारा के प्रधान से निशान साहिब का चोला बसंती या सुरमई रंग में यथाशीघ्र बदलने की अपील की उन्होंने कहा कि रहत मर्यादा अनुसार कोल्हान के सभी गुरुद्वारों में निशान साहिब को आदेशानुसार बदलवाया जायेगा.

सेन्ट्रल पब्लिक स्कूल में ग्रीन डे का आयोजन

आदित्यपुर । सेन्ट्रल पब्लिक स्कूल आदित्यपुर में मंगलवार को ग्रीन डे-2024 का आयोजन किया गया. इस मौके पर सेन्ट्रल पब्लिक स्कूल के प्राचार्य ने स्कूली बच्चों को ग्रीन डे की महत्ता बतायी और पर्यावरण के प्रति जागरूक किया. मौके पर उन्होंने पौधरोपण किया और जंगलों की सुरक्षा के कई टिप्स दिए. बच्चों से किसी भी शुभ आयोजन पर एक पौधा लगाने की अपील की. इस अवसर पर जूनियर कक्षाओं के छात्रों ने कई गतिविधियों में भाग लिया. सभी छात्रों के साथ शिक्षक और प्रधानाचार्य भी शामिल थे.

खोया-पाया

मैं **संजय कुमार ओझा**, पिता- स्वर्गीय विजय शंकर ओझा, पता - मकान संख्या 12, रोड नंबर - 02, डिमना, थाना - ओलिडीह, मानगो, जमशेदपुर (झारखंड) का निवासी हूं। दिनांक **26.07.2024** को समय तकरीबन 9:00 बजे सुबह में जब मैं डिमना चौक जा रहा था, तभी मेरी पत्नी प्रभा ओझा के नाम निबंधित जमीन का पुराना पंजीकरण का मूल दस्तावेज जो की सरस्वती गन, पति स्वप्न कुमार गन के नाम पर था। निबंधित दस्तावेज की मूल प्रति जो एक प्लास्टिक फोल्डर में था। वह स्कूटी से जाते समय रास्ते में कहीं गिर गया। मैंने उक्त कागजात की काफी खोजबीन की लेकिन दस्तावेज का मूल प्रति नहीं मिला।
उक्त जमीन का विवरण निम्न प्रकार है। **सेल डीड संख्या - 4037, दिनांक 02.09.1993**, जिस किसी सज्जन को उक्त कागजात प्राप्त हो कृपया **मोबाइल संख्या - 7978933264** पर संपर्क कर सूचित करने की कृपा करें। उक्त कागजात का गलत उपयोगकर्ता कानूनन दण्ड के भागी होंगे।

ह./- शपथकर्ता

बीडीओ ने दिलायी संपूर्णता अभियान की शपथ, प्रोग्राम लीडर ने दी विस्तार से जानकारी

घाटशिला को आकांक्षी प्रखंड का दर्जा दिलाने को सभी मिलकर काम करें

संवाददाता । घाटशिला

घाटशिला प्रखंड सभागार में संपूर्णता अभियान को लेकर मंगलवार को सभी विभागों के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि के साथ बैठक की गई. अभियान के संबंध में परिमल फाउंडेशन के प्रोग्राम लीडर शशि भूषण प्रसाद एवं रिया कुमारी ने विस्तृत जानकारी दी. बीडीओ युनिका शर्मा ने संपूर्णता अभियान की शपथ दिलाई. उन्होंने कहा कि किसी भी विभाग की बैठक में संपूर्णता अभियान को लेकर चर्चा करें ताकि सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में दी जाने वाली योजनाओं के संबंध में चर्चा करें. इससे लोगों को योजना के संबंध में जानकारी मिलेगी. घाटशिला प्रखंड को भी आकांक्षी प्रखंड का दर्जा मिले इसके लिए सभी को मिलकर काम करने की जरूरत है. इस अनुमंडल में मुसाबनी प्रखंड ही आकांक्षी प्रखंड के रूप में चिन्हित है. शशि भूषण ने विभिन्न विभागों से आए पदाधिकारियों से कहा कि इस अभियान के तहत छह सूचकांक को लेकर काम किया जाएगा. इसमें सर्वप्रथम स्वस्थ गर्भवती महिलाओं को 90 दिनों के अंदर जांच कर रजिस्ट्रेशन कराना होगा. इससे कई तरह की सुविधा गर्भवती महिलाओं को सरकार की ओर से दी जा रही है. गर्भवती महिलाओं को आंगनबाड़ी केंद्र से संपूरक पोषाहार दिया जाना है. किसानों के खेत की मिट्टी की जांच कर सॉयल हेल्थ कार्ड बनाकर दिया जाएगा. इसके अलावा सरकारी विद्यालय में शत-प्रतिशत किताब की प्राप्ति एवं सभी स्कूलों में बिजली, पानी एवं छात्रवृत्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करनी है. इसके अलावा अन्य कई बिंदुओं पर भी विस्तृत जानकारी दी गई.

बैठक में अनुमंडल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर आरएन सोरेन, बीपीएम मयंक कुमार, उप प्रमुख गोपाल कृष्ण अग्रवाल, बीसीओ सत्येंद्र कुमार के अलावा मुखिया, पंचायत सचिव एवं अन्य विभाग के लोग उपस्थित थे.

पोटका में पीडीएस दुकान के खिलाफ लाभुकों का फूटा गुस्सा

चार माह का राशन नहीं देने पर दुकान में की तालाबंदी

चाबी मुखिया को सौंप बटखरा अपने पास रख लिया

जमशेदपुर में उपायुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करते लाभुक

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

पोटका प्रखंड के हाथीबिंदा में स्थित पीडीएस दुकान अन्नपूर्णा महिला मंडल के खिलाफ मंगलवार को लाभुकों का गुस्सा फूट पड़ा. लाभुकों ने दुकान पर हंगामा करने के बाद दुकान में तालाबंदी कर दी तथा चाबी मुखिया को सौंपकर बटखरा अपने पास रख लिया. यही नहीं सभी लाभुक बटखरा लेकर पोटका से उपायुक्त कार्यालय पहुंचे.

यहां अन्नपूर्णा महिला मंडल की संचालिका शोभारानी महतो एवं अन्य की शिकायत की. लाभुकों के प्रदर्शन का नेतृत्व भाजपा नेता विमल बैठा कर रहे थे. उन्होंने बताया कि मार्च महीने से हाथीबिंदा गांव के लाभुकों को राशन (खाद्यान्न) नहीं मिल रहा है. इसकी स्थानीय बीडीओ से शिकायत की गई. लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई. अंततः स्थानीय पंचायत की मुखिया की मौजूदगी में लाभुकों ने दुकान पर प्रदर्शन किया तथा तालाबंदी कर दी. उपायुक्त कार्यालय में किसी अधिकारी के नहीं रहने पर शिकायत पत्र सौंपकर लाभुक लौट गए.

दो दिन में राशन वितरण का दिया आश्वासन

अन्नपूर्णा महिला मंडल की संचालिका शोभा रानी महतो ने पोटका के प्रखंड विकास पदाधिकारी को लिखित सौंपकर दुकान की चाबी दिलवाने की मांग की. साथ ही आश्वस्त किया कि दो दिनों के भीतर मार्च से लेकर अब तक का सभी लाभुकों का बकाया राशन वितरण कर दिया जाएगा. वहीं हाथीबिंदा पंचायत के मुखिया कृष्णा मुंडा ने दुकान की संचालिका को निर्देश दिया कि सरकारी अवकाश को छोड़कर अन्य दिन नियत समय पर दुकान खोलें तथा सही मात्रा में लाभुकों को राशन प्रदान करें.

उठूरडीह में पत्थर खनन का पट्टा दिए जाने का विरोध

ग्रामीणों ने लगाया फर्जी ग्रामसभा का आरोप

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

पोटका प्रखंड की सीमा पर स्थित राजनगर प्रखंड के तुमुंग पंचायत अंतर्गत चालियामा टोला के उठूरडीह में पत्थर खनन का पट्टा दिए जाने का ग्रामीणों ने जोरदार विरोध किया है. पंचायत की मुखिया के नेतृत्व में ग्रामीणों ने पत्थर खनन स्थल के समीप मैदान में सभा की तथा इसकी उच्चाधिकारियों से शिकायत करने का निर्णय लिया. बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि उठुरडीह में 6.68 एकड़ जमीन पर पत्थर खनन का पट्टा ग्राम प्रधान एवं पीयुष मंडल की मिलीभगत से किया गया है. खनन पट्टा के लिए ग्रामसभा की जानकारी सभी को नहीं देकर कुछ चुनिंदा लोगों को बुलाकर ग्राम सभा की गई. यहां तक की ग्रामसभा में नाबालिग बच्चों से हस्ताक्षर कराया गया. वहीं कुछ ग्रामीणों को पैसे का प्रलोभन देकर ग्रामसभा की कार्रवाई में हस्ताक्षर कराया गया. ग्रामीणों ने कहा कि लीज स्थल के समीप नव प्राथमिक विद्यालय उठुरडीह है. 300 मीटर की परिधि में उपयोगी तालाब, श्मशान भूमि व कृषि भूमि है. प्रस्तावित लीज स्थल के चारों ओर बुटीगोड़ा, नागा, तुमुंग, चालियामाव उठुरडीह गांव घिरा हुआ है. भूमिगत पत्थर खनन में ब्लास्टिंग होने से ग्रामीणों के घरों को क्षति पहुंचेगी. धूलकणों से वातावरण प्रदूषित होगा. अतः हम सभी ग्रामीण किसी भी हालत में यहां पत्थर खनन पट्टा स्वीकृत नहीं होने देंगे. इस संबंध में उपायुक्त सरायकेला-खरसावां को लिखित आवेदन देकर खनन पट्टा स्वीकृत नहीं करने की मांग की गई. प्रदर्शन में मुखिया सुनीति मुर्मू, पार्षद आमोदिनी महतो के प्रतिनिधि शशि महतो, वार्ड सदस्य तरुण रजक, जेबीकेएसएस के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रेम मार्डी, सोमेन मंडल, सूजय प्रमाणिक, सुनील महतो सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे.

हर सदस्य एक पौधे की देखभाल की जिम्मेवारी ले : प्रभाकर सिंह

सोना देवी विश्वविद्यालय परिसर में किया गया पौधरोपण

संवाददाता । घाटशिला

सोना देवी विश्वविद्यालय परिसर में मंगलवार को पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन सोना देवी विश्वविद्यालय तथा आनन्दधारा महिला समिति, घाटशिला के तत्वावधान में किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत में सोना देवी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रभाकर सिंह, कुलपति डॉ जे पी मिश्रा तथा आनन्दधारा महिला समिति की अध्यक्ष ब्रिट्रीस कच्छप एवं उपाध्यक्ष आभा सेन की गरिमामयी उपस्थिति में पौधारोपण किया गया.

इस अवसर पर कुलपति डॉ जे पी मिश्रा ने कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पौधा रोपण पर्यावरण संतुलन के लिए अति आवश्यक है. यह हमारी खुशनसीबी है कि हमारे राज्य झारखंड का वन प्रतिशत अन्य राज्यों की तुलना में संतोषजनक है. इसे बढ़ाकर और बेहतर करना है क्योंकि वन है तो जल है, जल है तो जीवन है.

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रभाकर सिंह ने विद्यार्थियों तथा सभी उपस्थित सदस्यों से आग्रह किया कि हर एक सदस्य एक पौधे की देखभाल तथा सुरक्षा की जिम्मेदारी लें और उनका समुचित विकास सुनिश्चित करें. उनको बढ़ते तथा फलते फूलते देखकर उन्हें असीम आनंद तथा संतोष का अनुभव होगा. इस अवसर पर आनंदधारा महिला समिति के सम्मानित सदस्यों मे शिखा रक्षित, रत्ना दास, डेजी रानी, डॉ रत्ना मुखर्जी, ज्योत्स्ना बिस्वास, बुलबुली सिन्हा, शुभ्रा रानी तथा विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक तथा छात्र-छात्राओं ने तुलसी, नीम, आंवला जैसे औषधीय पौधों के साथ साथ कई फूलों और छायादार पौधा लगाया.

घाटशिला जिला लेकर रहेंगे : लखन मार्डी

जिला निर्माण के लिए विधानसभा के सामने धरना प्रदर्शन

संवाददाता । घाटशिला

जिला निर्माण संघर्ष समिति घाटशिला ने जिला निर्माण की मांग को लेकर मंगलवार को विधानसभा के सामने कुटे मैदान में धरना प्रदर्शन किया.

इस कार्यक्रम का अध्यक्षता करते हुए जिला निर्माण संघर्ष समिति के संयोजक सह हाई कोर्ट के अधिवक्ता लखन मार्डी ने कहा कि घाटशिला जिला हम लेकर ही रहेंगे. हम घाटशिला से आज राजधानी आने के लिए बाध्य हुए हैं. हमारी भावनाओं को अनदेखा न किया जाए. मां रंकिनी की पवित्र धरती क्रांति का क्षेत्र रही है. हमारे पुरखों ने देश की आजादी के लिए बहुत संघर्ष किया. झारखंड अलग प्रांत के लिए सबसे ज्यादा कुर्बानियां दी लेकिन हम आज भी विकास से कोसों दूर हैं. जिला कार्यालय से काफी दूरी है. विकास की योजनाएं हमारे गांव तक नहीं पहुंच पाती हैं.

लखन मार्डी ने कहा कि हमारी अलग विशिष्टता है, हमारा अलग आचरण है, हमारी एक अलग जीवन शैली है. उद्योग और वन संपदा की दृष्टि से भी यह क्षेत्र बिल्कुल अलग है. हमारी समस्याएं भी भिन्न रही है. इस आधार पर ही हम घाटशिला को जिला बनाने की मांग कर रहे हैं.

धरना प्रदर्शन के कार्यक्रम में पूर्व सैनिक गोविंद सोरेन, बबलू प्रसाद, सत्या तिवारी, विश्वनाथ बेहरा, सरोज दत्ता, कौशिक कुमार, गोपाल पटनायक, दीपक दंडपाठ, काजल धल, मुंची राम गिरी, शिवा मदहालियर, स्वपन भद्र, गोविंद बेहरा, मुकेश सिंह, अनुराग मिश्रा, सृष्टि दास, राम विलास धीवर, सुपाई मांडी, दुर्गा बेसरा, सरोजित मांडी आदि उपस्थित थे.

विवाद शनिदेव भक्त मंडली ट्रस्ट में चल रहे गतिरोध के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी

पूर्व अध्यक्ष ने ट्रस्ट के क्रियाकलापों पर उठाये सवाल, कई आरोप लगाए

संवाददाता । आदित्यपुर

शनिदेव भक्त मंडली ट्रस्ट में इन दिनों चल रहे गतिरोध के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है. वर्तमान कमेटी के क्रियाकलापों पर मंगलवार को दो ट्रस्टी और पूर्व अध्यक्ष ने प्रेसवार्ता कर राज खोला है. प्रेसवार्ता में ट्रस्टी धीरेन प्रसाद, गणेश विश्वकर्मा, पूर्व अध्यक्ष रंजन प्रदीप के अलावा अंकित शुभम, विश्वनाथ महतो, मनोज कुमार, राजू प्रसाद आदि शामिल थे.

प्रेसवार्ता में वर्तमान अध्यक्ष पर कई गंभीर आरोप लगाए. पूर्व अध्यक्ष रंजन प्रदीप ने कहा कि वे एक बीमा एजेंट हैं, जो सदस्यों से शनिदेव के नाम पर बीमा कराकर उसका कमीशन ट्रस्ट में जमा नहीं कर खुद के खाते में पैसे ले रहे हैं. कमीशन का पैसा ट्रस्ट के खाते में जमा होना चाहिए था. उन्होंने आरोप लगाया कि संगठन अभी वन मैन शो बनकर रह गया है.

जब संगठन के खाते का ब्योरा मांगा जाता है तो उन्हें सोशल मीडिया पर ब्लॉक कर दिया जाता है. आज तक मंडली की कोई आमसभा या चुनाव सभी सदस्यों की सहमति से नहीं हुई. मंडली का गठन सामाजिक संगठन के रूप में होनी चाहिए. वर्तमान अध्यक्ष पर वित्तीय अनियमितता का भी आरोप लगाया. पूर्व अध्यक्ष ने इन सारी बातों की लिखित शिकायत सरायकेला के एसडीओ से भी करने की जानकारी दी. 30 जून को मासिक मीटिंग में उनके साथ दुर्व्यवहार हुआ है, कुछ लोग मारपीट करने पर उतारू हो गए थे. उन्होंने 4 लाख का एलआईसी भी कराया है, जिसका 65 हजार रुपये बतौर कमीशन मिला. वह पैसा ट्रस्ट के खाते में नहीं जमा हुआ है.

रंजन प्रदीप ने कहा कि जब वे हिसाब की मांग किये तो इनके साथ दुर्व्यवहार कर ग्रुप से बाहर कर दिया गया. बता दें कि तीन दिन पूर्व मंडली की वर्तमान कमेटी ने भी प्रेसवार्ता कर पूर्व अध्यक्ष प्रदीप रंजन और ट्रस्टी गणेश विश्वकर्मा पर आरोप लगाते हुए उन्हें संस्था से बाहर करने की बात कही थी.

ट्रस्ट डीड में एड्रेस गम्हरिया का लतिका भवन है, लेकिन उसे इग्नोर कर वर्तमान में अपने फैक्ट्री में चला रहे हैं. संस्था पर आरोप यह भी लगा कि यह संस्था आम लोगों को मदद नहीं की बल्कि संस्था उसी को मदद करती है जिस पीड़ित का नाम कोई सदस्य नॉमिनेट करता है. यह संस्था ट्रस्ट के डीड के अनुसार काम नहीं कर रहा है, जिसका हमें खेद है. इसी बात का विरोध करने पर हमें संस्था से बाहर करने की धमकी दी जा रही है.

न्यूज अपडेट

आशियाना बिल्डिंग के टाइल्स शोरूम में लगी आग

आदित्यपुर । आदित्यपुर थाना क्षेत्र स्थित आशियाना बिल्डिंग के दूसरे तल्ले पर स्थित टाइल्स के शोरूम में सोमवार देर रात भीषण आग लग गई. बन्द पड़ी टाइल्स की दुकान में आग लगने के चलते देर रात बिल्डिंग में अफरा-तफरी मच गई. आग लगने के बाद टाइल्स शोरूम की खिड़की से आग की लपटें बाहर निकलते लोगों ने देखा. घटना की जानकारी फौरन आदित्यपुर पुलिस एवं झारखंड अग्निशमन दल को दी गई. मौके पर पहुंची पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाया. दूसरे तल्ले पर हुई आगजनी की घटना को देखते हुए झारखंड अग्निशमन दल की दो गाड़ियां एवं टाटा स्टील फायर ग्रेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंची थी. आशंका जाहिर की जा रही है कि शॉर्ट सर्किट के चलते बंद शोरूम में आग लगी होगी.

33 व्यक्तिगत व 21 सामुदायिक वन पट्टा स्वीकृत

घाटशिला । अनुमंडल कार्यालय सभागार में मंगलवार को एसडीओ सच्चिदानंद महतो की अध्यक्षता में अनुमंडल स्तरीय वन पट्टा को लेकर अंचलाधिकारी एवं वन विभाग के पदाधिकारी के साथ संयुक्त बैठक हुई. अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि विभिन्न अंचल कार्यालय से मिले वन पट्टा अभिलेख का निरीक्षण एवं सत्यापन करने के बाद कुल 33 व्यक्तिगत वन पट्टा एवं सामुदायिक वन पट्टा 21 को स्वीकृत किया गया. 11 वन पट्टा अभिलेख में दखल प्रतिवेदन समर्पित नहीं होने के कारण अस्वीकृत किया गया. बैठक में डीसीएलआर नित्य निखिल सुरीन के अलावा अंचलाधिकारी, अंचल निरीक्षक, राजस्व कर्मचारी तथा रेंजर विमद कुमार, प्रभारी वनपाल संजय दास सहित अन्य उपस्थित थे.

जुगसलाई में ड्रोन कैमरे से डेंगू लार्वा की तलाश

जमशेदपुर । जुगसलाई नगर परिषद की टीम क्षेत्र में डेंगू के लार्वा की खोज के लिए ड्रोन कैमरे का इस्तेमाल कर रही है. ड्रोन कैमरा द्वारा चिन्हित घरों में टीम के सदस्य जाकर आंगन अथवा छत पर गमलों में जमा पानी हटाते हैं. साथ ही वहां एंटी लार्वा का छिड़काव करते हैं. यह अभियान मानसून प्रारंभ होने के बाद से चलाया जा रहा है. मंगलवार को डेंगू रोधी टीम ने क्षेत्र का भ्रमण कर घरों की छत, आंगन अथवा अन्य जगहों पर जमा पानी में एंटी लार्वा का छिड़काव किया. कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि डेंगू रोधी टीम नगर परिषद के सभी 14 वार्ड में एंटी लार्वा का छिड़काव कर रही है. साथ ही जागरुकता के लिए माइकिंग की जा रही है. वहीं सफाई टीम घर-घर से अवशिष्ट संग्रह कर उसका निष्पादन कर रही है.

पानी तथा कीचड़ से भरा स्कूल का प्रवेश द्वार

बहरागोड़ा । लगातार हो रही बारिश के कारण बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के केसरदा पंचायत अंतर्गत बाघराचूड़ा गांव में स्थित मध्य विद्यालय के प्रवेश द्वार पानी और कीचड़ से भर गया है. इससे विद्यालय आने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश द्वार पर जमा पानी से होकर आना-जाना पड़ रहा है. स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रत्येक वर्ष बारिश के मौसम में विद्यालय के प्रवेश द्वार पर पानी तथा कीचड़ भर जाता है. इसको लेकर वह कई बार संबंधित विभाग के अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि को अवगत करा चुके हैं फिर भी कोई पहल नहीं होने से विद्यालयी बच्चों के साथ-साथ शिक्षक भी परेशान हैं. वहीं ग्रामीण मांग कर रहे हैं कि यथाशीघ्र पानी निकासी नाला का निर्माण किया जाए. जमा पानी में कीड़े मकोड़े तथा डेंगू पनपने की संभावना बढ़ जाती है.

आयुक्त ने किया पोटका अंचल का निरीक्षण

जमशेदपुर । कोल्हान प्रमंडल के आयुक्त हरि कुमार केशरी ने मंगलवार को पोटका अंचल का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने विभिन्न बिंदुओं पर अंचलाधिकारी से जानकारी प्राप्त की. मीडियाकर्मियों से बातचीत में आयुक्त ने कहा कि निरीक्षण कार्य रूटीन का हिस्सा है. पोटका अंचल में पंजी संधारण में कुछ कमियां थी. जिसे ठीक करने के लिए कहा गया. साथ ही निर्देश दिया कि आम लोगों के जरूरी काम में कोताही नहीं बरती जाय. कोताही बरते जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. निरीक्षण के बाद आयुक्त ने पौधरोपण किया एवं मतदान केंद्र संख्या 201 से 204 जुड़ी पावरु विद्यालय के मतदान केंद्र को भी देखा. मतदान केंद्र पर जरूरी सुविधाएं बहाल करने का निर्देश दिया. इस दौरान एडीसी योगेन्द्र प्रसाद, डीसीएलआर धालभूम गौतम कुमार, बीडीओ अभय द्विवेदी उपस्थित थे.

बेनाशोल के दिवंगत ग्राम प्रधान को दी श्रद्धांजलि

घाटशिला । मुसाबनी प्रखंड अंतर्गत बेनाशोल गांव के ग्राम प्रधान मोहन मुर्मू का आकस्मिक निधन हो गया. उनके अंतिम संस्कार में घाटशिला के पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू ने मंगलवार को शामिल होकर पार्थिव शरीर का अंतिम दर्शन किया एवं उन्हें श्रद्धांजलि दी. लक्ष्मण टुडू ने कहा कि मोहन मुर्मू एक समर्पित समाजसेवक थे, जिन्होंने अपने ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए बहुत काम किया. उनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी. उन्होंने मोहन मुर्मू के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और कहा कि हम इस कठिन समय में पूरे परिवार वालों के साथ हैं. इस अवसर पर भाजपा एसटी मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष भोक्तू मार्डी, जादू मुर्मू, शेखर मुर्मू, कुंवर मुर्मू, कमल हेंब्रम, राजेन हांसदा, भागी सोरेन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.

हार्मनी का दो दिवसीय राखी मेला 2 अगस्त से

जमशेदपुर । एफटीएस (फ्रैंड्स ऑफ ट्राइवल सोसाइटी) युवा और महिला समिति जमशेदपुर के सहयोग से हार्मनी की ओर से दो दिवसीय राखी मेले का आयोजन 2 और 3 अगस्त को होटल अल्कोर में किया गया है. 2 और 3 अगस्त को राखी एडिट मेले का आयोजन किया जा रहा है. इस मेले में राखियों के अलग-अलग कलेक्शन के साथ-साथ फैशन, ज्वेलरी व गोबर से बनी कलाकृतियां आकर्षण का केंद्र होंगी. युवा की अध्यक्ष रश्मि गर्ग ने बताया कि मेले में प्रवेश बिल्कुल निःशुल्क होगा. सचिव पीयूष चौधरी ने कहा कि राखी मेले में दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, कोलकाता, मुंबई और बनारस विक्रेता अपने उत्पाद के साथ आ रहे हैं. इसके अलावे स्थानीय ज्वेलरअपनी नवीनतम सोने और हीरे की ज्वेलरी का संग्रह वहां प्रदर्शित करेंगे.

खदान से आने वाली लाल पानी, मिट्टी, मुरुम से बंजर हुए खेत के किसानों ने की बैठक

सेल की खदानों से प्रभावित पांच गांवों के ग्रामीण करेंगे आंदोलन

- एक अगस्त को बाइहातु में बैठक में बनाएंगे रणनीति

संवाददाता । किरीबुरु

सारंडा के छोटानागरा पंचायत के पांच गांव जोजोगुटु, राजाबेड़ा, बाईहातु, तितलीघाट एवं जामकुंडिया के ग्रामीणों ने मंगलवार को गुवा स्थित झारखंड मजदूर संघर्ष संघ कार्यालय में केन्द्रीय अध्यक्ष रामा पांडेय के साथ बैठक की. बैठक का मुख्य उद्देश्य सेल की गुवा एवं किरीबुरु, मेघाहातुबुरु खदान से आने वाली लाल पानी, मिट्टी, मुरुम की वजह से उनके गांवों की सैकड़ों एकड़ कृषि रैयत भूमि बंजर व बर्बाद हो गई है. बंजर भूमि के एवज में अब तक ग्रामीणों को कोई मुआवजा या सेल की खदानों में स्थायी नौकरी नहीं देना आदि मांग शामिल है. आज सभी ग्रामीण बिना किसी सूचना के गुआ पहुंचकर सीधे जनरल ऑफिस का घेराव करने जा रहे थे. लेकिन रामा पांडेय ने ग्रामीणों को ऐसा करने से यह कहते हुये रोका कि किसी भी आंदोलन से पहले कुछ जरुरी प्रक्रिया होती है, जिसे पूरा करना जरुरी है.

संघ के कार्यालय में बैठक करते रामा पांडेय.

झारखंड मजदूर संघर्ष संघ कार्यालय में बैठक में शामिल ग्रामीण.

राजाबेड़ा मुंडा जामदेव चाम्पिया, बाईहातु मुंडा चिंतामणि चाम्पिया आदि ने बताया कि उक्त खदानों से सबसे ज्यादा प्रभावित हमारा गांव है. लेकिन सेल की तीनों खदान प्रबंधन जब भी नौकरी व रोजगार देने की बात आती है तो हमारे गांव के शिक्षित बेरोजगारों की उपेक्षा करती है. कुछ वर्ष पूर्व सारंडा वन प्रमंडल व पुलिस-प्रशासन ने हमारी कृषि भूमि को बंजर किये जाने संबंधी शिकायतों के बाद जांच की थी. जांच में टीम ने मामले को सही पाया था. उसके बावजूद पुलिस-प्रशासन व वन विभाग सेल प्रबंधन से आज तक मुआवजा नहीं दिला पायी. रामा पांडेय ने कहा कि सारंडा के ग्रामीणों की मांग जायज है. इसको लेकर आगामी एक अगस्त को बाईहातु मैदान में पांचों गांवों के मुंडा, मानकी व ग्रामीणों के साथ बैठक कर आगे की आंदोलन की रणनीति बनाई जायेगी. बैठक में मुंडा चिन्तामणि चाम्पिया, मुंडा कानुराम देवगम, मुंडा जामदेव चाम्पिया, राजेश सांडिल,सोमरा हेम्ब्रम, लेबया सिद्धु, डोमन सुरीन, मंगल चाम्पिया, जोगेन मांझी, लक्ष्मण बोदरा, रोंडे सिद्धु, छोटे गुड़िया आदि मौजूद थे.

कुकड़ू में फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर प्रखंड टास्क फोर्स की बैठक

चांडिल । कुकड़ू प्रखंड कार्यालय सभागार में मंगलवार को फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का सफलता पूर्वक क्रियान्वयन को लेकर प्रखंड स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी कीकू महतो ने की. बैठक में बताया गया कि फाइलेरिया विलोपन लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जिला अंतर्गत सभी प्रखंडों के 01 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिला, गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर डीईसी एल्बेंडाजॉल और आईमरमेक्टिन की एक खुराक 10 से 25 अगस्त तक खिलाई जाएगी. मौके पर प्रभारी बीडीओ कीकू महतो ने कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में जन सहभागिता जरूरी है. जनप्रतिनिधि भी अपने-अपने क्षेत्र में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के लिए जागरुकता अभियान चलाएं. बैठक में कुकड़ू प्रखंड प्रमुख प्रतिमा वाला पातर, सीएचसी नीमडीह के प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक रामेश्वर तिर्की, एमपीडब्ल्यू दीपक कुमार महतो, शिक्षा विभाग के बीपीएम सुचित्रा महतो, आकांक्षी प्रखंड के सागर कुमार एवं कई मुखिया, पंचायत सचिव आदि मौजूद थे.

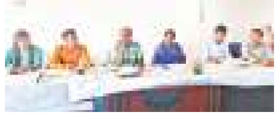

बीडीओ व बिजली विभाग से मिले समिति के नेता

चांडिल । झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति का एक प्रतिनिधिमंडल गोपेश महतो के नेतृत्व में क्षेत्र की समस्याओं को लेकर चांडिल के प्रखंड विकास पदाधिकारी और बिजली विभाग के पदाधिकारियों से मुलाकात की. इस दौरान लोगों की लंबित समस्याओं का निराकरण जल्द करने का आग्रह किया. क्षेत्र में कहीं अबुआ आवास, पेंशन, जन्म प्रमाण पत्र आदि समस्या को लेकर आम जनता परेशान हैं. इस पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने जल्द ही अवलोकन करने की बात कही. बिजली की समस्या से क्षेत्र के लोग काफी परेशान हैं. इसको लेकर मंगलवार को विभाग के एसडीओ को ज्ञापन सौंपकर मामले की जानकारी दी गई. विभाग का कहना है कि जो भी समस्या हो उसकी जानकारी चांडिल अनुमंडल के लिए निर्धारित किए गए मोबाइल नंबर पर दें.

एकता महिला सहयोग समिति का लाइसेंस रद्द कर कार्रवाई शुरू

सरकारी राशन घोटाला जांच में सही पाया गया, खाद्यान्न पंजी नहीं मिली

- दुकान में 25 किलो नमक मिला, चावल, गेहूं नहीं था

संवाददाता । किरीबुरु

जिला आपूर्ति पदाधिकारी, पश्चिमी सिंहभूम के आदेशानुसार बड़ाजामदा की जन वितरण प्रणाली दुकानदार एकता महिला सहयोग समिति (अनुज्ञप्ति संख्या- 131/2009) के खाद्यान्न वितरण से संबंधित शिकायतों की जांच की गई. नोवामुंडी प्रखंड के पदाधिकारी रवीन्द्र सिंहदेव ने मुखिया पार्वती देवी, ग्रामीण एवं उक्त समिति की पदाधिकारियों की उपस्थिति में जांच किया.

जांच में पाया गया कि दुकान में खाद्यान्न भंडार पंजी नहीं है. खाद्यान्न वितरण पंजी 25 अप्रैल 2023 तक संधारित है, जिसमें लाभुक द्वारा प्राप्ति के साथ अंगूठा एवं हस्ताक्षर किया हुआ है. इसके बाद से अब तक वितरण संबंधी कोई पंजी संधारित नहीं है. दुकान में नमक 25 किलो (45 पैकेट उपलब्ध है). चावल, गेहूं, चना दाल शून्य पाया गया.

राशन दुकान की जांच करते रवीन्द्र सिंहदेव व उपस्थित अन्य.

दुकानदार द्वारा नियमित खाद्यान्न का उठाव किया जाता रहा है. बीते दिनों चना दाल का भी उठाव किया गया था, लेकिन टंकीसाई, काटेसाई आदि क्षेत्र के 131 लाभुकों को दाल नहीं देकर कालाबाजारी कर दी गई. ऐसी संभावना जताई जा रही है कि यह राशन डीलर द्वारा लगभग 6-7 लाख रुपये के खाद्यान्न की कालाबाजारी की गई है. अब विभाग एकता महिला सहयोग समिति की लाइसेंस को रद्द करने तथा दूसरे दुकानदार के साथ टैग कर वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराने में लगी है.

उल्लेखनीय है कि इस दुकान के लाभुकों ने एकता महिला सहयोग समिति पर पिछले लगभग एक वर्ष से राशन नहीं देने का आरोप लगाते हुये जिला एवं प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी से लिखित शिकायत की थी. इस मामले को जिप सदस्य देवकी कुमारी ने भी उठाकर जांच की मांग की थी. मुखिया पार्वती देवी ने कहा कि ग्रामीणों से राशन नहीं मिलने की शिकायत कई बार बीडीओ व अन्य पदाधिकारियों से की, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई. इससे लाभुकों के बीच नाराजगी निरंतर बढ़ती गयी. उन्होंने बताया की निश्चित ही यहां बड़ा घोटाला या गड़बड़ी की गई है. लाभुकों को हर माह समय पर राशन मिले ऐसी व्यवस्था प्रशासन सुनिश्चित कराये.

मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना का लगेगा शिविर

चांडिल । मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के संचालन को लेकर कुकड़ू प्रखंड के सभी पंचायतों में 03 से 10 अगस्त 2024 तक सभी पंचायतों में शिविर आयोजित की जाएगी. वहां आवेदन प्राप्त होने के बाद सीएससी संचालकों द्वारा उसे ऑनलाइन जमा भी किया जाएगा. इस योजना का लाभ निःशुल्क है. इसकी जानकारी कुकड़ू के प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी कीकु महतो ने दी. उन्होंने कहा कि किसी भी तरह का फर्जी फॉर्म बेचने या इस योजना के नाम पर अवैध वसूली किए जाने की सूचना मिलने पर आरोपी पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी. इस संबंध में उन्होंने मंगलवार को कुकड़ू प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रखंड क्षेत्र के सभी मुखिया, पंचायत सचिव, आंगनबाड़ी सेविका एवं प्रज्ञा केंद्र संचालकों के साथ बैठक की. प्रभारी बीडीओ ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को आर्थिक सहायता के रूप में प्रत्येक माह 1000 रुपये प्रदान करने के उद्देश्य से इस योजना को लाया गया है. बैठक में सीएससी जिला समन्वयक कामेश्वर प्रामाणिक ने प्रभारी बीडीओ कीकू महतो के साथ उपस्थित लोगों को झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना की जानकारी विस्तार से दी.

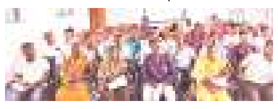

न्यूज अपडेट

छोटानागरा साप्ताहिक हाट में अब भी है नक्सली पोस्टर

किरीबुरु । सारंडा जंगल क्षेत्र के छोटानागरा थाना अन्तर्गत साप्ताहिक हाट-बाजार क्षेत्र में अभी भी कुछ स्थानों पर पिछले दिनों भाकपा माओवादी नक्सलियों द्वारा फेंका गया पर्चा पड़ा हुआ है. इस पर्चा को अभी भी उठाया नहीं जा सका है. पुलिस की इस ओर ध्यान नहीं दे रही है. दो दिन पहले नक्सलियों ने छोटानागरा थाना क्षेत्र के अलावे सारंडा के विभिन्न क्षेत्रों में 28 जुलाई से 3 अगस्त तक मनाये जाने वाले शहीदी सप्ताह को लेकर पोस्टर और बैनर लगाये थे.

पॉक्सो एक्ट के अभियुक्त को 20 साल की कारावास

किरीबुरु । हाटगम्हरिया थाना कांड सं0-42 / 2019, पॉक्सो एक्ट के अभियुक्त निडाय गागराई को मंगलवार को अदालत ने 20 साल के कारावास की सजा सुनाई है. उसपर 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है. यह सजा उसे धारा 06 पॉक्सो एक्ट के तहत सुनाई गई है. इसके अलावा धारा 366 भादवि के तहत उसे 8 साल के कारावास की सजा और पांच हजार रुपए जुर्माना लगाया गया है. वह हाटगम्हरिया थाना के अमाडीह का रहने वाला है. निडाय गागराई के विरूद्ध नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म करने का आरोप है.

तिरुलडीह में जंगली हाथी ने दो मकान किया क्षतिग्रस्त

चांडिल । चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में जंगली हाथियों का उत्पात बदस्मूर जारी है. सोमवार की रात को भी कुकड़ू प्रखंड के तिरुलडीह में जंगली हाथियों ने गांव के समल कुईरी व बनु कुईरी के मकान को क्षतिग्रस्त कर दिया और अंदर रखे अनाज को खा लिया. इस संबंध में समल कुईरी ने बताया कि दो या तीन की संख्या में जंगली हाथी गांव घुसे थे. रात के अंधेरे में हाथियों का पूरा झुंड नहीं देखा गया. जंगली हाथियों के झुंड पास के पोइलांग जंगल में डेरा डाले रहता है और रात में गांव में उत्पात मचाता है.

सामाजिक कार्यकर्ता ने एसडीओ का जताया आभार

चांडिल । सामाजिक कार्यकर्ता गुरुचरण साव ने अवैध लॉटरी के खिलाफ कार्रवाई करने पर चांडिल की अनुमंडल पदाधिकारी शुभ्रा रानी का आभार प्रकट किया है. उन्होंने कहा कि चांडिल अनुमंडल में पिछले 5-7 सालों से अवैध नकली लॉटरी का धंधा चल रहा था. पुलिस-प्रशासन की ओर से उचित कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण अनैतिक जुआ का संचालन गांव-गांव में किया जा रहा था. इस संबंध में उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा था. एसडीओ का यह अभियान क्षेत्र को स्वच्छ बना रहा है.

ब्रीफ खबरें

30 व 31 जुलाई को 3-3 घंटे बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

किरीबुरु । सेल की मेघाहातुबुरु टाउनशिप क्षेत्र में 30 और 31 जुलाई को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक विद्युत आपूर्ति ठप रहेगी. इस संबंध में मेघाहातुबुरु खदान के उप महाप्रबंधक (विद्युत) जीके नायक ने बताया कि मेघाहातुबुरु में नया सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निर्माण हुआ है. इस प्लांट में विद्युत का कनेक्शन देना है. इस हेतु 11 केवी ओवर लाइन में बिजली काटकर काम करना है. इसी वजह से दो दिन दोपहर में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी. दोनों दिन बिजली आपूर्ति बिना सूचना के किसी भी समय फिर से शुरू की जा सकती है. ऐसे में लोग बिजली के सम्पर्क से दूर रहें.

दो नाबालिक बच्चों को भेजा बाल सुधार गृह

किरीबुरु । गुवा बाजार क्षेत्र से छोटे अपराध जैसी गलत गतिविधियों में लिप्त दो नाबालिग अज्ञात बच्चों को स्थानीय लोगों ने पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया. दोनों नाबालिग बच्चों से पुलिस ने उसके परिजनों के बाबत जानकारी प्राप्त करने की काफी कोशिश की, लेकिन दोनों सिर्फ अपना व पिता का नाम बताते रहे. दोनों बच्चे अपने गांव की कोई जानकारी नहीं दे पाये. इसके बाद गुवा पुलिस ने अपने स्तर से दोनों के परिजनों व गांव का पता लगाने की काफी कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली. इसके बाद दोनों को बाल सुधार गृह चाईबासा भेज दिया गया. दोनों बच्चों की उम्र 14 और 15 वर्ष है.

झामुमो ने जिला मुख्यालय पर धरना देकर जताया विरोध

जमशेदपुर । गोड्डा के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के झारखंड के संताल परगना समेत कुछ हिस्सों को मिलाकर यूनियन टेरिटरी बनाने की मांग का झामुमो ने कड़ा विरोध किया है. पूर्वी सिंहभूम जिला समिति ने इस बयान के खिलाफ मंगलवार को उपायुक्त कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया. मौके पर शेख बदरूद्दीन, प्रमोद लाल, पूर्व सांसद सुमन महतो, पूर्व मंत्री दुलाल भुइयां, मनोज यादव, जिला उपाध्यक्ष सागेन पुरती, बाघराय मारडी, महाबीर मुर्मू, अजय रजक आदि मौजूद थे.

अखिलेश गिरोह के दो गुर्गों को पुलिस ने भेजा जेल

जमशेदपुर । सजायाफ्ता अपराधकर्मी अखिलेश सिंह गिरोह के अमरजीत सिंह उर्फ सेठी एवं हरप्रीत सिंह उर्फ रितिक को पुलिस ने मंगलवार को जेल भेज दिया. दोनों को 29 जुलाई को चार देसी कट्टा, दो पिस्टल व 15 गोली के साथ पकड़ा था. एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश शहर में डकैती, चोरी, छिनतई, फायरिंग एवं विभिन्न घटनाओं में संलिप्त रहे हैं. पुलिस ने इनके पास से कई हथियार एवं कारतूस बरामद किया है. जिला पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अमरप्रीत सिंह एक हिस्ट्री शीटर अपराधी है और वह सिदगोड़ा थाना क्षेत्र में नाम बदलकर रह रहा था. वह अवैध हथियार बिक्री कर रहा था.

रोटरी क्लब के नए सत्र के लिए पदाधिकारियों ने ली शपथ

- नये अध्यक्ष हर्षराज ने अपनी टीम की घोषणा की

संवाददाता । चाईबासा

रोटरी क्लब के नए सत्र के लिए मंगलवार को पद ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया. इसमें पूर्व मंडल राज्यपाल रोटेरियन राजीव मोदी उपस्थित थे. नवनिर्वाचित अध्यक्ष रोटेरियन हर्ष राज मिश्रा को कॉलर पहना कर पद की शपथ दिलाई गई. इसके साथ ही निवर्तमान अध्यक्ष रोटेरियन हिना ठक्कर ने कॉलर नए अध्यक्ष हर्ष राज मिश्रा को सुपुर्द किया. इसके पूर्व सभी अतिथियों का स्वागत किया गया. साथ ही दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया. नवनिर्वाचित अध्यक्ष हर्ष ने अपनी नई टीम की घोषणा करते हुए बताया कि सचिव सुशील चौमॉल, उपाध्यक्ष विक्रम खिरवाल, सहसचिव सौरव प्रसाद, कोषाध्यक्ष कुणाल साव, सार्जेंट एट आर्म्स प्रशांत गुप्ता, तकनीकी अधिकारी सौरव प्रसाद, रोटरी फाउंडेशन सुनीत खिरवाल, क्लब लर्निंग फैसिलिटी अनिल शर्मा, मेंबरशिप चेयर रितेश ममूंधड़ा सामाजिक संपर्क दुर्गेश खत्री एवं कम्युनिटी सर्विस चेयर अमित पोद्दार, अंतरराष्ट्रीय सेवा चेयर अंजू राठौर को नियुक्त किया गया. इसके पूर्व सत्र का सचिव प्रतिवेदन रोटेरियन हर्ष राज मिश्रा के द्वारा दिया गया. पूर्व मंडल राज्यपाल रोटेरियन राजीव मोदी ने कहा कि रोटरी क्लब चाईबासा का मुख्य उद्देश्य सामाजिक हित में कार्य करना ही एक लक्ष्य है. कार्यक्रम में स्वागत भाषण रोटेरियन हिना ठक्कर ने दिया. मंच संचालन रोटेरियन विक्रम खिरवाल ने किया.

चाईबासा में रोटरी क्लब के कार्यक्रम का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि.

कपाली में विवादित जमीन पर धारा 144, फिर भी निर्माण जारी

कपाली के कमारगोड़ा में यही विवादित जमीन है जिसपर धारा 144 लागू है.

संवाददाता । कपाली / चांडिल

चांडिल थाना क्षेत्र के कपाली ओपी अंर्तगत कमारगोड़ा में धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लगी विवादित जमीन पर कब्जा को लेकर मंगलवार को दो पक्षों में तीखी नोक-झोंक हुई. बताया जा रहा है कि धारा 144 लागू रहने के बावजूद उक्त जमीन पर निर्माण कार्य जारी है. इसी बात को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए.

कमारगोड़ा के खाता नंबर 323 प्लॉट नंबर 303 पर हो रहे निर्माण कार्य को रोकने पहुंचे अमीर राजा जमाल का प्लॉट नंबर 302 के मालिक शमीम अंसारी व आशिक अंसारी के बीच तीखी नोक झोंक शुरू हो गई. देखते ही देखते वहां बड़ी संख्या में लोगों का जमावड़ा लग गया. लोगों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ. बताया जाता है कि कमारगोड़ा स्थित प्लॉट नंबर 303 पर चांडिल के अनुमंडल दंडाधिकारी द्वारा धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लगाकर सभी प्रकार के निर्माण कार्य पर प्रतिबंध लगाया गया है. इस मामले में अमीर राजा जमाल ने बताया कि जमीन उसकी है और वे उक्त स्थल पर हो रहे निर्माण कार्य की गतिविधि को रोकने पहुंचे थे. उन्होंने शमीम और आशिक पर आरोप लगाया है कि वे दोनों उसकी जमीन को अवैध तरीके से कब्जा कर चारदीवारी का निमार्ण करवा रहे हैं. मामले को लेकर कई बार थाना भी जा चुके हैं, लेकिन समस्या का हल नहीं हुआ. वहीं विवादित जमीन के समीप रहने वाले आशिक अंसारी ने बताया कि उक्त जमीन से सटे प्लॉट नंबर 302 में वे चारदीवारी का निर्माण करवा रहें हैं.

उन्होंने स्वीकार किया कि निर्माण कार्य के दौरान अगर प्लॉट नंबर 303 का कुछ क्षेत्र उसके अंदर आ गया है तो इसके एवज में वे राशि का भुगतान करने के लिए तैयार हैं. वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि अगर स्थानीय प्रशासन इस विवाद में तत्काल हस्तक्षेप कर मामला नहीं सुलझाती है तो दोनों पक्ष के बीच कभी भी संघर्ष हो सकता है.

जगन्नाथपुर विस के भाजपाइयों ने कोड़ा के खिलाफ खोला मोर्चा

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से रांची में वार्ता करते जगन्नाथपुर के भाजपाई.

संवाददाता । किरीबुरु

जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को रांची जाकर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मिलकर लिखित एवं मौखिक रूप से पूर्व सांसद गीता कोड़ा को विधानसभा चुनाव में जगन्नाथपुर सीट से प्रत्याशी नहीं बनाने की मांग की है. नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी व भाजपा संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह को दिये लिखित आवेदन में कहा गया है कि वर्ष 2004 में अपने सारे कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने भाजपा छोड़ दी थी. पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के पार्टी छोड़ने के बाद पार्टी में मुश्किल से दर्जन भर कार्यकर्ता ही बचे थे. पार्टी में बचे कार्यकर्ताओं ने पुनः विधानसभा क्षेत्र में संगठन को खड़ा करने का काम किया. लेकिन केंद्रीय व प्रदेश नेतृत्व ने हमेशा से समर्पित कार्यकर्ताओं की भावना को चुनाव में धोखा देने का काम किया. पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा व पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने सिंहभूम सहित जगन्नाथपुर विधानसभा में लगभग 25 वर्षों से एकतरफा राज किया. इतने लम्बे समय तक शासन करने के बावजूद क्षेत्र का विकास नहीं कर पाये. आज भी क्षेत्र के युवा रोजगार के तलाश में पलायन को मजबूर हैं. पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के ऊपर 4000 करोड़ घोटाला का आरोप भी लगा. इस मुद्दे को लेकर हम सभी भाजपा कार्यकर्ता द्वारा गाँव -गाँव में उनके खिलाफ माहौल बनाया गया. इस दौरान भाजपा एसटी मोर्चा जिला अध्यक्ष मंजीत कोड़ा, एसटी मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मंगल सिंह गिलुवा, सारंडा मण्डल अध्यक्ष कैलाश दास, जगन्नाथपुर पूर्व मण्डल अध्यक्ष बंगाली प्रधान, पूर्व महामंत्री निर्मल प्रधान, मण्डल उपाध्यक्ष अर्जुन भैंसा, सह संयोजक उमेश गोप, वरिष्ठ नेता रविंद्र प्रधान, नोवामुंडी युवा मोर्चा अध्यक्ष सुबीर पान, सारंडा मण्डल किसान मोर्चा अध्यक्ष हेमंत गोप आदि मौजूद थे.

बैठक एसडीओ ने एनएच 32 व 33 के अधिकारियों की ली क्लास, सड़क ठीक करने का दिया निर्देश

हाइवे में कई स्थानों पर साइनेज नहीं, क्रॉसिंग पर लाइट खराब

- एनएच 33 पर यात्री सुविधाओं को दुरुस्त करें
- टोल रोड पर व्यवस्था का हाल बुरा, यात्री रहते हैं परेशान

संवाददाता । चांडिल

अनुमंडल मुख्यालय में मंगलवार को एसडीओ शुभ्रा रानी ने एनएच 32 व 33, पीएचईडी और बिजली विभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक की. सोमवार को अनुमंडल मुख्यालय में चौका और चांडिल बाजार समिति के साथ हुई बैठक में उठाए गए मुद्दों और समस्याओं के निराकरण को लेकर पदाधिकारियों की बैठक में चर्चा की गई. मौके पर एसडीओ शुभ्रा रानी ने एनएच 32 व 33 के पदधिकारियों से एनएच की बदहाल व्यवस्था पर बात की. एनएच 33 टोल रोड पर व्यवस्थाओं का बुरा हाल है.

अनुमंडल पदाधिकारी के साथ बैठक में शामिल पदाधिकारी.

सड़क पर कई स्थानों में साइनेज नहीं है. क्रॉसिंग पर लाइट या तो नहीं है या खराब पड़े हैं. जगह-जगह हुई दुर्घटना के बाद सड़क को दुरुस्त नहीं कराया गया है. फोरलेन सडक पर लगाए गए सभी लाइट नहीं जलते हैं. इन सवालों पर उपस्थित एनएच के कर्मी कोई जबाव नहीं दे पाए. एसडीओ ने उन्हें फटकार लगाते हुए अगली बार प्रोजेक्ट डायरेक्टर को बैठक में भेजने की बात कही. वहीं एनएच 32 में आने वाले कुछ दिनों में व्यवस्था दुरुस्त होने की बात कही गई.

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से जगह-जगह खोदी गई सड़कों को दुरुस्त करने और पेयजल आपूर्ति व्यवस्था में सुधार लाते हुए निर्बाध आपूर्ति करने का निर्देश दिया गया. पदाधिकारी ने कहा कि ठेकेदार को सभी कमियों को दूर करने के लिए कहा जाएगा.

वहीं बिजली विभाग को भी बिल से संबंधित मिलने वाली शिकायतों पर संजीदगी के साथ काम करते हुए इसे ठीक करने के लिए कहा गया. विदित हो कि सोमवार को अनुमंडल मुख्यालय में चौका और चांडिल बाजार समिति व अन्य व्यवसायियों के साथ अनुमंडल पदाधिकारी ने बैठक की थी. इस दौरान सड़क जाम की नौबत पैदा होने और नाली, शौचालय, पार्किंग, स्ट्रीट लाइट, सीसीटीवी, ट्रैफिक पुलिस की प्रतिनियुक्ति आदि समेत कई मुद्दों पर चर्चा की गई.

चौका-कांड्रा टोल रोड की स्ट्रीट लाइट के दो वर्ष से अधिक समय से नहीं जलने का मामला भी उठाया गया. बैठक में जिला परिवहन विभाग, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के अलावा चौका व चांडिल थाना की पुलिस व कई पदाधिकारी मौजूद थे. मौके पर सड़क पर वाहन खड़ा करने वाले व दुकान लगाने वालों से जुर्माना वसूलने का निर्णय लिया गया था.

चौकीदार बहाली के तहत आयोजित की गई शारीरिक दक्षता परीक्षा का परिणाम हुआ जारी

शारीरिक दक्षता परीक्षा में सफल घोषित हुए 58 अभ्यर्थी

संवाददाता। रामगढ़

चौकीदार बहाली के तहत मंगलवार को हुई शारीरिक दक्षता परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया गया है. साथ ही दौड़ में सफल सभी अभ्यर्थियों का फोटोग्राफ भी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है. चौकीदार बहाली के तहत 28 जुलाई को हुई लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर कुल 248 अभ्यर्थियों का शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए चयन किया गया था, जिसमें 21 अभ्यर्थी शारीरिक जांच के दौरान अयोग्य पाए गए.

वहीं छह अभ्यर्थी दौड़ में अनुपस्थित रहे. इस तरह कुल 221 अभ्यर्थियों ने शारीरिक दक्षता परीक्षा में हिस्सा लिया, जिनमें 58 अभ्यर्थी 42 पुरुष एवं 16 महिलाएं शारीरिक दक्षता परीक्षा में सफल हुए. बता दें कि 28 जुलाई 2024 को हुई लिखित परीक्षा के परिणाम के संबंध में अगर किसी भी अभ्यर्थी को दावा और आपत्ति देनी हो तो उन्हें जिला प्रशासन रामगढ़ द्वारा पूर्व में ही सूचित गया गया है कि वैसे अभ्यर्थी 31 जुलाई संध्या 5:00 बजे तक जिला समाहरणालय अंतर्गत जिला सामान्य शाखा में आकर दावा आपत्ति दे सकते हैं. इसके लिए पूर्व में निर्धारित 500 रुपये के शुल्क को जिला प्रशासन, रामगढ़ द्वारा घटकर 200 रुपये कर दिया गया है. वहीं सभी अभ्यर्थियों को यह भी सूचित किया गया है कि अगर किसी भी अभ्यर्थी का दावा आपत्ति से संबंधित आवेदन सही पाया जाता है तो जिला प्रशासन द्वारा उनके लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन 1 अगस्त प्रातः 6:00 बजे से रजरप्पा मुख्य मार्ग फोरलेन पर आयोजित किया जाएगा.

चौकीदार बहाली के तहत शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थी.

चौकीदार बहाली परीक्षा का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

रामगढ़। चौकीदार बहाली के तहत 28 जुलाई को हुई लिखित परीक्षा के उपरांत मंगलवार को चितरपुर वाया रजरप्पा मंदिर बाईपास सड़क में आयोजित शारीरिक दक्षता परीक्षा का उपायुक्त चंदन कुमार ने निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने शारीरिक दक्षता परीक्षा के तहत चल रहे कार्य लंबाई जांच, रेस ट्रैक आदि का जायजा लेते हुए शारीरिक दक्षता परीक्षा कार्य में लगे सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को चौकीदार बहाली के तहत निर्धारित नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए पूरी पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न करने का निर्देश दिया. इसके साथ ही उपायुक्त ने शारीरिक दक्षता परीक्षा में भाग ले रहे सभी अभ्यर्थियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी. मौके पर नजारत उप समाहर्ता रविंद्र कुमार गुप्ता, चितरपुर बीडीओ ज्ञानमनी एक्का, सीओ दीपक मिंज, रजरप्पा थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडेय सहित कई अधिकारी मौजूद थे.

पौधे लगाएं और पेड़ों को करें संरक्षित : मुकेश कश्यप

रामगढ़। मारंगमरचा स्थित ऑक्सफोर्ड एकेडमी स्कूल परिसर में सोमवार को वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें चौथी कक्षा से लेकर नवमी कक्षा तक के बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया. इस दौरान विद्यालय के सचिव मुकेश कश्यप ने बच्चों को वनों की रक्षा एवं प्रत्येक व्यक्ति को पेड़ लगाने का संदेश दिया. वहीं प्रधानाध्यापिका उमा कश्यप ने भी बच्चों को पौधों के महत्व के बारे में बताया. इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ कक्षा चौथी एवं पांचवीं के बच्चों द्वारा प्राकृतिक गीत के साथ किया गया. वहीं कक्षा छठवीं के बच्चों ने "न कांटो मुझे" गाने पर नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि कक्षा आठवीं के बच्चों ने "वन सिर्फ मुनुष्य की सम्पत्ति नहीं है" पर नुक्कड़ नाटक एवं नवमी के बच्चों ने "वृक्ष लगाव पर्यावरण बनाव" पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया. मौके पर शिक्षकों के अलावे बच्चे मौजूद थे.

सांसद जायसवाल ने लोस में उठाया किसानों से जुड़ा मुद्दा

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने मंगलवार को लोकसभा में किसानों से जुड़ी समस्याओं को रखा. उन्होंने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से हजारीबाग समेत झारखंड के लाखों किसानों के लिए कोल्ड स्टोरेज की उपलब्धता, उनका विस्तार और कुसुम योजना के अंतर्गत बोरिंग को भी जोड़े जाने की अति महत्वपूर्ण मांग सरकार के समक्ष रखा. कहा कि कृषि मंत्री और प्रधानमंत्री ने कृषि आधारभूत संरचना योजना के तहत देश के किसानों को बड़ी राहत दिया है लेकिन मेरा एक सुझाव है, जो कृषि मंत्री तक पहुंचाना चाहता हूं. कुछ सिलेक्टिव एरिया जैसे हमारे झारखंड में टमाटर की खेती बहुतायात होती है. विशेषकर हजारीबाग में टमाटर और धनिया की खेती बहुत होती है. टमाटर की सेल्फ लाइफ बहुत कम है. ऐसे में व्यक्तिगत किसान और किसानों के छोटे समूह को छोटे-छोटे कोल्ड स्टोरेज का इनकॉरपोरेशन किया जाय तो किसानों को फ़ायदा होगा. साथ ही कुसुम योजना में सोलर पंप का प्रोविजन किया गया है लेकिन इसके साथ यदि बोरिंग का प्रोविजन किया जाए तो किसानों के लिए हितकर साबित होगा.

ब्रीफ खबरें

बच्चे सड़क सुरक्षा के नियमों हुए से अवगत

हजारीबाग। माउंट एगमाउंट स्कूल हज़ारीबाग में सड़क सुरक्षा टीम तथा यातायात पुलिस ने मंगलवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया. कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रावधानों से अवगत कराया गया. छात्र-छात्राओं को वीडियो के माध्यम से सड़क सुरक्षा, गुड सेमेरिटन, हिट एंड रन मामले में मुआवजा आदि के बारे में बताया गया. कार्यक्रम में शारिक इक़बाल, अरविंद कुमार, जीतेंद्र सिंह, शशिकांत तिर्की मौजूद रहे.

स्थायी वाइस चांसलर की नियुक्ति की मांग

हजारीबाग। संत विनोबा भावे विश्वविद्यालय में वाइस चांसलर का पद खाली रहने की वजह से छात्र एवं छात्राओं को पठन-पाठन पूरा करने में काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है,.वर्तमान में संत विनोबा भावे विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर का प्रभार उत्तरी छोटा नागपुर प्रमंडल आयुक्त सुमन कैथरीन किस्पोट्टा को दिया हुआ है. बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा नेता बटेश्वर मेहता ने राज्यपाल से मांग की है कि जल्द से जल्द विश्वविद्यालय में स्थायी वाइस चांसलर की नियुक्ति कराई जाए.

वज्रपात की चपेट में चार मवेशियों की मौत

केरेडारी। प्रखंड में मंगलवार को दोपहर बाद तीन बजे के आसपास हुई बारिश और वज्रपात के कारण चार मवेशियों की मौत हो गई. एक घटना केरेडारी प्रखंड क्षेत्र के गरी कलां में हुई, जिसमें बिरजू साव के दो बैलों की मौत वज्रपात के कारण हो गई. बिरजू साव भी आंशिक रूप से वज्रपात की चपेट में आ गया. वहीं एक अन्य घटना प्रखंड क्षेत्र के ग्राम जोरदाग में घटी, जिसमें सुरेश महतो की एक गर्भवती गाय और छोटेलाल महतो की एक गाय की मौत वज्रपात से हो गई. मवेशी स्वामियों ने सीओ से आपदा प्रबंधन के तहत मुआवजा की मांग की है.

मुखिया की पहल पर कब्रिस्तान में बोरिंग

चौपारण। मुखिया संघ अध्यक्ष सह बच्छई पंचायत के मुखिया बिरेंद्र रजक की पहल पर मालिकाना के कब्रिस्तान में पेयजल की समस्या को दूर करने के लिए बोरिंग कराई गई. मुखिया ने कहा कि कब्रिस्तान में पेयजल की व्यवस्था नहीं होने के कारण मुस्लिम समुदाय के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था. लोगों ने कई बार स्थानीय विधायक एवं पूर्व सांसद से भी कब्रिस्तान में बोरिंग कराने का आग्रह किया था, परंतु इस पर कोई पहल नहीं हुई.

नूतन नगर बाईपास में नाली का निर्माण कार्य तीन महीने से बंद

नाली निर्माण को अधूरा छोड़ फरार हुआ ठेकेदार

खास बातें

- सड़क पर जमा गंदे पानी से हो लोग करते हैं आना-जाना
- नाके पर नाक बंद कर ड्यूटी करने को मजबूर जवान

प्रमोद उपाध्याय /रंजना कुमारी। हजारीबाग

नगर को स्वच्छ रखने के लिए जहां सरकार तरह-तरह की मुहिम चला रही है, वहीं बीएसएफ, सीआरपीएफ झारखंड पुलिस के अलावे स्कूल, जिला प्रशासन, समाजसेवी इस दिशा में उल्लेखनीय काम रहे हैं. इससे धीरे-धीरे आम लोग भी जागरूक होने लगे हैं और जिले को स्वच्छ रखने में सहयोग कर रहे हैं. वहीं नगर निगम की ओर से लाखों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद शहर के अपार्टमेंटों की नालियां सड़क पर बह रही हैं, जिससे राहगीरों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

नूतन नगर स्थित बाईपास नगर निगम में आता है. इस सड़क के किनारे नगर निगम द्वारा बनाई जा रही नाली तीन महीना से अधूरी है, जबकि इसी नाली के बगल में बड़े-बड़े अपार्टमेंट बने हुए हैं, जिनका पूरा गंदा पानी और मलबा सड़क पर बह रहा है और इसी को लांघ कर लोग आवाजाही कर रहे हैं. इसको लेकर मोहल्लावासी काफी परेशान हैं. बताते चलें कि यह सड़क धनबाद रोड से शहर की तरफ से जाती है. इसी सड़क से आसपास के लोग शहर में प्रवेश करते हैं. आम लोगों की सुरक्षा को देखते हुए वहां झारखंड पुलिस का चेक नाका भी लगाया गया है, एक जवान को तैनात किया गया है. लेकिन उस स्थान पर ड्यूटी करने वाला जवान काफी परेशान है. वह नाली के बदबूदार पानी के कारण नाक पर रूमाल रखकर ड्यूटी करने को मजबूर है.

अधूरा पड़ा नाली का निर्माण कार्य और गंदे और बदबूदार पानी से होकर गुजरने को मजबूर एक महिला.

नाक पर रूमाल रखकर ड्यूटी करने को मजबूर जवान

इस संबंध में नूतन नगर बाईपास के पास ड्यूटी पर तैनात जवान महेंद्र कुमार ने बताया कि आठ घंटे की ड्यूटी है और उस स्थान पर अपार्टमेंट का पूरा गंदा पानी और मलबा सड़क पर आ रहा है, जिसके बदबू से आसपास के लोग भी परेशान हैं. यही कारण है कि उसे नाक पर रूमाल रखकर ड्यूटी करना पड़ रहा है. वहीं कॉलोनी में रहने वाले महेंद्र कुमार, रेखा देवी ने बताया कि नगर निगम द्वारा नाली का निर्माण किया जा रहा है, जिसको बाईपास होते हुए

सुरक्षित स्थान पर ले जाना है, लेकिन ठेकेदार तीन महीने पहले आधी अधूरी नाली बनाकर भाग गया है. सड़क किनारे कई बड़े अपार्टमेंट हैं और उनकी पूरी गंदगी सड़क पर बह रही है. ऐसे में लोगों को मजबूर होकर गंदे पानी में पैर रखकर आना-जाना पड़ता है. लोगों ने यह भी बताया कि नगर निगम को इसका संज्ञान लेना चाहिए और अगर ठेकेदार काम नहीं करवा पा रहा है तो नगर निगम का यह दायित्व बनता था कि उस नाली पूरा करे ताकि आम लोगों को परेशानी नहीं हो और बरसात में बीमारी के खतरे से भी बचा जा सके. इस संबंध में नगर सहायक आयुक्त ने पूछे जाने पर कहा कि इसकी जानकारी मुझे नहीं है. पता करवा कर मामले को संज्ञान में लिया जाएगा.

डीएवी बरकाकाना में हुई अंतर सदनीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

संवाददाता। रामगढ़

डीएवी स्कूल बरकाकाना में अंतर सदनीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई. इसका संचालन वीणा सिंह ने किया. प्रमिला सिंह, एएनबी तिर्की और पारितोष बर्णवाल ने सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. प्रतियोगिता में परशुराम सदन 150 अंक के साथ प्रथम स्थान पर रही, जबकि द्रोण सदन ने 107 अंक लेकर दूसरा स्थान हासिल किया. अगस्त्य सदन 41 अंक के साथ तृतीय और वशिष्ठ सदन 30 अंक लेकर चतुर्थ स्थान प्राप्त किया. प्राचार्य मोहम्मद मुस्तफा माजिद ने कहा कि बच्चों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ सामान्य ज्ञान की भी जानकारी होनी चाहिए, ताकि वे विश्व के विकास में योगदान कर सकें. डीएवी बरकाकाना बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, और खेलकूद से संबंधित प्रतियोगिताएं आयोजित करता है, ताकि वे वेद के रास्तों पर चलते हुए विज्ञान, संस्कृति, और समाज की जानकारी से परिपूर्ण हो सकें.

प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे.

मानव जीवन की रक्षा के लिए जरूरी है पौधरोपण

रामगढ़। मुस्कुराहटें संस्था की ओर से सुकरीगढ़ा स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय के प्रांगण में मंगलवार को वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें मुख्य रूप से संस्था के अध्यक्ष विवेकानंद वर्मा उपस्थित थे. उन्होंने 50 फलदार एवं छायेदार पौधों का रोपण एवं वितरण किया. मौके पर विवेकानंद वर्मा ने कहा कि मानव जीवन के संरक्षण में पौधरोपण अत्यंत आवश्यक है. सभी लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगा कर उसे संरक्षित करना चाहिए. हमारी संस्था विगत सात वर्षों से पौधरोपण करते हुए लोगों को पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूक कर रही है. कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विद्यालय की प्रभारी मंजुषा क्लेमी खलखो ने संस्था के प्रति धन्यवाद प्रकट किया.

झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ की हड़ताल 9वें दिन भी रही जारी

मांग पूरी होने तक करेंगे आंदोलन

संवाददाता। रामगढ़

17 साल तक मनरेगा कर्मियों ने हर स्तर पर जी-तोड़ मेहनत की. सरकार की महत्वाकांझी योजनाओं को धरातल पर उतारने में खुद को झोंक दिया. बावजूद इसके सरकार मनरेगा कर्मियों की अनदेखा कर रही है. ये बातें झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के रामगढ़ जिला सचिव कुमार विवेक ने कहीं. उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मनरेगा कर्मियों की मांग को जायज बता रहे थे, इसे लागू करने की बात कर रहे थे. लेकिन साढ़े चार साल से अधिक वक्त गुजर जाने के बाद भी सरकार हमारी मांगों पर विचार नहीं कर रही है, हमें अनदेखा किया जा रहा है. रामगढ़ जिले के मनरेगा कर्मियों की हड़ताल के कारण विकास की कई योजनाएं ठप हैं. अबुआ आवास निर्माण की गति पर ब्रेक लग गया है. सरकार वैकल्पिक व्यवस्था कर रही है, लेकिन मनरेगा कर्मियों की मांग पर ध्यान नहीं दे रही है. उन्होंने कहा कि जब तक हमारी मांग पूरी नहीं हो जाती, हड़ताल जारी रहेगी. मौके पर दीपक कुमार गुप्ता, शत्रुधन सिन्हा, प्रसादी महतो, विजय कुमार, सुनील कुमार, ललीत कुमार, सूरज राम दांगी, आरिफ अंसारी, विनय प्रकाश, महेंद्र नायक, संगीता बेदिया, बिनोद कुमार, विजय कुमार, रूपेश कुमार, दिलदार महतो, शिव शंकर, रणजीत आदि मौजूद थे.

मनरेगा कर्मियों के पिछले नौ दिन से लगातार हड़ताल पर रहने की वजह से कई योजनाओं के काम प्रभावित हो गये हैं. बिरसा हरित ग्राम, पशु शेड योजना, कूप निर्माण, मिट्टी खुदाई सहित सारे कामकाज प्रभावित हो रहे हैं. मजदूरों का पेमेंट भी फंस रहा है.

मांग पूरी कराने के लिए धरने पर बैठे मनरेगा कर्मी.

नागीटांड़ के प्रवासी मजदूर का शव छह दिन बाद भी नहीं आया

शोकाकुल परिवार से मुलाकात करते भाजपा नेता चंद्रनाथ भाई पटेल.

संवाददाता। विष्णुगढ़

झारखंडवासी सरकारी नीतियों के कारण संपन्न राज्य होने के बावजूद विपन्नता झेलने के लिए अभिशप्त हैं. यहां के युवा रोजगार नहीं मिलने के कारण पलायन करने को विवश हैं. शोकाकुल परिवार से मिलने प्रखंड अंतर्गत बलकमक्का के नागीटांड़ पहुंचे अधिवक्ता सह भाजपा नेता चंद्रनाथ भाई पटेल ने उपरोक्त बातें कही. बता दें कि नागीटांड़ के प्रवासी मजदूर नारायण महतो की मौत बेंगलुरु में हो गयी है. मौत की वजह अबतक साफ नहीं है. बीती 24 जुलाई से उनका पार्थिव शरीर बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में पड़ा हुआ है. नारायण पिछले चार वर्षों से वहां एक कंपनी में कार्यरत था. घर वाले शव को पैतृक गांव भेजवाने की गुहार कंपनी से लगा रहे हैं. भाजपा नेता पटेल ने इस संबंध में जब कंपनी के साइट इंचार्ज से बात की तो संतोषजनक जवाब नहीं मिला. घटना के संदर्भ में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई.

कांग्रेस का मिलन समारोह सह बूथ कमेटी का पुनर्गठन कार्यक्रम संपन्न

बचरा पंचायत में आजसू को झटका

संवाददाता। हजारीबाग

पिपरवार- पिपरवार क्षेत्र के बचरा में कांग्रेस पार्टी का मिलन समारोह सह बूथ कमेटी पुनर्गठन कार्यक्रम मंगलवार को संपन्न हुआ. इसमें बतौर मुख्य अतिथि इंटक प्रदेश सचिव सह विधायक अंबा प्रसाद के भाई अंकित राज शामिल हुए. कार्यक्रम की अध्यक्षता पिपरवार क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र गुप्ता ने की. इस दौरान बचरा के आजसू पंचायत अध्यक्ष किशनदेव सिंह ने कांग्रेस पार्टी का दामन थामा. उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी परिवारवाद व जातिवाद की पार्टी है. दिन-ब-दिन आजसू के कार्यकर्ताओं का पार्टी से मोह भंग हो रहा है. आने वाले दिनों में और भी लोग आजसू की सदस्यता छोड़ेंगे. वहीं अंकित राज ने कहा कि संगठन के माध्यम से विकास कार्यों को धरातल पर उतारने का कार्य किया जा रहा है. इसी कड़ी में बूथ कमेटी का पुनर्गठन किया गया है. वहीं विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र गुप्ता ने कहा कि पिपरवार क्षेत्र की सभी पंचायतों में सर्वांगीण विकास हुआ है.

कांग्रेस के मिलन समारोह सह बूथ कमेटी पुनर्गठन कार्यक्रम में मौजूद नेता.

चूल्हा प्रमुखों को चुनाव तैयारियों में जुटने का निर्देश

रामगढ़। सेवई उत्तरी पंचायत में मंगलवार को आजसू की बैठक हुई. इसमें मुख्य रूप से प्रखंड अध्यक्ष दिवाकर नायक मौजूद थे. इस दौरान उन्होंने सभी चूल्हा प्रमुखों को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का निर्देश दिया. मौके पर उन्होंने कहा कि सेवई उत्तरी पंचायत में आजसू पार्टी को सशक्त बनाया जाएगा ताकि आने वाले विधानसभा चुनाव में रामगढ़ वमें दोबारा आजसू की जीत हो सके. बैठक की अध्यक्षता प्रखंड कार्यकारी अध्यक्ष भानुप्रकाश महतो ने की, जबकि संचालन प्रयाग मांझी ने किया.

बैठक में महिला मोर्चा की पंचायत कमिटी का गठन

संवाददाता। केरेडारी

बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति का बैठक किचटो बन्हे हाई स्कूल में हुई. इसमें महिला मोर्चा की पंचायत कमिटी गठित करने का निर्णय लिया गया. इसकी अध्यक्षता किचटो मुखिया संगीता देवी ने की और संचालन रूपलाल महतो ने किया. इसमें अध्यक्ष करुण ज्योति तिर्की, उपाध्यक्ष कंचन देवी, उर्मिला देवी सचिव, बबिता देवी उपसचिव, सोनी देवी कोषाध्यक्ष, काजल देवी मीडिया प्रभारी, द्रोपती देवी प्रवक्ता, विद्या कुमारी, अंकिता कुमारी संगठन मंत्री, संगठन सचिव देवती देवी व चिंता देवी को सर्व सहमति से चुना गया. मौके पर केंद्रीय संगठन सचिव विकाश महतो, केंद्रीय संगठन मंत्री राज किशोर चौधरी प्रखंड अध्यक्ष संतोष महतो, अनिल मुंडा, राजेश साव, आंगद महतो, राम कुमार महतो, राजेश उरांव, गणेश महतो, नरेश महतो, विजय महतो, राजेश्वर महतो, अजीत उरांव, वीरेंद्र किस्पोट्टा, कामेश्वर् गंझू, करुणा ज्योति तिर्की, सोनी देवी, इन्ना कुमारी, काजल कुमारी, कंचन देवी, देवंती देवी, सुनीता देवी, मलती देवी, सीमा देवी, उर्मिला देवी, क्रांति पटेल, सुराजमानी, पिंटू महतो, सहदेव, प्रकाश महतो, प्रेम लकडा, यदुनाथ महतो, टिकेश्वर् महतो, अनुज महतो, कालेश्वर् महतो, दीपक महतो, दिनेश महतो, अनिल महतो, देवनाथ महतो, सुकर तना भगत, मनोज महतो, संगीता देवी, द्रोपती देवी, बबिता देवी, मनसो देवी, सुनीता देवी, सहोदारी देवी, तालेश्वर् गंझू, महेंद्र गंझू, पवन महतो, गोविंद उरांव, विकाश महतो, प्रियंका देवी, चिंता देवी, मुंशी तना भगत, बिराज तना भगत आदि उपस्थित थे.

नाराजगी अंतर्राज्यीय बस अड्डे के निर्माण के लिए अधिग्रहित जमीन के रेट का मामला

मुआवजा भुगतान नोटिस पर रैयतों ने जताई आपत्ति

संवाददाता। हजारीबाग

अंतर्राज्यीय बस अड्डा निर्माण के लिए भू-अर्जन पदाधिकारी द्वारा जारी मुआवजा भुगतान नोटिस पर रैयतों ने आपत्ति जताई है. इस संबंध में सभी रैयातों ने अवर सचिव रांची, हजारीबाग सांसद, उपायुक्त हजारीबाग, अपर समरहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, भू अर्जन पदाधिकारी को पत्र लिखकर उक्त भूमि अधिग्रहण का भुगतान 30 लाख रुपये प्रति कट्ठा की दर से करने की मांग की है. अंतर्राज्यीय बस अड्डा के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण के संबंध में रैयतों को नोटिस भेजा गया है. उक्त मामले में अंचल सदर हजारीबाग की कुल जमा 8.10 एकड़ है. भू-अर्जन पदाधिकारी के द्वारा मुआवजा भुगतान प्राप्त करने के दबाव से रैयतों में घोर विरोध एवं असंतोष व्याप्त है. ज्ञात हो कि कुद नं० 1 हजारीबाग शहर के चौहदी बिल्कुल सटा हुआ मौजा है, जहां हजारीबाग रेलवे जंक्शन अवस्थित है. साथ ही हजारीबाग चतरा एनएच 100 पर अवस्थित है. कुद नु० 1 की जमीन आवासीय और बहुमूल्य है, जिसका वर्तमान बाजार मूल्य तीस लाख रुपये प्रति कट्ठा है. आवेदन में भू-अर्जन वाद के व्ययगत अभिलेख के आधार पर मुआवजा भुगतान नोटिस निरस्त करने की मांग की है.

प्रभावित रैयतों ने सांसद व विभिन्न अधिकारियों को आवेदन दिया है.

क्या है नया भू-अर्जन अधिनियम

बता दें कि 1 जनवरी 2014 से परे देश में नये भू-अर्जन अधिनियम प्रवृत हो गया है. उक्त अधिनियम की धारा 24 (2) में स्पष्ट प्रावधान है कि अधिनियम की लागू होने की तिथि से 5 वर्ष पूर्व या इससे पूर्व के भू-अधिग्रहण मामलों में यदि भूमि अधिग्रहण के 5 वर्ष के अंदर अध्याची विभाग द्वारा भूमि का उपयोग नहीं किया गया हो या मुआवजा राशि भू-स्वामी को प्रदान ना की गई हो तो वैसी स्थिति में अधिग्रहण अवैध माना जायेगा.

भुगतान नोटिस में गलत दर्शाया

भुगतान नोटिस में यह गलत दर्शाया गया है कि 6 मई 2013 एवं 15 जून 2015, 28 अगस्त 2015 को अर्जित जमीन का मुआवजा भुगतान का नोटिस दिया गया था. रैयतों का कहना है कि भू-अर्जन अधिनियम के दफा 24 (2) के तहत अधिग्रहण की अभिलेख व्ययगत हो गया है. इसके बावजूद पुराने अधीनस्थ अधिनियम 1894 के तहत मुआवजा प्राप्ति हेतु जबरन नोटिस दिया गया है. अग्रसर कार्रवाई की धमकी दी जा रही है.

स्वच्छ व स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए संस्थाएं आगे आएं : उपायुक्त

नशामुक्ति जागरूकता वाहन रवाना

संवाददाता। हजारीबाग

सद्भावना विकास मंच एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में जिला समाहरणालय भवन परिसर से मंगलवार को नशा उन्मूलन हेतु दो जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. उपायुक्त नैंसी सहाय, पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह तथा सद्भावना विकास मंच के सदस्यों के सामूहिक प्रयास से नशा उन्मूलन अभियान की शुरुआत की गई है.

यह अभियान निरंतर 14 अगस्त तक चलाया जाएगा, जिसमें हजारीबाग के प्रत्येक मोहल्ले, कस्बे, गांव और गलियों में नशा उन्मूलन को लेकर लोगों को जागरूक किया जाएगा. उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने सद्भावना विकास मंच के कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए इसे एक सराहनीय पहल बताया. उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए सभी संस्थाओं को एक सकारात्मक उद्देश्य के लिए आगे आना चाहिए. नशा एक अभिशाप है जिसे जड़ से खत्म किया जाना चाहिए. मौके पर विकास मंच के अध्यक्ष इरफान अहमद उर्फ काजू, उपाध्यक्ष दीपक कुमार, नौशाद, महताब आलम, जेपी जैन, मकसीर आलम, परवेज, सोहेल खान, शोएब मुस्तर, शिवली अहमद, मोहम्मद शाहिद, अली खान, सरफराज, कमरुद्दीन, रोशन, सुनील गुप्ता, सोहेल अहमद इत्यादि मौजूद रहे.

नशामुक्ति जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाते अधिकारी.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष गुरु मंगल के साथ चंद्रमा उच्च के हैं. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी. भाग्य का साथ मिलेगा. पुराना रोग उभर सकता है. विवाद से क्लेश संभव है. मंदिर में घी का दीपक दिखावें.

वृषभ बाहरी लोगों से पूछ परख बढ़ेगी. पर रोग पर या गलत जगह खर्च होगा. नेत्र संबंधी रोग से बचें. दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी. कार्य में विलंब होगा. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. पारिवारिक चिंता बनी रहेगी.

मिथुन खर्च अधिक होगा पर आय के लिए दिन उत्तम है. दिखावा में ज्यादा खर्च हो सकता है. विदेश से शुभ समाचार मिलेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. भाग्य का साथ रहेगा. व्यापार में वृद्धि के योग हैं. निवेश शुभ रहेगा. आय होगी.

कर्क किसी पुराने मित्र से मुलाकात से मन प्रसन्न होगा. आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. नई योजना बनेगी. कारोबार में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. नए व्यापारिक अनुबंध होंगे. धनार्जन होगा. लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी.

सिंह पिता से लाभ का योग है. नए कार्य से लाभ होगा. उनकी आज्ञा से कार्य करें. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा. आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार अच्छा चलेगा. नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्नता रहेंगे.

कन्या धर्म में मन लगेगा. पर वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आय में निश्चितता होगी. ऐश्वर्य पर व्यय होगा. मेहंदी का दान करें.

तुला मानसिक तनाव होगा. आपके कार्यों के कारण कोई अज्ञात भय सताएगा. पुराना रोग उभर सकता है. भागदौड़ रहेगी. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

वृश्चिक व्यापारिक मित्र या पार्टनर से कोई मतभेद हो सकता है. कोई अच्छा समाचार मिल सकता है. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. व्यर्थ भागदौड़ होगी. कार्य में विलंब होगा. चिंता तथा तनाव रहेंगे. हनुमानजी का ध्यान पूजन करें.

धनु समय सामान्य है. नेत्र रोग या रक्त संबंधित बाधा से बचे. विरोधी सक्रिय रहेंगे. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में चैन रहेगा. आय में वृद्धि होगी. मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा.

मकर संतान की देखभाल करें. भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी. कोई बड़ा लाभ हो सकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें. चोट व रोग से बचें. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी.

कुंभ कोई बड़ा कार्य या बोलने से पहले विचार आवश्यक है. किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा. कारोबार में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा. चोट व रोग से बचें. काला वस्तु का दान करें.

मीन भाई बहन से मतभेद हो सकता है. जुबान पर कन्ट्रोल रखना आवश्यक है. पराक्रम का गलत तरीके से प्रयोग नहीं करे. कारोबार में वृद्धि होगी. निवेशादि शुभ रहेंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. स्त्री पक्ष से लाभ होगा. अज्ञात भय रहेगा.

ग्रामीणों को दी योजनाओं की जानकारी

लातेहार। जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के तत्वाधान में लातेहार प्रखंड के तरवाडीह ग्राम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई. कार्यक्रम में स्वर संगम म्यूजिकल ग्रुप, लातेहार के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक एवं गीत संगीत के माध्यम से ग्रामीणों को सामाजिक कुरीतियों एवं अंधविश्वास से दूर रहने का अपील की. संस्था के कलाकारों ने नाटक के माध्यम से बताया कि सरकार के द्वारा समाज के तबके के लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है. मुख्यमंत्री मइंया सम्मान योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत 21 से 50 वर्ष से कम आयु की महिलाओं को प्रति वर्ष 12 हजार रूपये दी जायेगी.उन्होंने बताया कि सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाती है. आगे बताया कि सरकार ने हड़िया एवं दारू बेचने वाले महिलाओं के लिए फूलों झानो आशीर्वाद योजना लाई है. इसके अलावा उन्होंने पशुधन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार योजना, मुख्यमंत्री हरित योजना आदि की जानकारी.

सुल्तानगंज में कांवरिया की मौत

सगमा (गढ़वा)। धुरकी थाना क्षेत्र के शारदा गांव निवासी 55 वर्षीय बच्चन पासवान अपने गांव से तीन दिन पूर्व ग्यारह सदस्यों के साथ बाबा धाम के लिए निकला था. इस क्रम में बीते सोमवार की अहले सुबह जल भरने के पूर्व सीढ़ी पर अपने सहयोगियों के साथ स्नान कर रहा था कि अचानक गिर गया. जिससे उसके सर में गंभीर चोट आयी. स्थानीय प्रशासन तथा सहयोगियों की मदद से रेफरल अस्पताल सुल्तानगंज में भर्ती कराया. जहां चिकित्सकों ने बच्चन पासवान को मृत घोषित कर दिया. मौत की खबर दूरभाष के माध्यम से इनके स्वजन को दिया गया. इस घटना के बाद साथ में निकले बाबा धाम जाने वालो साथियों ने बीच रास्ते से ही मृतक का शव लेकर निवास स्थान शारदा गांव मंगलवार लौट गए और मृतक का शव स्वजनों को सुपुर्द कर दिया. शव के देखते ही पूरे घर में कोहराम मच गया. सूचना मिलते ही मृतक के घर सांत्वना देने पहुंची पंचायत के मुखिया कलावती देवी ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि मृतक मेहनत मजदूरी कर पूरे घर का भरण पोषण करता था. मुझे इसके लिए भारी दुख है.

विधानसभा चुनाव : लोकसभा चुनाव में करारी हार मिलने के बाद भाजपा आलाकमान के निर्णय पर टिकी है अर्जुन मुंडा की नजर

खरसावां विस से अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा लड़ सकती हैं चुनाव

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड में विधानसभा चुनाव होने में अब कुछ ही महीने शेष बचे हैं. इसको लेकर राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं की भी गतिविधियां तेज हो गयी हैं. खूंटी लोकसभा चुनाव में पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की करारी हार के बाद राजनीतिक गलियारों में इस बात के कयास लगने शुरू हो गये हैं कि भाजपा, अर्जुन मुंडा को विस चुनाव में उतार सकती है.

गौरतलब है कि हाल के लोस चुनाव में राज्य की सभी पांच आदिवासी आरक्षित सीटों पर भाजपा को मुंह की खानी पड़ी थी. इससे सबक लेते हुए भाजपा आगामी विस चुनाव में पार्टी के दिग्गज आदिवासी नेताओं को मैदान में उतारने की रणनीति बना रही है. इसके अनुसार, विस चुनाव में अर्जुन मुंडा के अलावा सुदर्शन भगत, अरुण उरांव और गीता कोड़ा को पार्टी उम्मीदवार बना सकती है. हालांकि, अर्जुन मुंडा अपने गृह विस इलाके में अपने करीबियों को कह चुके हैं कि पार्टी जो जिम्मेवारी देगी, उसे पूरा करेंगे. लेकिन टिकट नहीं मांगेंगे.

अर्जुन आजमा सकते हैं किस्मतः मुंडा को इस बात का भी डर है कि कहीं लोस चुनाव की तरह ही विस चुनाव में भी परिस्थिति अनुकूल नहीं बनी, तो उनके राजनीतिक भविष्य पर बड़ा डेंट लगेगा. ऐसे में मीरा को खरसावां विस से चुनाव लड़वाया जा सकता है. दूसरी ओर अगर अर्जुन विस का चुनाव लड़ेंगे, तो उनकी प्रथामिकता सरायकेसा विस हो सकती है.

कुर्मी वोटरों की नाराजगी बढ़ा सकती हैं मुश्किलें

लोकसभा चुनाव के पूर्व भाजपा के सरायकेला खरसावां जिला अध्यक्ष विजय महतो के हटाये जाने का असर भी लोकसभा चुनाव में पड़ा था. विजय महतो कुर्मी समुदाय से आते हैं. जिले में कुर्मी वोटरों की सख्या 55000 से अधिक है. महतो वोटरों के बिखराव के कारण लोकसभा चुनाव में खरसांवा विधानसभा से भाजपा पिछड़ गयी थी. वहां के दर्जनों कुर्मी बहुल बूथों में भाजपा 100 वोट भी नहीं ला सकी थी. वहीं, चार बूथों में 10 का आकड़ा भी पार नहीं कर सकी थी.

खरसावां से कौन-कौन संभावित उम्मीदवार

खरसावां विस सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए प्रमुख तौर पर तीन उम्मीदवारों के नाम की चर्चा तेज हैं. इनमें मीरा मुंडा. मीरा, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति में रह चुकी हैं. अर्जुन मुंडा के चुनाव नहीं लड़ने की सूरत में पार्टी मीरा मुंडा को आगे ला सकती है. वहीं दूसरे दावेदारों में भाजपा एसटी मोर्चा के कोषाध्यक्ष गणेश महली हैं. वह खरसावां विस क्षेत्र के प्रमुख और सक्रिय भाजपा नेताओं में गिने जाते है. वहीं, पूर्व विधायक मंगल सिंह सोय भी टिकट के दावेदारों में से एक हैं.

मुंडा ने कहा है-पार्टी का फैसला ही उनका निर्णय

भाजपा जिला अध्यक्ष उदय सिंह देव कहते है अर्जुन मुंडा से उनके चुनाव लड़ने को लेकर कई बार बात की. उन्होंने साफ कहा है कि पार्टी का फैसला ही उनका निर्णय है. वे खुद टिकट की मांग नहीं करेंगे. वहीं, दूसरे दावेदारों के संबंध में कहा की पार्टी जिसे टिकट देगी, उसके लिए पूरा संगठन काम करेगा. पार्टी में कई नेता हैं, जिनमें मीरा मुंडा, जंयती सोय, मंगल सिंह मुंडा, लाल सिंह मुंडा आदि का नाम शामिल है, लेकिन किसी ने भी अब तक टिकट के लिए अपनी दावेदारी पेश नहीं की है.

मुख्यमंत्री मईंयां सम्मान योजना को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

लाभुकों के चयन को लेकर तीन से पंचायतों में लगेगा शिविर

संवाददाता। मेदिनीनगर

झारखंड मुख्यमंत्री मईंयां सम्मान योजना के तहत 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जानी है. प्रत्येक माह की 15 तारीख तक सरकार बहनों के एकल लिंक्ड बैंक खाते में राशि क्रेडिट करेगी. यह सरकार की बेहद ही महत्वाकांक्षी योजना है . पदाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी लाभुक इस योजना के लाभ से वंचित न रह पाये. यह निर्देश उपायुक्त शशि रंजन ने मंगलवार को समाहरणालय के सभाकक्ष में आयोजित जिला समन्वय समिति की बैठक में सभी पदाधिकारियों को दिया.

उपायुक्त ने कहा कि योजना से लाभुकों को जोड़ने के लिए आगामी 3 से 10 अगस्त तक पंचायत स्तरीय शिविरों का आयोजन होना है. शिविरों के सफल संचालन के लिए सभी जरूरी कार्य समय पर निष्पादित और योजना का व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है.सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा विक्रम आनंद ने कहा कि योजना के लिए आंगनबाड़ी के माध्यम से निःशुल्क आवेदन पत्र उपलब्ध कराया जाएगा. इसका वितरण, जमा करने एवं स्वीकृति तक की सारी कार्रवाई निःशुल्क होगी. आंगनबाड़ी सहायिका,सेविका अपने-अपने क्षेत्र के घर-घर जाकर 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को चिन्हित कर आवेदन उपलब्ध करायेंगी .

लाभुकों को आवेदन जमा करने के लिए पंचायतों में लगने वाले शिविर में आना होगा. आवेदनों को पोर्टल में इंट्री करने के लिए वीएलई रहेंगे. आवेदन की स्वीकृति पदाधिकारी के रूप में अधिकृत बीडीओ/सीओ आवेदनों का सत्यापन तीन दिनों के अंदर करके स्वीकृति प्रदान करेंगे.

लाभुकों के लिए पात्रता को सरल रखा गया है. आवेदिका झारखंड की निवासी हों . उनकी आयु 21 वर्ष से अधिक एवं 50 वर्ष से कम हो. आवेदिका का आधार लिंक्ड सिंगल (एकल) बैंक खाता हो. जिनका बैंक खाता आधार लिंक्ड नहीं है वे भी योजना का लाभ दिसम्बर 2024 तक उठा सकतीं हैं. मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड हो. आवेदिका का परिवार झारखण्ड राज्य के अंत्योदय अन्न योजना (पीला राशन कार्ड), पूर्वविक्ता प्राप्त गृहस्थ कार्ड (गुलाबी राशन कार्ड)/केरोसिन ओइल राशन कार्ड (सफेद राशन कार्ड)/हरा रंग का पृथक राशन कार्डधारी हो.

डीसी गरिमा सिंह ने पांच जागरूकता रथ रवाना किये

कार्यशाला भी आयोजित किया गया

लातेहार। झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को समाहरणालय परिसर से पांच रथ रवाना किया गया. उपायुक्त गरिमा सिंह, उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपनीय शाखा श्रेयांश, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अल्का हेंब्रम ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को रवाना किया. इस जागरूकता रथ के माध्यम से जिला में योजना का प्रचार-प्रसार कर लोगों को जागरूक करने का कार्य किया जाएगा. उपायुक्त ने कहा कि यह सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है. राज्य सरकार द्वारा 21-50 वर्ष की महिलाओं को आर्थिक सहायता के रूप में प्रत्येक माह एक हजार रुपए आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी. आवेदिका झारखंड की निवासी होनी चाहिए और उनकी आयु 21 वर्ष से अधिक एवं 50 वर्ष से कम होनी होनी चाहिए. आवेदिका का आधार लिंक्ड सिंगल (एकल) बैंक खाता होना आवश्यक है. जिनका बैंक खाता आधार लिंक्ड नहीं है वे भी योजना का लाभ दिसंबर तक उठा सकतीं हैं. मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड हो.आवेदिका का परिवार झारखंड राज्य के अंत्योदय अन्न योजना (पीला राशन कार्ड), पूर्वविक्ता प्राप्त गृहस्थ कार्ड (गुलाबी राशन कार्ड)/केरोसिन ओइल राशन कार्ड (सफेद राशन कार्ड)/ हरा रंग का पृथक राशन कार्ड धारी होना चाहिए. इससे पहले समाहरणालय के सभागार में इस योजना को ले कर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसका उदघाटन उपायुक्त ने दीप जला कर किया.

अवैध खनन के कारण कई पहाड़ों का अस्तित्व खतर में

विशेष संवाददाता। रांची

अवैध खनन के कारण राजधानी रांची समेत कई पुराने एवं ऐतिहासिक पहाड़ों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है. यह सवाल भाजपा विधायक बिरंची नारायण ने सदन में अल्पसूचित प्रश्न में उठाया. उन्होंने मामले को उठाते हुए कहा कि संथाल के साहिबगंज, पाकुड़, दुमका, राजधानी रांची, रामगढ़ और पलामू सहित झारखंड के अधिकत्तर जिलों में साढ़े चार साल से अवैध खनन जारी है. इसके कारण इन पहाड़ों का अस्तित्व खत्म सा हो गया है. इन पहाड़ो की जगह अब बड़े-बड़े गड्ढे बचे हैं. विधायक ने जानना चाहा कि क्या सरकार व्यापक स्तर पर जनहित में ऐसे पहाड़ों को अवैध खनन और परिवहन कर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले पत्थर माफियाओं और इसमें संलिप्त पदाधिकारियों के विरूद्ध कठोर कारवाई करेगी.

इन पहाड़ों का अस्तित्व हो चुका है खत्म

विधायक ने बताया कि साहिबगंज का नींबू पहाड़, रांची का नामकुम राजाउलातु, उनीडीह, महादेव टोली पहाड़, बजरा पहाड़, ओरमांझी-रामगढ़ रोड स्थित चुटूपालू घाटी के खिराबेड़ा पहाड़, बहरागोड़ा का ज्योति पहाड़ आदि शामिल हैं. यहां से अरबों रूपए के पत्थर-स्टोन चिप्स की सरकारी झारखंड के विभिन्न जिलों सहित पड़ोसी राज्यों में की गयी तथा अब इन पहाड़ों के गायब होने पर पहाड़ों की उक्त खाली जमीन को समतल कर कई लोग अवेध कब्जा कर घर और कॉलोनियां बना रहे हैं. सरकार की ओर जवाब दिया गया कि राज्य में पत्थर सहित सभी खनिजों के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए जिला स्तर पर खनन टॉस्क फोर्स गठित है.

दबंगों की ग्रामीणों ने की पिटाई रास्ता रोके जाने से बढ़ा विवाद

संवाददाता। चंदवा (लातेहार)

थाना क्षेत्र के माल्हन पंचायत में मध्य विद्यालय, गनियारी के रास्ते को गांव के ही कुछ दबंगों ने मिलकर गड्ढा खोदकर बंद करने का प्रयास किया. इस घटना से गांव के लोगों में आक्रोशित हो गये. ग्रामीण विद्यालय स्थल पर जमा होने लगे. ग्रामीणों का कहना है कि यह जमीन गैर मजरूआ भूमि है. इसे हम लोग विद्यालय के बच्चों के लिए खेल का मैदान बनाना चाहते हैं. जबकि गांव के दबंग किस्म के लोग जमीन को अपने निजी उपयोग में लेना चाहते हैं. इसी मुद्दे पर सोमवार

की देर शाम विवाद बढ़ा. इसके बाद ग्रामीणों ने कुछ दबंगों की पीटायी कर दी. मंगलवार को गांव के ग्रामीण विद्यालय परिसर में बैठक कर उपयुक्त लातेहार के नाम एक ज्ञापन देने का निर्णय लिया. विद्यालय प्रबंधन समिति को भी इस घटना का लिखित शिकायत की गयी है ताकि विभाग के अधिकारियों को सूचित किया जा सके.

डीसी ने जनता दरबार में सुनी शिकायतें

लातेहार । समाहरणालय में आयोजित मंगलवारीय जनता दरबार में उपायुक्त गरिमा सिंह ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये ग्रामीणों की समस्याओं को सुना एवं उसके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया. जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आये ग्रामीणों ने अपनी-अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा. उपायुक्त ने क्रमवार तरीके से सभी की शिकायतों को सुना और शीघ्र निष्पादन का आश्वासन दिया. जनता दरबार में कुल 19 आवेदन प्राप्त हुए. इनमें मुआवजा, नियोजन, जमीन रसीद, वृद्ध पेंशन, अबुआ आवास, ग्रीन कार्ड और पीला कार्ड आदि से संबंधित आवेदन शामिल थे. उपायुक्त ने आवेदनों को संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को अग्रसारित कर शीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया. उन्होने कहा कि जनता दरबार में आये मामलों को अधिकारी गंभीरता से ले और प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का निष्पादन करें.

रेल जीएम ने पत्रकारों को किया संबोधित, बोले-

घटना में आठ लोग घायल हो गए हैं रेलवे अस्पताल में 23 लोग इलाजरत

संवाददाता। चक्रधरपुर

चक्रधरपुर रेल मंडल के राजखरसावां व बड़ाबाम्बो रेलवे स्टेशन के समीप पोटोबेड़ा गांव के समीप मंगलवार सुबह लगभग 3.45 बजे 12810 हावड़ा-मुंबई मेल ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इसके बाद दोपहर लगभग 12.30 बजे दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने पत्रकारों को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि घटना में दो लोग मारे गये हैं, जबकि आठ लोगों को हल्की चोटें आयी हैं, लेकिन स्थिति कुछ और थी. इस घटना के बाद चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल में ही 23 घायलों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया. इसमें अधिकांश यात्री हावड़ा से मुंबई के लिए यात्रा कर रहे थे. रेल जीएम के पत्रकारों को दिया गया बयान चर्चा का विषय बना रहा.

रेलवे अस्पताल में इलाजरत घायलों की सूची : ट्रेन दुर्घटना के बाद घायल यात्रियों को इलाज के लिए चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया गया है. सभी घायलों को एम्बुलेंस व रिलिफ ट्रेन से चक्रधरपुर लाया गया था. इसमें चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल में

इलाजरत घायलों में 52 वर्षीय निमाय प्रमाणिक, 40 वर्षीय राजू शेख, 66 वर्षीय बादल कुमार दास, 47 वर्षीय रश्मि बन्सोल, 36 वर्षीय प्रदीप अग्रवाल, 67 वर्षीय आशा कराकर, 23 वर्षीय सुमन देवनाथ, 34 वर्षीय साहेब आलम, 36 वर्षीय सुजय दास, 29 वर्षीय हारुल शेख, 50 वर्षीय नसीमउद्दीन हक, 57 वर्षीय सबिता दास, 55 वर्षीय एके अनिल, 41 वर्षीय कमलेश साव, 40 वर्षीय आफताब अंसारी, 34 वर्षीय कमल किशोर होरो, 35 वर्षीय अंशु राज पासवान, 49 वर्षीय सरस्वती मंडल, 54 वर्षीय सुभाशीष मंडल, 48 वर्षीय मुकनंता पांडेय, 32 वर्षीय प्रसन्नजीत दत्ता, 43 वर्षीय विश्वनाथ मैती शामिल हैं. सभी घायलों के सिर व शरीर के अन्य हिस्से में चोटें पहुंची हैं.

ज्योति आईटीआई में टाटा मोटर्स ने किया अप्रेंटशिप का आयोजन

मेदिनीनगर । कांदू मोहल्ला स्थित ज्योति आईटीआई में देश की प्रमुख कंपनी टाटा मोटर्स जमशेदपुर ने अप्रेंटिसशिप का आयोजन किया. साक्षात्कार में आईटीआई उत्तीर्ण पलामू प्रमंडल व निकटवर्ती कई जिलों के लगभग 400 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया, जिसमें से 120 प्रशिक्षणार्थियों का टाटा मोटर्स जमशेदपुर में अप्रेंटिसशिप के लिए चयन किया गया. कंपनी के साक्षात्कार अधिकारियों ने ज्योति आईटीआई के प्रशिक्षणार्थियों और संस्थान के अनुदेशक गण की सराहना करते हुए कहा कि यहां के अनुशासन, कार्य व्यवस्था और पूरे संस्थान का मैनेजमेंट बहुत ही सराहनीय है. यहां के प्रशिक्षणार्थियों की जानकारी और गुणवत्ता इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग के लिए अति उत्तम है. मौके पर संस्थान के सचिव ज्योति पांडे ने बताया कि अप्रेंटिसशिप बच्चों को जीवन की वास्तविक दुनिया का अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है.

सरकार के संरक्षण में मतांतरण का खेल है जारी है : बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य की झामुमो कांग्रेस सरकार के संरक्षण में मतांतरण का खेल बड़े पैमाने पर जारी है. सरकार चुप है, प्रशासन मौन धारण किए हुए है, जनता परेशान है और झारखंड में मतांतरण को रोकने का नहीं कोई समाधान है. जेएमएम और कांग्रेस की गठबंधन सरकार में मतांतरण के मामले आए दिन सामने आ रहे हैं. झारखंड में जबरन धर्म परिवर्तन कराना एक प्रथा बन गई है. वोटबैंक की राजनीति करने के लिए एक खास समुदाय को हेमंत सरकार ने हिम्मत दे रखी है, डराने की, धमकाने की और जान लेने की.

घर में घुसकर महिला से की जा रही छेड़छाड़ : मरांडी ने कहा कि धनवार प्रखंड के गुआखंडहर ग्राम से ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां विकास रविदास और उनकी पत्नी को जबरन धर्म परिवर्तन के लिए विवश किया जा रहा है. मना करने पर राज्य सरकार के संरक्षण में पल रहे गुंडों द्वारा घर में घुसकर महिला से छेड़छाड़ की जा रही है,जातिसूचक गलियां दी जा रही है तथा धमकी दी जा रही है कि तुमलोग इस्लाम कुबूल नहीं करोगे तो जान से मारकर, तुम्हारे बच्चों को इस्लाम कुबूल करवाएंगे. पहले आदिवासी परिवार की महिलाओं से जबरन शादी और फिर धर्म परिवर्तन कराया गया, मना करने पर हत्या कर टुकड़े टुकड़े करके फेंका गया, अब दलित परिवारों के साथ भी यही हो रहा है। वोटबैंक की राजनीति करने वाली इस सरकार में प्रदेश का कोई भी आदिवासी, कोई भी हिन्दू सुरक्षित नहीं है.

वारदात **हुसैनाबाद थाना के दरुआ गांव के नोनिया बिगहा टोला में भूमि विवाद में चली गोली**

पिता-पुत्र पर रिश्तेदारों ने चलाई गोली, पिता को लगी गोली, पुत्र घायल

संवाददाता। पलामू

जिले के हुसैनाबाद थाना के दरुआ गांव के नोनिया बिगहा टोला में भूमि विवाद को लेकर गोली चल गई, जिसमें पिता के हाथ में गोली लग गई. पुत्र भी जख्मी है. दोनों पर उनके रिश्तेदारों द्वारा हमला किया गया. शुरुआती मारपीट में गोली मारने की पुष्टि नहीं हुई थी, लेकिन बाद में इसकी जानकारी हुई. इसके बाद एफआईआर भी बदल गया. बताया जाता है कि दरुआ गांव निवासी संतोष कुमार सिंह अपने खेत में काम कर रहे थे, उसी क्रम उनके चाचा और चचेरे भाई वहां पहुंचे और उन पर लोहे के पाइप से हमला कर दिया. इस हमले में संतोष कुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए. गोली भी चली. गोली हाथ में लगी. खबर मिलने पर संतोष कुमार सिंह के पुत्र आयुष्मान सिंह ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन हमलावरों ने उन पर भी लोहे के पाइप और रामी से हमला कर दिया. इस बीच, गांव के अन्य लोग मौके पर पहुंचे और झगड़ा शांत कराया. ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए संतोष कुमार सिंह और आयुष्मान सिंह को घायल अवस्था में अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में भर्ती कराया. सूचना मिलने पर हुसैनाबाद पुलिस अस्पताल पहुंची और दोनों घायलों का बयान दर्ज किया. आयुष्मान सिंह ने थाने में आवेदन देकर गांव के अंजनी सिंह, विजय सिंह, प्रिंस सिंह, और उपेंद्र सिंह पर सामूहिक रूप से पिटाई करने एवं गोली मार देने का आरोप लगाया है. पुलिस ने आवेदन के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ मंगलवार को मामला दर्ज कर लिया है. संतोष कुमार सिंह और उनके पुत्र आयुष्मान सिंह को बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया. यहां संतोष कुमार सिंह की गंभीर हालत को देखकर रांची रिम्स रेफर किया गया. घटना के पीछे भूमि विवाद बताया जा रहा है. पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और जल्द ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

पलामू में नाबालिग को भगा ले जाने के आरोपी को भेजा जेल

पलामू। जिले के तरहसी थाना क्षेत्र के पाठक पगार पंचायत क्षेत्र की 14 वर्ष की नाबालिग लड़की को प्रेम प्रसंग में शादी की नियत से भगा ले जाने के आरोप में चैनपुर के झरिवा का युवक महफूज अंसारी को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. गत 27 जुलाई की रात में महफूज पाठक पगार की 14 वर्षीया किशोरी को उसके घर से भगा ले गया था.

परिजनों की खोजबीन के क्रम में पता चला कि महफूज अंसारी नाबालिग को भगा ले गया है और इस घटना की जानकारी आरोपित के पिता, मां, बहनोई को भी है. किशोरी का भाई गांव के कुछ लोगों के साथ खोजबीन के क्रम में चैनपुर से झरिवा पहुंचा और आसपास खोजबीन की तो रानीताल डैम के समीप से किशोरी को महफूज के साथ एक ऑटो में पकड़ा और उन्हें लेकर वापस लौट गया. थाने को सुर्पुद कर दिया. किशोरी के पिता ने थाने में महफूज के अलावा अन्य लोगों पर मामला दर्ज कराया था.

पेज एक का शेष...

जिनकी जाति का पता नहीं...

जिस पार्टी ने अपने अध्यक्ष को धोती खींच कर बाहर निकाल दिया हो, जो एक पिछड़े समाज से आते थे, उनके शहजादे हमें ज्ञान बांट रहे हैं. उन्होंने कहा, जिनकी जाति का पता नहीं, वो जाति जनगणना की बात करते हैं. अनुराग के इस बयान से विपक्षी सांसद बेहद नाराज होकर हंगामा करने लगे. हालांकि अनुराग ठाकुर ने अपने बचाव में कहा कि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया. अनुराग ने कहा कि एक नेता ने यहां खड़े होकर कमल पर कटाक्ष किया. न जाने कमल से उनको क्या विरोध है? कमल का पर्यायवाची राजीव है. कमल को बुरा दिखाने का प्रयास किया गया. चूंकि कमल से जुड़ा हुआ नाम राजीव भी है और आप सब जानते हैं कि राजीव किसका नाम है. अनुराग ने सीधे-सीधे राहुल गांधी के पिता और पूर्व पीएम राजीव गांधी की ओर इशारा किया. आप सिर्फ रील का नेता मत बनिए, मीम्स आपके खूब बनते हैं. रीयल नेता बनने के लिए सच बोलना पड़ता है. उन्होंने आगे राहुल को उनका नाम लिए बिना एक्सिडेंटल हिंदू भी कहा. कुछ लोग एक्सिडेंटल हिंदू हैं और महाभारत का ज्ञान भी एक्सिडेंटल है.

आप मुझे गाली दें...

राहुल गांधी ने महाभारत का जिक्र करते हुए कहा कि, स्पीकर सर, जो भी दलितों की बात उठाता, उसे गाली खानी ही पड़ती है. मैं ये सब गालियां खुशी से खाऊंगा. महाभारत की बात हुई, तो अर्जुन को सिर्फ मक्खी की आंख दिख रही थी, तो हमें जातीय जनगणना चाहिए, वह हम करा के रहेंगे. इसके पीछे चाहे मुझे कितनी भी गाली दी जाए. राहुल गांधी ने कहा कि अनुराग ठाकुर जी ने मुझे गाली दी है, लेकिन मुझे उनसे कोई माफी नहीं चाहिए.

कब थमेगा हादसों का सिलसिला ?

रेल हादसों का सिलसिला आखिर कब थमेगा? बारबार हो रहे रेल हादसों ने लोको पाइलटों के उन सवालों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत पर बल दिया है, जिसे राहुल गांधी से दो मुलाकातों में उठाया गया है. रेल हादसे केवल मानवीय भूल नहीं हैं. इसलिए जरूरी है कि इसकी उच्च स्तरीय जिम्मेदारी भी तय की जाए. रेल मंत्रालय को अपनी खामियों को भी गंभीरता से स्वीकार करने की जरूरत है और रेल यात्रियों में भरोसा पैदा करने की भी. देश में लगातार हो रहे रेल हादसों को लेकर विपक्ष ने केंद्र सरकार को घेरना शुरू कर दिया है. ममता बनर्जी ने एक्स पर पोस्ट किया कि आखिर भारत सरकार की संवेदनहीनता का अंत कब होगा? वहीं सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार रेल हादसों का रिकॉर्ड बना रही है. झामुमो और शिवसेना ने भी सरकार पर हमला किया. हर हफ्ते घटनाएं हो रही हैं. विपक्ष का सवाल है कि क्या यही शासन है? हावड़ा-मुंबई मेल झारखंड के चक्रधरपुर डिवीजन में पटरी से उतर गई. कई मौतें और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं. यह बेहद दुखद है. विपक्ष सवाल पूछ रहा है कि रेलवे ट्रैक पर मौत और यात्रियों के घायल होने का यह सिलसिला कब तक चलेगा? सुरक्षा और संरक्षा का इतना बड़ा बजट होने के बाद भी इतने रेल हादसे क्यों हो रहे हैं? आम लोगों को सुविधाएं नहीं मिल रही हैं. आगे ऐसे हादसे न हों, उसके पुख्ता इंतजाम करने की जरूरत है. झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में मंगलवार तड़के ट्रेन नंबर 12810 मुंबई-हावड़ा मेल के 18 डिब्बे पटरी से उतर गए. घटना में दो लोगों की मौत की खबर है. वहीं, 20 यात्री घायल हो गए. कुल घायलों में पांच लोगों को हल्की चोटें आई हैं और उनका घटनास्थल पर ही इलाज कर दिया गया. 2014 से ले कर अब तक 643 रेल हादसे हो चुके हैं. आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि रेल संरक्षा में कुछ गंभीर कमियां हैं. इसके साथ ही लोको पाइलटों के काम के घंटे और उनकी सुविधाओं की कमी का सवाल भी है. रेल संचालन को हादसा मुक्त बनाने के लिए जरूरी है कि रेल मंत्रालय दुर्घटनाओं पर एक श्वेत पत्र जारी करे और देश को विश्वास में ले. रेलवे को न केवल अधुनातन बनाने की चुनौती है, बल्कि उसे दुर्घटना मुक्त बनाने का तंत्र भी विकसित करना है. 2 जून 2023 को बालासोर, ओडिशा में हुआ भयावह हादसा देश के हाल के इतिहास में सबसे बड़ा है. यहां तीन ट्रेनों की भीषण टक्कर में 300 से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई थी और 1000 से ज़्यादा लोग घायल हुए थे. 29 अक्टूबर 2023 को आंध्र प्रदेश के अलमांडा-कंथकपल्ली में दो पैसेंजर ट्रेनों की टक्कर में 14 यात्रियों की मौत हो गई और कई घायल हुए. हादसे का कारण एक ट्रेन का दूसरी ट्रेन को पीछे से टक्कर मारना बताया गया था. इन बड़ी रेल दुर्घटनाओं से भी सबक नहीं सीखा जा सका है. आमतौर पर हादसों के लिए ड्राइवरों की गलती, रेलवे ट्रैक पर तोड़फोड़, सिग्नलमैन की लापरवाही और मशीनी खराबी बता कर मंत्रालय अपना बचाव कर लेता है. मूल् सवाल पीछे रह जाते हैं.

> रेल संचालन को हादसा मुक्त बनाने के लिए जरूरी है कि रेल मंत्रालय दुर्घटनाओं पर एक श्वेत पत्र जारी करे और देश को विश्वास में ले. रेलवे को न केवल अधुनातन बनाने की चुनौती है, बल्कि उसे दुर्घटना मुक्त बनाने का तंत्र भी विकसित करना है.

सुभाषित

माता मित्रं पिता चेति स्वभावात् त्रितयं हितम्।
कार्यकारणश्चान्ये भवन्ति हितबुद्धयः॥

माता, पिता और मित्र तीनों ही स्वभावतः ही हमारे हित के लिए सोचते हैं, वे हमारे हित करने के बदले में किसी प्रकार की अपेक्षा नहीं रखते. इन तीनों के सिवाय अन्य लोग यदि हमारे हित की सोचते हैं तो वे उसके बदले में हमसे कुछ न कुछ अपेक्षा भी रखते हैं.

दमदार है राहुल का नया अवतार

भाजपा ने जिस शिद्दत के साथ राहुल गांधी को पप्पू की छवि में कैद कर रखा था, राहुल ने उसे फाड़ कर रख दिया है. नये अवतार वाले राहुल गांधी को देखना सुखद है. वह मोदी के सामने ही कहते हैं कि मोदी जी जन्म हुआ ही नहीं, उनका अवतार हुआ है, उनका संबंध सीधे भगवान से है. वह बायोलॉजिकल नहीं हैं. इस अवतार में दम दिखता है.

• देश-काल

आनंद सिंह

आज से दो साल पहले जब मैंने कहीं लिखा था कि राहुल गांधी बदल रहे हैं तो लोगों को मेरी समझ पर शक होने लगा था. एक ने तो यहां तक कहा था कि थोड़ा गांधी खानदान को दोबारा पढ़ लें. अब यह देख कर सुकून हो रहा है कि सावरकर की विचारधारा को मानने का दावा करने वाले वह शख्स राहुल गांधी के वीडियोज को बड़े ध्यान से देख रहे हैं, लेकिन उसमें कहां नुक्स निकालें, ये उनकी खोपड़ी में आ ही नहीं रहा. शायद आइंदा वह गांधी खानदान के योगदान को फिर से पढ़ने का प्रयास करेंगे. तो, राहुल गांधी की इमेज बदल रही है. यह मैं ही नहीं कह रहा. दृष्टि आईएएस कोचिंग के कर्ताधर्ता विकास दिव्यकृति भी कह रहे हैं. विकास दिव्यकृति न तो कांग्रेसी हैं, न भाजपाई और न ही सितारा-हंसिया-धान छाप वाले. वह शुद्ध रूप से शिक्षक हैं, मोटिवेटर हैं. विकास दिव्यकृति ने राहुल गांधी को देखा है, पढ़ा है, जाना है, समझा है. राहुल ही नहीं, उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, योगी आदित्यनाथ आदि को भी गंभीरता से देखा, पढ़ा, समझा और सुना है. तो, सिर्फ विकास दिव्यकृति ही नहीं, दुनिया भर के टिप्पणीकारों का यह मानना है कि राहुल गांधी की जो पप्पू वाली छवि मोदी सरकार के चंद मंत्रियों-कारपोरेट ने करोड़ों रुपये खर्चने के बाद बनाई थी, वह भारत जोड़ो यात्रा पार्ट वन में बुरी तरह धराशायी हो गई और भारत जोड़ो यात्रा पार्ट टू अथवा न्याय यात्रा में राहुल एक नई छवि के साथ भारत के नौजवानों को लुभा रहे हैं. यह याद रखने वाला तथ्य है कि आइएसडीएस के सर्वे में यूपी में लोकसभा चुनावों के दौरान किये गए सर्वे में उन्हें देश के प्रधानमंत्री के रूप में सबसे ज्यादा वोट मिले थे. वह प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता से भी आगे निकल चुके थे. इससे यह पता चलता है कि उनकी पहले वाली इमेज टूट-फूट कर कबकी बिखर चुकी है और अब एक नई, बहुत ही अग्रेसिव छवि के साथ वह कांग्रेस पार्टी को अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ चला रहे हैं. दरअसल, राहुल कभी पप्पू थे ही नहीं. भाजपा ने उन्हें पप्पू के चोले में कैद किया था. अन्यथा, लोगों को मालूम है कि इधर से आलू डालो और उधर से सोना निकलेगा, किसने कहा था और उसके आगे-पीछे को कैसे कट-पेस्ट करके राहुल गांधी पर चिपकाया गया था. जिन्हें नहीं पता उन्हें अब तो पता हो ही जाना चाहिए कि वह अपने माननीय प्रधानमंत्री का ही स्टेटमेंट था. प्रधानमंत्री पहले भी नाले के गैस से चाय बना कर गुजरातियों को पिलाते रहे हैं, इस तथ्य से शायद ही आप नावाकिफ हों. तो, इस नए राहुल गांधी के अंदर डर नाम की कोई चीज नहीं है. कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत हों या फिर उत्तर प्रदेश प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष विश्वविजय सिंह, इनके डीपी को देखें तो वहां साफ लिखा है-डरो मत. यानी, डरना नहीं है. इसी लोकसभा सत्र में, जब राहुल गांधी को नेता विपक्ष चुना गया तो उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का संबंध सीधे भगवान से है... वह बायोलॉजिकल नहीं हैं... उनका जन्म हुआ ही नहीं...उनका तो अवतरण हुआ है. लोकसभाध्यक्ष ने जब उन्हें टोका तो राहुल गांधी ने उन्हें भी टका सा जवाब दिया कि आप मुझे टोकिये मत. मैं तो वही कह रहा हूं, जो मोदी जी ने अपने श्रीमुख से कहा है. वह यहीं नहीं रुके. उन्होंने लोकसभाध्यक्ष को भी लपेटे में लिया और कहा कि आप डबल स्टैंडर्ड करते हैं. आप मोदी जी के सामने झुकते हैं और मेरे सामने सीना तान कर खड़े हो जाते हैं. प्रधानमंत्री के सामने किसी लोकसभाध्यक्ष को 45 डिग्री तक झुकते देखना बेहद दुखद है. नेता विपक्ष के सामने आप जिस तरीके से सीना तान कर, खड़े होकर हाथ मिलाते हैं, आई टू आई कनेक्ट करते हैं, वैसा ही आपको मोदी जी के साथ भी करना चाहिए. इससे लोकसभाध्यक्ष तिलमिला कर रह गए. हालांकि उन्होंने जवाब भी दिया कि वह बड़ों की इज्जत करते हैं और छोटों से समानता का व्यवहार. ये दो वाकये सिर्फ इसलिए आपको बता रहा हूं, ताकि आप समझ सकें कि राहुल गांधी किसी नशे की हालत में नहीं, अपितु होशो-हवाश में और पूरी जिम्मेदारी के साथ, बिना डरे बोल रहे थे. सत्ता पक्ष की तरफ से थोड़ा विरोध जरूर हुआ, लेकिन बाकी का काम राहुल गांधी के माइक ने किया-सत्ता पक्ष को ठोक कर जवाब दिया गया.

महज 240 सीटें लाने वाली भाजपा का आत्मविश्वास पहले से ही जमीन टेक गया था. उस पर राहुल गांधी ने जिस बेहद तीखे अंदाज में सरकार पर, मोदी पर, अमित शाह पर हमला किया, वह सत्ता पक्ष के पांव उखाड़ने के लिए पर्याप्त था. जो कसर बची, उसे सांसद मनीष तिवारी ने पूरा कर दिया. 10 साल में पहली बार गृहमंत्री अमित शाह को लोकसभाध्यक्ष के सामने घिघियाते हुए देखा गया. उनके बोल अक्षरशः इस प्रकार थेः अध्यक्ष महोदय, मैं इस तरह से नहीं बोल सकता. मुझे इनसे (मनीष तिवारी से) संरक्षण चाहिए. महोदय मुझे व्यवस्था बना करके दीजिए ताकि मैं जवाब दे सकूं. मैं ऐसे इनका जवाब नहीं दे सकता. आपको बता दें कि कांग्रेस के मनीष तिवारी संसद में लगातार बोले जा रहे थे और लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला उन्हें चुप कराकर केंद्रीय गृहमंत्री की ओर बोलने का इशारा कर रहे थे, लेकिन मनीष तिवारी पर इसका कोई असर नहीं हुआ. इसका मतलब क्या हुआ? इसका मतलब यह हुआ कि सरकार में नंबर दो यानी अमित शाह से भी लोकसभा में राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेसी सांसद दो-दो हाथ करने को तैयार थे. अब लगभग पूरी कांग्रेस राहुल के रंग में रंगती जा रही है. यह जरूरी भी है. तो, यह सब हुआ कैसे? यह सब राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, जयराम रमेश, सुप्रिया श्रीनेत और उनकी कोर टीम के प्रयासों का प्रतिफल है. पुराने, डरपोक, दकियानूस विचारों वाले कांग्रेसी नेताओं से राहुल एंड कंपनी ने निजात पा ली है. यह तय हुआ है कि कांग्रेसी आईटी सेल दिन-रात हाई अलर्ट मोड पर रहेगी. रेफरेंस सेक्शन को बेहद मजबूत किया गया है. बाजार के वे लोग, जो कांग्रेस की विचारधारा से रत्ती भर भी जुड़े हुए हैं और आईटी को समझते हैं, उन्हें इस दस्ते में शामिल किया गया है. पहले यह होता था कि भाजपा के आईटी सेल वाले कांग्रेस पर बमबारी करते थे, फिर कांग्रेस वाले जवाब देते थे. अब सीन उल्टा हो गया है. अब कांग्रेस बमबारी करती है और सामने वाला कभी जवाब देता है, कभी नहीं. इसी टीम ने राहुल का मेकओवर किया है, उनकी छवि को सुधारकर रख दिया है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

समाज सुधार और सदाचार

उपदेश मत दो, स्वयं का सुधार कर लो दुनिया स्वतः सुधर जाएगी. हमें जब किसी उपदेशक को टोकना होता है तो प्रायः ऐसे कुटिल मुहावरों का प्रयोग करते है. इस वाक्य का भाव कुछ ऐसा निकलता है जैसे यदि सुधरना हो तो आप सुधर लें, हमें तो जो है वैसा ही रहने दें. उपदेश ऐसे प्रतीत होते है जैसे उपदेशक हमें सुधार कर, सदाचारी बनाकर हमारी सदाशयता का फायदा उठा लेना चाहता है. यदि कोई व्यक्ति अभी पूर्ण सदाचारी न बन पाया हो, फिर भी नैतिकताओ को श्रेष्ठ व आचरणीय मानता हुआ, लोगो को शिष्टाचार आदि के लिए प्रेरित क्यों नहीं कर सकता? ₹पहले स्वयं सुधरो, फिर दुनिया को सुधारना₹ एवं ₹क्या करें दुनिया ही ऐसी है₹. वस्तुतः यह दोनों कथन विरोधाभासी है. या यह कहें कि ये दोनो कथन मायावी बहाने मात्र है. स्वयं से सुधार इसलिए नहीं हो सकता कि दुनिया में अनाचार फैला है, स्वयं के सदाचारी बनने से कार्य सिद्ध नहीं होते और दुनिया इसलिए सदाचारी नहीं बन पा रही कि लोग व्यक्तिगत रूप से सदाचारी नहीं है. व्यक्ति और समाज दोनों परस्पर सापेक्ष है. व्यक्ति के बिना समाज नहीं बन सकता और समाज के बिना व्यक्ति का चरित्र उभर नहीं सकता. ऐसी स्थिति में व्यक्तिगत सुधार के लिए सुधरे हुए समाज की अपेक्षा रहती है और समाज सुधार के लिए व्यक्ति का सुधार एक अपरिहार्य आवश्यकता है. ऐसी परिस्थिति में सुधार की हालत यह है कि 'न नौ मन तैल होगा, न राधा नाचेगी'. तो फिर क्या हो? निस्संदेह सदाचारी के कथनों का अनुकरणीय प्रभाव पडता है. लेकिन यदि कोई मनोबल की विवशता के कारण पूर्णरूपेण सदाचरण हासिल न कर पाए, उसके उपरांत भी वह सदाचार को जगत के लिए अनुकरणीय ग्रहणीय मानता हो. दुनिया में नैतिकताओं की आवश्यकता पर उसकी दृढ आस्था हो, विवशता से पालन न कर पाने का खेदज्ञ हो, नीतिमत्ता के लिए संघर्षरत हो और दृढता आते ही अपनाने की मनोकामना रखता हो, निश्चित ही उसे सदाचरण पर उपदेश देने का अधिकार है. क्योंकि ऐसे प्रयासों से नैतिकताओं का औचित्य स्थापित होते रहता है. वस्तुतः कर्तव्यनिष्ठा और नैतिक मूल्यों के प्रति आदर, आस्था और आशा का बचे रहना नितांत ही आवश्यक है. आज भले एक साथ समग्रता से पालन में या व्यवहार में न आ जाय, यदि औचित्य बना रहा तो उसके व्यवहार में आने की सम्भावना प्रबल बनी रहेगी. समाज से आदर्शों का विलुप्त होना, सदाचारों का खण्डित होना या नष्ट हो जाना व्यक्तिगत जीवन मूल्यों का भी विनाश है.

रोजगार सृजन और बैंकों का फीलगुड

• आर्थिकी

टी.देवीदास

रोजगार सृजन और मध्यम व छोटे उद्योगों (एमएसएमई) को रोजगारों का प्रमुख प्रदाता बनाने के उद्देश्य से केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण में कहा गया कि 'पीएसयू बैंक बाहरी मूल्यांकन पर निर्भर रहने के बजाय एमएसएमई को ऋण देने के लिए अपनी क्षमता का निर्माण करेंगे.' यह स्पष्ट है कि बैंकों पर एमएसएमई को ऋण देने में वृद्धि करने का दबाव होगा; उन्हें नए ऋण मूल्यांकन मॉडल बनाने के लिए कहा गया है, जैसा कि वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में उल्लेख किया है. इसके अलावा सरकार चाहती है कि बैंक बढ़ी हुई सीमा के साथ मुद्रा ऋण दें. हालांकि इस योजना ने खुद कई सवाल खड़े किए हैं और इसके परिणामों को संदिग्ध माना जाता है.यह हमें उस लंबी कहानी की ओर ले जाता है कि सरकार को बैंकिंग प्रणाली, विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की किस प्रकार आवश्यकता है और वह उनका किस प्रकार उपयोग करती है तथा उसने इन बैंकों के साथ क्या किया है. बैंकों को मुनाफा कमाना चाहिए, लेकिन मुनाफा ही बैंकिंग का एकमात्र उद्देश्य नहीं हो सकता. हमें सामाजिक लाभ को मापना भी सीखना होगा. अभी भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकिंग 'फील गुड' के दौर से गुजर रही है. 2024 में पीएसयू बैंकों ने 2019 में 0.82 लाख करोड़ रुपये के घाटे के मुकाबले 1.47 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया. प्रतिशत के लिहाज से सकल एनपीए 2019 में 12.03 प्रतिशत से घटकर 2024 तक 3.49 फीसदी हो गया है, जबकि शुद्ध एनपीए 4.95 प्रतिशत से घटकर 0.75 फीसद हो गया है. पिछले वर्ष की तुलना में 2020 में कारोबार में वृद्धि 5.46 प्रतिशत थी, जबकि 2024 में यह 2023 के मुकाबले 12.06 प्रश है. एकमात्र चिंता बाजार हिस्सेदारी है, जो 2019 में 71.1 प्रतिशत थी और 2024 में घटकर 64.40 फीसदी हो गई है.इसका मतलब है कि निजी क्षेत्र के बैंकों की बाजार हिस्सेदारी 28.90 फीसदी से बढ़कर 35.60 प्रतिशत हो गई है और इसके भीतर नई पीढ़ी के निजी क्षेत्र के बैंकों की बाजार हिस्सेदारी 2019 में 23.78 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 31.02 फीसद हो गई है. इस अवधि के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की बाजार हिस्सेदारी 6.70 प्रतिशत कम हो गई है, जो बैंक ऑफ बड़ौदा की बाजार हिस्सेदारी से अधिक है- 6.49 प्रतिशत. इस प्रकार स्पष्ट है कि किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक का निजीकरण किए बिना बैंक ऑफ बड़ौदा के आकार के बराबर बैंकिंग व्यवसाय का निजीकरण हो गया है. 2020 में भारतीय स्टेट बैंक को नई पीढ़ी के निजी क्षेत्र के यस बैंक को संकटग्रस्त बैंक में 11,760 करोड़ रुपए यानी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी डालकर उसे बचाने के लिए कहा गया था. 2017-18 में, इसने 6,547 रुपए करोड़ का घाटा और 2018-19 में 862.23 करोड़ रुपए का मामूली लाभ दर्ज किया था. 2020 में यस बैंक में 11,760 करोड़ रुपए का निवेश करने के बावजूद, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 14,487 करोड़ रुपए का प्रभावशाली लाभ दर्ज करने में सक्षम था. सरकार ने, जो निजीकरण की वकालत कर रही थी और बाजार अर्थशास्त्र की भाषा बोल रही थी, स्वयं स्टेट बैंक को बीमार यस बैंक को बचाने के लिए मजबूर किया लेकिन स्टेट बैंक को 51 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए थोड़ा और निवेश करने की अनुमति नहीं दी. सरकार के विचार में यह कदम अनुत्पादक तथा आत्मघाती साबित होता क्योंकि सरकार तथाकथित सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है. बैंक सीधे उधार देने के बजाय सह-उधार या अप्रत्यक्ष उधार का सहारा लेने के लिए प्रेरित होते हैं. उत्पादों और सेवाओं में नवाचार के नाम पर, एसबीआई ने ऋण का असाइनमेंट पोर्टफोलियो की बिक्री-खरीद आदि जैसे विभिन्न उपकरण पेश किए हैं ताकि बैंक ओवरहेड लागतों को बचाने के लिए प्रत्यक्ष उधार से बच सकें. यह सब लागत को कम करने में मदद करता है लेकिन अंततः ग्राहक ही भुगतान करता है. सेवा शुल्क में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है, साथ ही उन सेवाओं पर भी शुल्क लगाया गया है जो पारंपरिक रूप से मुफ़्त थीं. यह सब लागत को कम करने में मदद करता है, लेकिन अंततः ग्राहक ही भुगतान करता है. सेवा शुल्क में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है, साथ ही उन सेवाओं पर भी शुल्क लगाया गया है जो पारंपरिक रूप से मुफ़्त थीं. इस प्रकार अब कम निवल मूल्य वाले ग्राहक जिन्हें जन धन के कार्यान्वयन के साथ बैंकिंग के दायरे में लाया गया था, उन्हें सेवाओं के लिए लागत का भुगतान करना पड़ रहा है और परिणामस्वरूप अब वे इसे छोड़ रहे हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> 2024 में पीएसयू बैंकों ने 2019 में 0.82 लाख करोड़ रुपये के घाटे के मुकाबले 1.47 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया. प्रतिशत के लिहाज से सकल एनपीए 2019 में 12.03 प्रतिशत से घटकर 2024 तक 3.49 फीसदी हो गया है, जबकि शुद्ध एनपीए 4.95 प्रतिशत से घटकर 0.75 फीसद हो गया है.

विविधता ही है भारत की मूल चेतना

• विमर्श

विश्वनाथ सचदेव

शेक्सपियर तो लिख गये कि क्या रखा है नाम में, पर उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में शुरू हुआ नाम का विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा. उत्तर प्रदेश की सरकार ने आदेश निकाला था कि कांवरियों की यात्रा के मार्ग में पड़ने वाली खाने-पीने के समान की सभी दुकानों, रेहड़ी वालों, ठेले वालों को अपनी दुकान के बाहर मालिक का, और वहां काम करने वाले सभी लोगों का, नाम लिखकर लगाना होगा, ताकि उन दुकानों आदि से सामान खरीदने वालों को यह पता रहे कि वह किस धर्म को मानने वाले से सामान खरीद रहे हैं! तर्क यह दिया जा रहा है कि सवाल कांवरियों की आस्था की शुचिता का है !लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि यह वार्षिक यात्रा, या देशभर में इस तरह की धार्मिक यात्राएं तो न जाने कब से चल रही हैं, आज तक तो किसी की धार्मिक आस्था को चोट नहीं पहुंची, फिर अचानक कांवरियों को लेकर यह विवाद क्यों? प्रशासन की तरफ से कहा यह जा रहा है कि यह सब 18 साल पहले के एक कानून के अनुसार किया जा रहा है. तत्कालीन सरकार ने इस आशय का कानून पारित किया था, जो अब लागू किया जा रहा है, इसलिए इसे लेकर विवाद नहीं होना चाहिए. लेकिन विवाद हो रहा है, सड़क से लेकर संसद तक, और उच्चतम न्यायालय में भी विवाद की गूंज पहुंची है. ऐसा नहीं है कि हमारे देश में धर्म के नाम पर विवाद नहीं छिड़े. इस संदर्भ में बहुत कुछ अप्रिय हुआ है देश में, हिंदू और मुसलमान को लेकर अक्सर सवाल उठाये जाते रहे हैं. कभी पूजा स्थल को लेकर, कभी पूजा-अर्चना की पद्धति को लेकर और कभी कथित धार्मिक पहनावे के नाम पर अलग-अलग उद्देश्यों की पूर्ति के लिए देश में सांप्रदायिकता की आग भड़कायी गयी है. सवाल नाम से पहचान का भी नहीं है, सवाल उस मानसिकता का है जो धर्म के नाम पर समाज को बांटने में विश्वास करती है. उस घटिया राजनीति का है जो धर्म के नाम पर वोट मांगने में किसी प्रकार की लज्जा अनुभव नहीं करती. अभी हाल में बंगाल में भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी ने यह घोषणा करने में तनिक हिचकिचाहट नहीं दिखाई कि हमें (अब) 'सबका साथ, सबका विकास' की कोई आवश्यकता नहीं है. उन्होंने बंगाल की एक सभा में यह कहना ज़रूरी समझा कि जो हमारे साथ हैं हम उनके साथ हैं. उन्होंने यह भी स्पष्ट करना ज़रूरी समझा कि भाजपा को अपना अल्पसंख्यक मोर्चा बंद कर देना चाहिए. यह बात दूसरी है कि इस 'गर्जना' के कुछ ही घंटे बाद उन्हें शायद भाजपा आलाकमान के आदेश पर यह स्पष्टीकरण देना पड़ा कि उनके कहने का गलत अर्थ लगाया गया है.प्रधानमंत्री को तब विरोध करना चाहिए था जब सबका साथ, सबका विकास के उनके नारे को नकारा गया. बंगाल के उस भाजपाई नेता के कथन पर भाजपा का कोई बड़ा नेता कुछ नहीं बोला, यह बात रेखांकित होनी चाहिए. यह भी रेखांकित होना चाहिए कि कांवरियों की आस्था की पवित्रता के नाम पर देश में अनावश्यक विवाद खड़ा किया जा रहा है. न्यायालय ने अपने विवेक से इस बारे में उचित निर्णय लिया. लेकिन एक निर्णय इस देश की जनता को भी लेना है— उन सारी ताकतों को असफल बनाने का निर्णय जो हमारी सामाजिक समरसता को बिगाड़ने पर तुली हैं. हमारी गंगा-जमुनी सभ्यता ने हमें एक ऐसे समाज के रूप में विकसित होने का अवसर दिया है जहां मनुष्य को उसकी धार्मिक आस्था के आधार पर चिह्नित किए जाने का कोई स्थान नहीं है. यही हमारा वह संविधान भी कहता है, जिसकी शपथ हमारे निर्वाचित प्रतिनिधि लेते नहीं थकते. शपथ लेना ही पर्याप्त नहीं है, शपथ के विश्वास को प्रमाणित करना भी ज़रूरी है. यह काम कथनी और करनी की एकरूपता से ही हो सकता है. संविधान को माथे से छुआने से नहीं, उसके अनुरूप आचरण करने से संविधान के प्रति निष्ठा प्रमाणित होती है. धार्मिक त्योहारों को मिल-जुलकर मनाने की हमारी लंबी परंपरा रही है. हम ईद और दिवाली मिलकर मनाने में विश्वास करते हैं. एक-दूसरे की आस्था-परंपरा का सम्मान करना इसी विश्वास का एक हिस्सा है. रहा सवाल सामिष और निरामिष भोजन का तो यह काम खाने-पीने की जगह पर स्पष्ट सूचित करने से हो सकता है. 'हिंदू पानी और मुस्लिम पानी' जैसी कोई व्यवस्था रिश्तों को बिगड़ने का काम ही करेगी. जरूरत देश की जनता के बीच रिश्तों को मज़बूत बनाने की है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> ऐसा नहीं है कि हमारे देश में धर्म के नाम पर विवाद नहीं छिड़े. इस संदर्भ में बहुत कुछ अप्रिय हुआ है देश में, हिंदू और मुसलमान को लेकर अक्सर सवाल उठाये जाते रहे हैं. कभी पूजा स्थल को लेकर, कभी पूजा-अर्चना की पद्धति को लेकर और कभी कथित धार्मिक पहनावे के नाम पर अलग-अलग उद्देश्यों की पूर्ति के लिए देश में सांप्रदायिकता की आग भड़कायी गयी है.

मीडिया में अन्यत्र

शांति के लिए तरस रहा है पश्चिमी एशिया

गोलान की पहाड़ियों में स्थित मजदल शम्स के एक फुटबॉल मैदान पर एक रॉकेट हमले में 12 युवा मारे गए. इस हमले ने पश्चिम एशिया को एक व्यापक युद्ध के कगार पर पहुंचा दिया है. इजराइल और संयुक्त राज्य अमेरिका ने इस हमले के लिए ईरान समर्थित लेबनान के शक्तिशाली शिया मिलिशिया हिजबुल्लाह को दोषी ठहराया है. हिजबुल्लाह, जिसने शुरू में निकट के माउंट हर्मन में एक इजराइली सैन्य चौकी पर रॉकेटों से हमला करने का दावा किया था, ने बाद में इस घटना में किसी भी भूमिका से इनकार किया. लेकिन इजराइल ने हिजबुल्लाह के दावों को स्वीकार नहीं किया है और वह जवाबी हमले की तैयारी कर रहा है. दिनांक 7 अक्टूबर, 2023 से, जिस दिन हमास ने इजराइल में सीमा पार से हमला किया था और जिसमें अनुमानित रूप से 1,200 लोग मारे गए थे, हिजबुल्लाह के साथ इजराइल की उत्तरी सीमा पर धीमी गति से एक युद्ध चल रहा है. जब हमास के हमले के बाद इजराइल ने गाजा युद्ध शुरू किया, तो हिजबुल्लाह ने अपने गढ़ दक्षिणी लेबनान से रॉकेट हमले शुरू कर दिए और इन हमलों में ज्यादातर इजराइल के कब्जे वाले शेबा फार्म्स या उत्तरी इजराइल के ऊपरी गलीली क्षेत्र में इजराइल की सैन्य चौकियों को निशाना बनाया गया. हिजबुल्लाह के हमलों ने लगभग 60,000 इजरायलियों को ऊपरी गलीली इलाके से भागने के लिए मजबूर किया. जवाबी कार्रवाई में, इजरायली बलों ने लेबनान के अंदर हवाई हमले किए. हिजबुल्लाह ने दावा किया कि वह फिलिस्तीनियों के साथ "एकजुटता में" इज़राइल से लड़ रहा है, जबकि इजराइल के नेतृत्व ने कहा कि हिजबुल्लाह के किसी भी हमले को बख्शा नहीं जाएगा. हालांकि, दोनों पक्ष, हाल तक, इस बात को लेकर सतर्क थे कि संघर्ष को पूर्ण युद्ध में तब्दील न होने दिया जाए. लेकिन ऐसा लगता है कि मजदल शम्स के हमले ने युद्ध के उन अलिखित नियमों को तोड़ दिया है.हिजबुल्लाह का यह दावा कि वह उक्त हमले में शामिल नहीं था, को हल्के में नहीं लिया जा सकता. यह संभव है कि इस समूह ने 1967 से इजराइल के अवैध कब्जे वाले गोलान की पहाड़ियों में स्थित आईडीएफ की चौकियों को निशाना बनाया हो और रॉकेट फुटबॉल मैदान पर गिरा हो, लेकिन फिर भी जिम्मेदारी मिलिशिया की है. इजराइल के हाथ भी पाक-साफ नहीं हैं. आईडीएफ, जिसके गाजा अभियान में हजारों फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए हैं, ने लेबनान के नागरिक इलाकों में भी हमले किए हैं. हिजबुल्लाह और इजराइल ने आखिरी बार 2006 में एक पूर्ण युद्ध लड़ा था और इसका अंजाम यहूदी राष्ट्र के लिए अच्छा नहीं रहा था. हिजबुल्लाह 18 साल के कब्जे के बाद इजराइल को दक्षिणी लेबनान से हटने के लिए मजबूर करने का श्रेय भी लेता है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

निसार/निस्सार/निस्तार

फिल्म दुश्मन का यह गाना आपने जरूर सुना होगा-सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के उसूलों से, के खुशबू आ नहीं सकती कभी कागज के फूलों से, मैं इंतजार करूं ये दिल निसार करूं....इस गाने में एक शब्द को छोड़कर कोई ऐसा शब्द नहीं है, जिसका मतलब आपको समझ में नहीं आया होगा. वह शब्द है निसार. संकोचवश यह कहने में दिक्कत हो रही है कि मैं भी लंबे समय तक इसका मतलब समझ नहीं पाया था. तब इतना ही जानता था कि मुस्लिम समाज में लड़कों का नाम निसार रखा जाता है. गांवों से लेकर शहरों तक सैकड़ों की संख्या में निसार भाई मिल जाते हैं. उनमें जन साधारण से लेकर ऊंचे पदों पर राज करने वाले निसार भाई भी हैं. तो मैंने जब कोशिश की तो शब्दकोशों से पता चला कि निसार हिंदी भाषा का भी शब्द है और अरबी का भी. दोनों स्थितियों में निसार संज्ञा पुल्लिंग ही है. हिंदी वाले निसार का मतलब समुदाय या समूह होता है, जबकि अरबी भाषा मूल के निसार का मतलब है बलि, कुर्बानी, सदका, न्योछावर, मुग्ध, मुगलकालीन एक सिक्का जो रुपये के चौथे हिस्से के बराबर होता था. संस्कृत भाषा से हिंदी में आया एक शब्द है निस्सार. यह दो शब्दों के संयोग से बना है-निः+सार. इसमें निः उपसर्ग है. यह उपसर्ग जिस शब्द के साथ जुड़ता है, उसका अर्थ नकारात्मक हो जाता है.निस्सार शब्द का मतलब है, वह जिसका कोई सार न हो. यानी बेकार हो, जो किसी काम का नहीं हो. हिंदी में संस्कृत से आया एक ऐसा ही शब्द है निस्तार. यह संज्ञा पुल्लिंग शब्द है और इसका मतलब है तैर कर पार होने की क्रिया या भाव, बंधन या संकट से बचकर निकलने की क्रिया, छुटकारा, उद्धार, मुक्ति, काम पूरा करके उससे छुट्टी पाना, अभीष्ट की प्राप्ति या सिद्धि, शौच आदि के लिए जाना, उपाय, ऋण आदि से छुटकारा. बंधनों से छुटकारा दिलानेवाले को निस्तारक कहते हैं.

एक बेचारे लेखक का सम्मान

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

जितने लोग भी संसार में चतुर हैं, उन सबको पता है कि आजकल सम्मान का मतलब अस्सी रुपए का शॉल और चालीस रुपए का सम्मान-पत्र होता है. किसी के भी ऊपर एक सौ बीस रुपए खर्च करके आप उसका सम्मान कर सकते हैं. आयोजक बजट के हिसाब से दो, चार या कई बार दस-बीस लोगों को भी सम्मानित कर देते हैं. जिसको सम्मानित किया जाता है वह क्योंकि लेखक होता है, अतः संवेदनशील प्राणी होता है. जब उससे कहा जाता है कि हम आपको सम्मानित करना चाहते हैं, तब उसका ध्यान मात्र एक सौ बीस रुपए के खर्च की तरफ नहीं जाता. वह स्वयं को सम्मानित होते हुए देखना अपने जीवन की एक अमूल्य निधि समझता है. वह इसे अनमोल वस्तु मानता है. उसकी समझ में ही नहीं आता कि आयोजक उसे चार घंटे बिठाकर सिर्फ एक सौ बीस रुपया खर्च करना चाहते हैं. दिहाड़ी का मजदूर भी एक सौ बीस रुपए में चार घंटे बैठने के लिए नहीं मिलेगा. लेकिन लेखक की नजर में क्योंकि सम्मान ग्रहण करना जीवन की अनमोल वस्तु होती है; वह अत्यंत भावुक भाव-मुद्रा में चार घंटे बैठा रहता है. सम्मान प्रदान करने में चार घंटे नहीं लगते, लेकिन आयोजक सम्मानित लेखक को समय से दस मिनट पहले बुलाते हैं. कहते हैं -"आपको मंच पर बैठाना है. आपका सम्मान होना है . अतः आपको समय पर आना ही पड़ेगा." जैसा कि आमतौर पर होता है, आयोजन के ठीक समय पर बैनर लगना शुरू होता है. अगर कुर्सियां आ गई हैं तो उनकी धूल साफ करके बिछाने का कार्य होता है . कई बार कुर्सियां आयोजन के ठीक समय पर टेलीफोन से तकादा करके टेंटवाले से मंगवाई जाती है. अनेक बार माइक की समस्या आती है. कार्यक्रम रुका रहता है. कई बार जब तक सारे सम्मानित व्यक्ति एक साथ इकट्ठा न हो जाएं, तब तक कार्यक्रम रुका रहता है. सबसे ज्यादा कार्यक्रम इस कारण से देर होता है कि समारोह के अध्यक्ष महोदय देर से पधारते हैं. उनका इंतजार करना आयोजकों की विवशता होती है. अनेक बार आयोजन का सारा खर्चा अध्यक्ष जी के भारी भरकम व्यक्तित्व से ही व्यय होता है. कई बार अध्यक्ष जी स्वयं में इतना भारी-भरकम व्यक्तित्व होते हैं कि उनके बगैर आयोजन एक कदम आगे नहीं बढ़ सकता. कारण कुछ भी हो, आयोजन एक घंटे विलम्ब से पहले शुरू नहीं होता. दो घंटे विलंब से शुरू होना भी कोई असामान्य बात नहीं होती. शुरू होने के बाद भी आधे घंटे तक अध्यक्ष और मुख्य अतिथि आदि को माल्यार्पण चलता रहता है. जिस व्यक्ति के कर-कमल से फूलमाला अध्यक्ष जी को पहनाई जाती है, उसके कर-कमल भी धन्य हो जाते हैं. घंटों इंतजार के बाद जब कार्यक्रम समाप्ति की ओर होता है और मुश्किल से जितने लोग मंच पर बैठे होते हैं उससे भी कम लोग सामने श्रोताओं के रूप में उपस्थित रह जाते हैं; तब जाकर लेखन का सम्मान किया जाता है अर्थात उनके गले में अस्सी रुपए का शॉल और चालीस रुपए का सम्मान-पत्र थमा दिया जाता है.

कहानियों से कितनी अलग है प्रेमचंद की लमही

जिस मिट्टी ने दुनिया के महान कथाकार को गढ़ा, वहां की आबोहवा में साहित्य की खुशबू फ़ैल पाती तो आज लमही एक तीर्थ से कम न होता. सरकारी प्रयास सिर्फ सड़क, भवन और स्वागत द्वार बनाने तक सिमित न होकर नई पीढ़ी में साहित्य के प्रति जिज्ञासा और रुचि पैदा करने तक जाते तो लमही अपने वास्तविक अर्थ को हासिल कर पाती. सरकारी प्रयासों के साथ-साथ देश के साहित्य जगत की भी जिम्मेवारी है कि लमही को साहित्य का तीर्थ कैसे बनाया जाए, इस दिशा में मंथन एवं सार्थक प्रयास हो. कम से कम लमही तो एक ऐसा गांव जरूर बन सकता है, जहां हर घर में किताबों की अलमारियां हों, हवाओं में साहित्य का रस घुला हो और जहां की मिट्टी से कलम के नवांकुर फूटते हुए दृष्टिगोचर हों.

लमही से लौटकर सुशील स्वतंत्र की खास रिपोर्ट...

सुशील स्वतंत्र
रामगढ़

आज अगर आप प्रेमचंद के गांव लमही जाते हैं तो गांव में प्रवेश करने से पहले ही प्रेमचंद स्मृति स्वागत द्वार पर आपको उनकी कहानियों के चर्चित पत्रों घीसू, होरी, माधो और धनिया की प्रतिमाएं अपने किरदार वाली मुद्राओं में आपका स्वागत करते हुए मिल जाएंगीं. लमही गांव कितना बदला है, या गांव की हकीकत प्रेमचंद की कहानियों के गांव से कितनी जुदा है, यह सब आपको लमही में घूमने से पता चल जाएगा. गांव में आज भी एक तरफ प्रेमचंद की कहानियों की सामाजिक विषमता की झलक देखने को मिल जाएगी तो दूसरी तरफ आधुनिकता की बयार भी आपको छूते हुए गुजर जायेगी. उत्तर प्रदेश सरकार ने लमही को बनारस जिले का पहला ई-विलेज घोषित किया था. सरकार का दावा था कि लमही में हर परिवार का पूरा विवरण डाटा बैंक में होगा. आय, जाति, निवास प्रमाणपत्र हो या खसरा-खतौनी जैसे अन्य सरकारी दस्तावेज के लिए किसी बुधिया, होरी, धनिया, घीसू, माधो को तहसील और कलेक्ट्रेट का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा. सारी सुविधाएं ग्राम पंचायत भवन से ही उनको मिल जाएंगीं. इसके लिए वहां जाकर सिर्फ अपना नाम बताना होगा और तुरंत सारा विवरण प्रिंट करके और हस्ताक्षर करके तत्काल उपलब्ध करा दिया जाएगा. सरकारी दावों पर यकीन करें तो लगता है कि अब लमही के दिन भी फिरने वाले हैं.

प्रेमचंद स्मारक और पुस्तकालय

गांव में घुमने पर आपको आज आधुनिक घर भी देखने को मिलेंगें और फूस की झोंपड़ी भी, जिसे स्थानीय लोग मड़ई कहते हैं. कुछ खपरैल मकान अब भी यहां दिख जाते हैं. गांव में प्रवेश करते ही रोज सुबह लगने वाली स्थानीय सब्जी मंडी दिखेगी और कुछ दूर चलते ही आएगा मुंशी जी का पोखरा यानी तालाब. इसी पोखरे के पास दिखाई देगा मुंशी प्रेमचंद का पैतृक आवास, जहां से उन्होंने न जाने कितनी कालजयी कृतियों की रचना की. आज इस स्थान पर मुंशी प्रेमचंद स्मारक और पुस्तकालय का परिसर बना है, जिसमें कुछ पुस्तकें रखी गई हैं और प्रेमचंद की एक पाषाण प्रतिमा लगाई गई है. लंबी प्रतीक्षा के बाद गांव में मुंशी प्रेमचंद शोध एवं अध्ययन केंद्र की इमारत भी बनकर तैयार हो गया है. आमतौर पर साल भर यहां सन्नाटे जैसा माहौल रहता है. इस पूरे परिसर की देखभाल और रखरखाव एक समर्पित प्रेमचंद प्रेमी सुरेश चन्द्र दुबे नाम के सज्जन करते हैं. अगर वे न हों, तो प्रेमचंद स्मारक में कोई आने-जाने वाला भी न बचे. प्रेमचंद स्मारक की गतिविधियों को लेकर सुरेश चन्द्र दुबे का साक्षात्कार अनेक चैनलों, अखबारों और वेब पोर्टल्स पर प्रकाशित हो चुका है.

एक दिन का मेला, शेष दिन साहित्यिक सन्नाटा

पूरे लमही में आमतौर पर कायम रहने वाला साहित्यिक सन्नाटा साल में एक दिन उत्सव में बदल जाता है. वह विशेष दिवस होता है 31 जुलाई, मुंशी प्रेमचंद जी की जयंती. इस दिन लमही में मेला लगता है. इस भव्य मेले में देश-दुनिया से साहित्यकार, रंगकर्मी, गायक, कवि, पत्रकार, चित्रकार, बुद्धिजीवी और शोधकर्ताओं की भारी भीड़ जुटती है. इस दिन लमही में महानुष्ठान जैसा माहौल होता है. प्रेमचंद जयंती पर लमही में रंगकर्मियों का भी विशेष मज़मा लगता है. कलाकार और साहित्यकार अपने प्रिय कथाकार को याद करने के लिए नाटक, गोष्ठी और परिचर्चाएं आयोजित करते हैं.

जयंती से चार दिन पहले कट गई थी उनके घर की बिजली

उस एक दिन के बाद फिर लमही को पूरे साल उसी के हाल पर हाल पर छोड़ दिया जाता है. यह एक रवायत की तरह पिछले कई वर्षों से चला आ रहा है. यह कहा जा सकता है कि तमाम घोषणाओं के बावजूद मुंशी प्रेमचंद का घर और गांव आज भी उपेक्षा का शिकार है. मुंशी जी की जयंती पर उनके पात्र होरी, माधो, धनिया, घीसू की गहरी संवेदना से जुड़े कलाकार नाटक के जरिए उन्हें याद कर करते हैं और सरकारी महकमों द्वारा फ़र्ज़ अदायगी के लिए टेंट भी लगा दिया जाता है लेकिन जयंती के बाद लमही के लोगों की सुध लेने कोई नहीं पहुंचता है. एक बार तो प्रेमचंद जयंती के चार दिन पहले ही प्रेमचंद जी के घर की बिजली इसलिए काट दी गई क्योंकि चौदह साल से बिल का भुगतान नहीं हुआ था. जब यह खबर मीडिया में आई तो आनन-फानन में बिजली जुड़वा दी गई. कोई विभाग इसकी जिम्मेदारी नहीं ले रहा था. पहले यह मकान और प्रेमचंद जी का स्मारक नागरी प्रचारिणी सभा के पास था. फिर उसने नगर निगम को दे दिया. नगर निगम ने भी बाद में यह भवन वाराणसी विकास प्राधिकरण को देकर अपना पल्ला झाड़ लिया. अब जब यह विवाद सामने आया है तो इसे जिलाधिकारी ने इस परिसर को संस्कृति विभाग को सौंप दिया. अब इस गांव को गोद लेकर इसे देश के बड़े फलक पर लाने की योजना बनाई जा रही है.

यहां की नई पीढ़ी में नहीं दिखते प्रेमचंद के संस्कार

मड़ई (फूस की झोपड़ी) और पोखर (तालाब) वाली लमही में दो-तीन मंजिला मकानों और दुकानों ने भी अपनी जगह बना ली है. घरों में मार्बल और टाईल्स के फर्श बनने लगे हैं. पांडेपुर से लमही तक की सड़क पर नज़र डालें तो बाज़ारवाद के पसराव (फैलाव) का आभास हो जाता है. गांव में लिट्टी-चोखा और गोलगप्पे के साथ-साथ चाउमीन, मोमोज और एगरोल के फ़ूड स्टाल भी खूब फल-फूल रहे हैं. एक महान साहित्यकार की जमीन से साहित्य की कोई कलकल धारा आज फूट रही हो, ऐसा लमही में घूमने से महसूस नहीं होता है. वहां के निवासियों के बीच साहित्य बातचीत और विमर्श का केन्द्रीय बिंदु नहीं है और न ही नई पीढ़ी में कोई लिखने-पढ़ने वाला साहित्यकार लमही की उर्वरक जमीन से अंकुरित हो पाया है. वहां बच्चों को प्रेमचंद के बारे में बहुत ही सतही जानकारी है और बहुत कम बच्चों ने प्रेमचंद के समृद्ध साहित्य को पढ़ा है. लमही के आस-पास अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय खुल गए हैं. लमही नाम से ही हिंदी की एक साहित्यिक पत्रिका का प्रकाशन होता है लेकिन इसका प्रकाशन, मुद्रण और सम्पादकीय कार्य लमही से नहीं होता है.

साहित्यिक हलचल से बेखबर

लेखन-पठन के क्षेत्र में अब लमही में कोई क्रांतिकारी या आशान्वित करती ही तस्वीर नज़र नहीं आती है. नया लमही बाजारवाद और चमकदार भौतिकतावाद के गहरे प्रभाव से ग्रसित दिखता है. युवाओं में साहित्य को लेकर सामान्यतः अरुचि ही देखने को मिलती है. बहुत ढूंढने पर एक असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रीता गौतम के बारे में पता चला, जो लमही गांव की ही निवासी हैं. वे 'बेड़ियाँ तोड़ती औरतें' शीर्षक से एक पुस्तक का लेखन कर रही हैं, जिसमें साधारण महिलाओं की असाधारण उपलब्धियों की कहानियों को संकलित किया जा रहा है. उन्होंने बातचीत के दौरान कहा - "वर्तमान में लमही में कोई साहित्यिक समूह सक्रिय नहीं है. एक प्रेमचंद जी के आवास से संचालित पुस्तकालय है जो नियमित तौर पर खुलता है, बस, इसके अलावा कहीं कोई विशेष साहित्यिक हलचल गांव में देखने को नहीं मिलती है."

प्रासंगिक प्रेमचंद

प्रेमचंद जयंती (31 जुलाई) पर विशेष

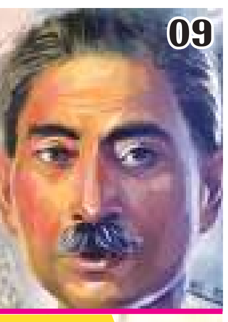

उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की मृत्यु के करीब नौ दशक गुजरने वाले हैं. पर उनकी कालजयी रचनाएं आज भी चर्चा में हैं और प्रासंगिक भी. हिंदी साहित्य पढ़ने की शुरुआत करने वाली नई पीढ़ी आज भी ज्यादातर प्रेमचंद के उपन्यासों को ही अपनी पहली सूची में शामिल करती हैं. वक्त के साथ तमाम बदलाव के बावजूद इस पसंद और प्रासंगिकता का रहस्य कहानी के कथ्य, शैली, भाषा आदि के साथ उसके चरित्रों के चित्रण में भी है जो हमारे मन-मस्तिष्क को झकझोरते हैं, उद्वेलित करते हैं और किताब के पन्नों को बंद कर देने के बाद भी अरसे तक दिल के कोने में अपनी जगह बनाए रखते हैं. आज हमने कुछ साहित्यकारों से प्रेमचंद्र के ऐसे ही चरित्र पर की चर्चा.

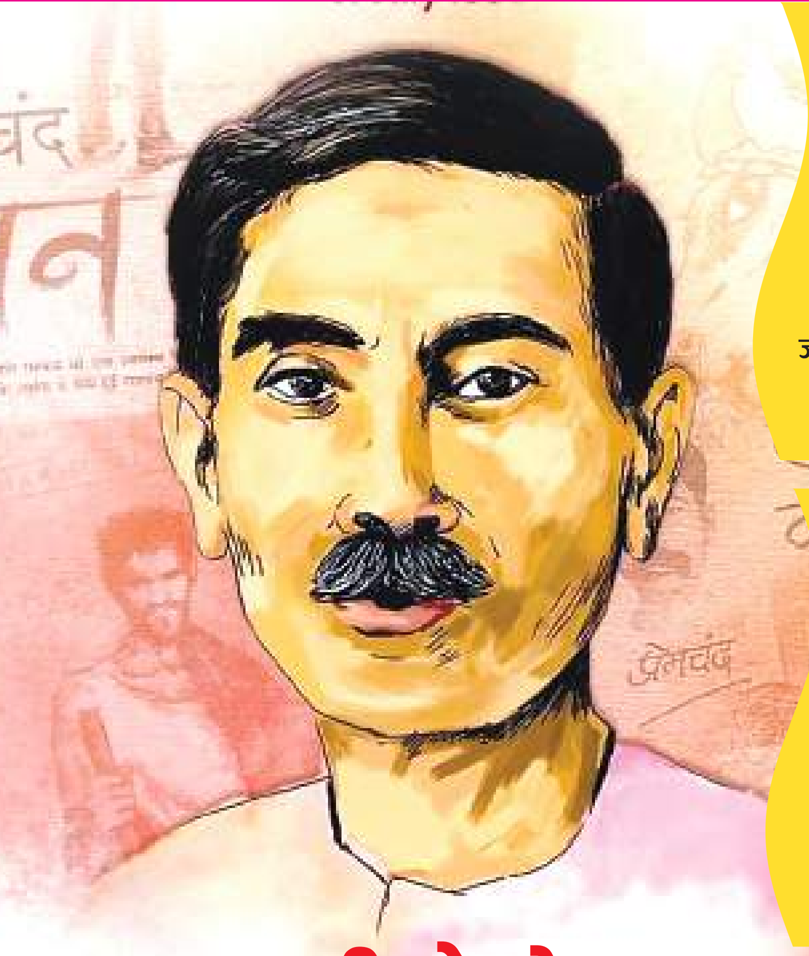

" मेरे अधिकांश पात्र यथार्थ जीवन से लिए गए हैं. जब किसी पात्र का यथार्थ में अस्तित्व नहीं होता, तब वह छाया मात्र, अनिश्चित व अविश्वसनीय हो जाता है. "

\- प्रेमचंद

" मैं अपने उपन्यास को मानव चरित्र का चित्र मात्र समझता हूं. मानव चरित्र पर प्रकाश डालना और उनके रहस्यों को खोलना ही उपन्यास का मूल तत्व है. "

\- प्रेमचंद

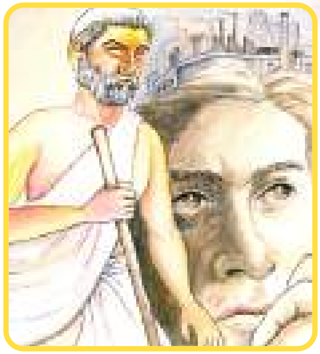

कालजयी हैं प्रेमचंद के सूरदास होरी, हामिद, मंजुला, हीरा, मोती

मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास 'रंगभूमि' का अमर पात्र "सूरदास"

डॉ संगीता नाथ
धनबाद

चरित्र निर्माण के संबंध में प्रेमचंद की कला प्रायः यथार्थवादी रही है. ग्रामीण पात्रों का सजीव उद्घाटन और उनका सृजन प्रेमचंद की कला का विशिष्ट गुण है. विशेषकर उनके ' होरी' और सूरदास आदि पात्र साहित्य जगत के वो यादगार पात्र हैं जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता.

प्रेमचंद कृत 'रंगभूमि ' उपन्यास का पात्र सूरदास एक ऐसा अद्वितीय अविस्मरणीय पात्र है जो औदात्य मानवीय गुणों से परिपूर्ण है. वह एक खिलाड़ी है, जो निर्भीक, अपनी धुन का पक्का, सत्यनिष्ठ, न्यायप्रिय, निःप्रिय, शान्त, सेवात्याग-परोपकार आदि स्वभाविक मानवीय गुणों का स्वामी है. यद्यपि वह दृष्टिहीन है पर उसकी अंतःदृष्टि पूर्ण रूपेण जागृत थी. वह शारीरिक दुर्बलता के बावजूद अनुराग पूर्ण हृदय रखता है. वह सच्चे अर्थों में बैरागी है. सत्य अहिंसा, अस्तेय और अपरिग्रह का साक्षात रूप है. वह अशरण-शरण, दीन दुखियों की सहायता करने वाला शत्रु मित्र सभी को एक दृष्टि से देखने वाला है. वह एक फरिश्ता के समान है. वह भगवान कृष्ण के गीता के निष्काम कर्म और प्रज्ञा का व्यवहारिक रूप है. इसीलिए शत्रु हो या मित्र सभी उसकी साधुता और दार्शनिकता को पसंद करते हैं. उसमें प्रतिशोध या वैमनस्य की भावना बिल्कुल नहीं है. वह खेलने आया था और सच्चे एवं पवित्र मन से खेल कर चला जाता है. सूरदास गरीब था, भौतिक साधनों से दूर था पर गुणों से अमीर था. उसकी मृत्यु भी अलौकिक और यादगार बन जाती है. वास्तव में सूरदास की गरीबी में आत्मिक विजय का गौरव था. सूरदास का चरित्र उन मानवीय गुणों का अथाह सागर है जिसकी गहराई की माप कदाचित संभव नहीं है.

(संदर्भ- हिंदी साहित्य कोश भाग-2, वृहत साहित्यिक निबंध)

समाज के ठेकेदारों के मुंह पर एक करारा जवाब है मंजुला

डॉ. कल्याणी कबीर
जमशेदपुर

प्रेमचंद की रचनाओं में स्त्री पात्र की अगर बात करें तो इन्होंने हमेशा स्त्रियों के अस्तित्व और संघर्ष को समय से आगे जाकर समझा है और लिखा भी है. इनकी स्त्री पात्र अपने समय की संकुचित सोच और परिधि से बाहर जाकर अपनी भूमिका को विस्तार देती दिखाई देती हैं. प्रेमचंद रचित हर कहानी और उपन्यास ने इस सत्य को मजबूती प्रदान की है कि समाज में स्त्रियों का स्वतंत्र अस्तित्व है. गंभीर और ईमानदार दृष्टि से इन्होंने स्त्रियों के जीवन संघर्ष को देखा है.

हम बात अगर उनकी लिखी कहानी ₹रहस्य₹ की स्त्री पात्र मंजुला की करें तो मंजुला एक बिंदु पर तो काफी उलझी हुई, शांत और समझदार महिला है पर इसके साथ ही पूरी कहानी में गाहे बगाहे विद्रोह के स्वर भी उसके व्यवहार में नजर आते हैं.

अपने पति मिस्टर मेहरा के साथ रहते हुए विचारों में बेमेल होने के कारण जीवन से उसका मन विरक्त होता जा रहा था और जिस संबंध में मन न हो वहां उत्साह और उल्लास भी नहीं दिखाई देता. इस दिखावे को ढोने के बजाय वह अपने पति से अलग होकर जीवन यापन का लक्ष्य तलाशने लगती है. अपने अंदर उपज रहे मानसिक विद्रोह को दबाकर मंजुला अपने अंदर की ऊर्जा और उद्देश्य को ढूंढने के क्रम में सेवाश्रम से जुड़ती है जहां महिलाओं की देखभाल की जाती है. वहीं उसकी मुलाकात विमल से होती है. दोनों सेवाश्रम के लिये साथ काम करते हुए एक दूसरे को सम्मान भी देते हैं और एक दूसरे की चिंता भी करते हैं.

पर मंजुला और विमल के संबंध में भी आत्म स्वाभिमान और अन्य विषयों को लेकर उतार-चढ़ाव का सिलसिला चलता रहता है. एक मोड़ ऐसा आता है जब मंजुला सेवाश्रम का भी त्याग कर देती है और फिर एक नई दिशा की ओर निकल पड़ती है. दरअसल मंजुला को किसी पुरुष के साथ की तलाश नहीं रहती बल्कि वह एक शांत और संतुष्ट जीवन जीना चाहती है.

मंजुला का सशक्त व्यक्तित्व निश्चित रूप से परंपरा या पितृसत्ता के हाथों अपने अस्तित्व को मिटाने के लिए तैयार नहीं है. कदाचित इसलिए वह कहीं भी गलत समझौते के लिए तैयार नहीं होती और अपनी दिशा मोड़ कर अपनी राह चल पड़ती है. स्त्रियों के धैर्य, त्याग, सहनशीलता, क्षमा, दया इत्यादि गुणों को स्त्रियों के खिलाफ ही ट्रंप कार्ड बनाकर खेलने वाले समाज के ठेकेदारों के मुंह पर एक करारा जवाब है मंजुला.

मनुष्य की भावनाओं को उद्वेलित करते हैं हीरा और मोती

डॉ कविता विकास
धनबाद

कथा सम्राट प्रेमचंद द्वारा रचित कहानियों और उपन्यासों की एक बृहद श्रृंखला है और हर कहानी के कोई न कोई पात्र दिल के इतने करीब होते हैं कि आदमी चाह कर भी नही भूल सकता है. ' दो बैलों की कथा ' कहानी में हीरा और मोती दो बैल पशु रूप में भी मनुष्य की भावनाओं को उद्वेलित करते हैं और अपने मालिक के प्रति निष्ठा, साहस और अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाने की प्रेरणा देते हैं. ये दोनो मेरे प्रिय पात्र हैं. मुझे इनमें से मोती अपने उग्र और विद्रोही स्वभाव के कारण ज्यादा प्रिय है क्योंकि वह यातनाओं को सहने के बदले प्रतिकार के माध्यम से एक बदलाव लाने की चेष्टा करता है. इसी कहानी में एक पात्र है गया, जो झुरी का साला है. इसके घर उन्हें खाने को रुखा - सुखा मिलता है और कभी - कभी तो खाना भी नही मिलता, तब गया की छोटी लड़की जिसकी मां सौतेली होती है वह रात को चुपके से इन्हें रोटी खिला देती है और एक रात उनकी रस्सी खोल देती है ताकि और अत्याचार उनपर न हो सके. पशु होकर भी इस लड़की के प्रति उन्हें सहानुभूति होती है और वहां से भागने के बाद इस लड़की पर क्या गुजरी होगी, सोचकर वे चिंतित हो जाते हैं. यही तो प्रेमचंद की कहानियों की विशेषता है. मानवीय संवेदनाओं को उकेरना, भावनात्मक जुड़ाव, सहज - सरल आत्मीय वर्णन और कथ्य की आकर्षक शैली प्रेमचंद की कहानियों की विशेषताएं हैं और उनके पात्र अपनी अमिट छाप छोड़ देते हैं.

भोलेपन और परिपक्वता का अद्भुत समन्वय है हामिद के चरित्र में

प्रेमचंद अपने पात्रों का चरित्र चित्रण बड़े मनोवैज्ञानिक ढंग से करते हैं. प्रेमचंद के पात्र सहज ही पाठक से जुड़ जाते हैं. यही कारण है कि गोदान का होरी, नमक का दारोगा का वंशीधर, गबन का रमानाथ, पूस की रात का हल्कू, कफन का घीसू, ईदगाह का हामिद, सेवासदन की सुमन, निर्मला की निर्मला आदि पात्र काल्पनिक नहीं वास्तविक लगते हैं. इनमें हामिद का पात्र मुझे विशेष रूप से पसंद है. प्रेमचंद्र ने हामिद के जरिए बड़ी कुशलता के साथ बाल्यावस्था की निर्मल, सहज भावनाओं को उकेरा है. हामिद के चरित्र में भोलेपन और परिपक्वता का अद्भुत समन्वय है. हामिद पाठकों की चेतना को झकझोड़ता है और पाठक सहज ही उसके साथ भाव यात्रा करने लगते हैं.

हिमकर श्याम
रांची

हिंदी में बाल मनोविज्ञान से संबंधित बहुत कम लिखी गई हैं. 'ईदगाह' प्रेमचंद्र की बाल मनोविज्ञान संबंधित उत्कृष्ट रचना है. हामिद इस कथा का नायक है. अन्य बालकों की तरह भोला और सरल तो है, पर उसकी बुद्धि की परिपक्वता विलक्षण है. ईद के मेले में अपने दोस्तों की तरह खिलौना या मिठाई खरीदने की बजाय, दादी के लिए चिमटा खरीदता है जिससे उसकी दादी अमीना रोटी बना सके और उसका हाथ न जले.

चरित्र-चित्रण की दृष्टि से ईदगाह एक श्रेष्ठ कहानी है. यह हामिद और दादी अमीना के भावनात्मक लगाव एवं सरोकार की कहानी है. इसमें हामिद के मनोभावों और परिस्थितियों का सूक्ष्म चित्रण किया गया है. हामिद की सोच, उसकी भावनाएं उसे विशिष्ट बनाती हैं. एक छोटा सा बालक विषम परिस्थितियों में समय से पहले परिपक्व हो जाता है. हामिद का अपनी दादी के प्रति सम्मान है, फिक्र है. वह ईद की खुशी अपनी दादी के साथ बांटना चाहता है और मेले में वह अपनी इच्छा पर संयम रखने में विजयी होता है. हामिद का कार्य कहानी को विशिष्ट कहानी बनाता है और एक आदर्श रचता है. उसके चरित्र में दया, करुणा, सेवा भाव, संवेदनशीलता और परिपक्वता का समावेश है. हामिद का चरित्र कहीं से भी बनावटी या काल्पनिक नहीं लगता. हर बच्चे में हामिद की तरह ही विवेक होना चाहिए ताकि वे हर एक काम के गुण-दोष को देख सकें.

बाजारवाद के खिलाफ खड़ा है प्रेमचंद का हामिद

प्रेमचंद की कहानी ईदगाह में खूब सजे हुए बाजार हैं. मोहसिन, नूरे, सम्मी, महमूद जैसे बाल चरित्रों को यह बाजार लुभा रहा है, हर बच्चा उत्साहित है. ये बच्चे सारा कुछ खरीद लेना चाहते हैं. तो प्रेमचंद ने अपनी कहानी में जो बाजार रचा, आज के दौर में उस बाजार का रूप बहुत विकराल नजर आ रहा है.

अनुराग अन्वेषी
रांची

खाने-पीने से लेकर टेक्नोलॉजी तक, खेल से लेकर एजुकेशन तक के बाजार बन चुके हैं. और ये सारा कुछ बस एक क्लिक में आपके घर पहुंचने को तैयार है. संभव है प्रेमचंद ने बाजारवाद के इस विकराल रूप को अपने दौर में ही ताड़ लिया हो. इसलिए उन्होंने हामिद जैसे करेक्टर को रचा. हामिद मेरे लिए बहुत महत्त्वपूर्ण चरित्र है. यह बच्चा हर तरह से संवेदनशील है, चीजों की समझ है, उसमें रिश्तों की ऊष्मा है. और सबसे बड़ी बात कि वह बाजार के झांसे से दूर है.

मेरे लिए प्रेमचंद की ईदगाह का हामिद इस बाजारवाद के खिलाफ खड़ा चरित्र है. उसे बाजार की मिठाइयां नहीं लुभातीं, उसे खिलौनों से प्रेम तो है पर वह उसे इस हद तक परेशान नहीं कर पाते कि वह उन्हें खरीदने के लिए उतावला हो जाए. बल्कि वह थीर मन से घर की जरूरतों के बारे में सोचता है और अंततः खरीदता है लोहे का एक चिमटा. इतना ही नहीं वह बहस में अपने साथियों को उनके खिलौने और मिठाइयों की क्षणभंगुरता समझाता है और चिमटे के दीर्घकालिक इस्तेमाल से परास्त करता है. काश कि आज के बच्चे हामिद का और रिफाइंड रूप होते.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. चीन	6	5	2	13
2. जापान	6	2	4	12
3. द. कोरिया	5	3	2	10
4. ऑस्ट्रेलिया	5	4	0	9
23. भारत	0	0	2	2

ब्रीफ खबरें

अमित पंघाल को मिली पहले मैच में हार

पेरिस। भारत के अनुभवी मुक्केबाज अमित पंघाल मंगलवार को यहां पेरिस ओलंपिक मुक्केबाजी स्पर्धा में 51 किग्रा वर्ग के राउंड 16 में अफ्रीकी खेलों के चैंपियन जाम्बिया के पैट्रिक चिन्येम्बा से 1-4 से हारकर बाहर गये. अमित पंघाल पुरुषों के 51 किग्रा राउंड ऑफ 16 बाउट में जाम्बिया के पैट्रिक चिनयेम्बा से 1-4 से हार गए. उनको अपने पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा। अमित पंघाल अच्छी शुरुआत नहीं कर पाए थे. उनको पहले राउंड में ही हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद वह कमबैक नहीं कर पाए.

मोहसिन एसीसी के अध्यक्ष बनने को तैयार

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के निवर्तमान अध्यक्ष मोहसिन नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की 'रोटेशन' नीति के अंतर्गत इस साल के अंत में इसके अगले अध्यक्ष बनने को तैयार हैं. हाल में एसीसी की बैठक में अध्यक्ष पद के मामले पर चर्चा की गई थी जिसमें नकवी अगले प्रमुख बनने की दौड़ में हैं. एक सूत्र ने कहा, 'जब एसीसी इस साल के अंत में बैठक करेगी तो यह पुष्टि करेगी कि नकवी दो साल के कार्यकाल के लिए अगले अध्यक्ष होंगे. ' भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह निवर्तमान एसीसी अध्यक्ष हैं और एक साल का विस्तार मिला था.

पुरुष ओलंपिक ट्रायथलॉन स्थगित

पेरिस। सीन नदी में पानी की गुणवत्ता की चिताओं के कारण मंगलवार को होने वाली पुरुष ओलंपिक ट्रायथलॉन को स्थगित कर दिया गया है. सीन नदी पर इस खेल की तैराकी स्पर्धा का आयोजन किया जाना है. आयोजकों ने कहा कि वे पुरुषों की ट्रायथलॉन को बुधवार को आयोजित करने का प्रयास करेंगे. महिलाओं की प्रतियोगिता भी बुधवार को निर्धारित है, लेकिन इन दोनों का आयोजन पानी की गुणवत्ता पर निर्भर करेगा.मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार, बुधवार और गुरुवार की शाम को तूफान आ सकता है जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है.

ओलंपिक में सात माह की गर्भवती ले रही हिस्सा

पेरिस। मिस्र की तलवारबाज नदा हाफेज ने पेरिस ओलंपिक की तलवारबाजी स्पर्धा में हिस्सा लेने के बाद खुलासा किया कि वह सात महीने गर्भवती हैं.सोमवार को महिलाओं की सेबर स्पर्धा में राउंड 16 में पहुंचने के कुछ घंटो बाद हाफेज ने अपने 'इंस्टाग्राम' पर पोस्ट किया कि 'उनके गर्भ में एक लिटिल ओलंपियन' पल रहा है.कैरो की 26 साल की तलवारबाज ने अमेरिका की एलिजाबेथ टार्टाकोवस्की को हराकर उलटफेर किया लेकिन इसके बाद कोरिया की जियोन हेयंग से हार गईं. हाफेज ने लिखा, 'मेरे बच्चे और मैंने अपनी चुनौतियों का सामना किया, भले ही ये शारीरिक और भावनात्मक हों.

एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली बनी पहली भारतीय

मनु भाकर ने रचा इतिहास

एजेंसी।शेटराउ

- सरबजोत के साथ भारत को दिलाया दूसरा कांस्य
- 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग में दक्षिण कोरिया को हराया

आत्मविश्वास से भरी मनु भाकर ने स्वतंत्रता के बाद एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया जिन्होंने सरबजोत सिंह के साथ पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग में दक्षिण कोरिया को हराकर कांस्य पदक जीता .

भारतीय जोड़ी ने कोरिया के ली वोन्हो और ओ ये जिन को 16 . 10 से हराकर देश को इस ओलंपिक में दूसरा पदक दिलाया . इससे पहले मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य जीता था . तोक्यो ओलंपिक में मनु पिस्टल में खराबी आने के कारण फाइनल के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकी थी लेकिन यहां दो पदक जीतकर उन्होंने हर जख्म पर मरहम लगा दिया . ब्रिटिश मूल के भारतीय खिलाड़ी नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 ओलंपिक में 200 मीटर फर्राटा और 200 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीते थे लेकिन वह उपलब्धि आजादी से पहले की थी . मनु को अभी 25 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भी उतरना है और उनके पास तीसरा पदक जीतने का भी मौका है. सरबजोत 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत वर्ग में क्वालीफिकेशन में 577 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहे थे और फाइनल में जगह नहीं बना सके थे .मनु और सरबजोत ने क्वालीफिकेशन दौर में 580 स्कोर करके कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई थी . मनु ने जीत के बाद कहा ,' मैं बहुत ही गर्व महसूस कर रही हूं . सभी को शुभकामनाओं के लिये धन्यवाद .' उन्होंने कहा ,' हम विरोधी टीम के प्रदर्शन पर नियंत्रण नहीं कर सकते लेकिन अपना प्रदर्शन तो अपने साथ में है . मैने और मेरे जोड़ीदार ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके अंत तक जुझारूपन नहीं छोड़ा .' तोक्यो में मनु और सौरभ चौधरी इस स्पर्धा के फाइनल में क्वालीफाई नहीं कर सके थे और सातवें स्थान पर रहे थे .

अंबाला के निशानेबाज सरबजोत पर व्यक्तिगत वर्ग में नाकाम रहने के बाद अच्छे प्रदर्शन का काफी दबाव था . उन्होंने कहा ,' मुझे अच्छा लग रहा है. मुकाबला काफी कठिन था और काफी दबाव था .' भारत की शुरूआत खराब रही जब सरबजोत का पहला शॉट 8 . 6 रहा लेकिन मनु ने 10 . 2 बनाया . कोरियाई जोड़ी ने कुल 20 . 5 स्कोर करके 2 . 0 की बढत बना ली . मिश्रित टीम वर्ग में पहले 16 अंक तक पहुंचने वाली टीम विजयी रहती है . पहला सेट हारने के बाद मनु ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए सिर्फ तीन बार 10 से कम स्कोर किया . इसके बाद से कोरियाई टीम के लिये वापसी करना मुश्किल हो गया था . मनु अब दो अगस्त को 25 मीटर महिला पिस्टल क्वालीफिकेशन के लिय उतरेंगी . उन्होंने 2023 विश्व चैम्पियनशिप और 2022 हांगझोउ एशियाई खेलों में इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था .बाईस वर्ष की मनु नौ विश्व कप स्वर्ण पदक भी जीत चुकी है. वहीं सरबजोत भी विश्व चैम्पियनशिप, विश्व कप और एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेता है .

टेबल टेनिस: मनिका राउंड 16 में पहुंची, रचा इतिहास

▪ मनिका ने फ्रांस की प्रीथिका को 4-0 से हराया

पेरिस। मनिका बत्रा का पेरिस ओलंपिक में दमदार प्रदर्शन जारी है. भारतीय खिलाड़ी ने फ्रांस की प्रीथिका पावड़े को लगातार चार गेमों में हराकर महिला एकल के राउंड 16 में अपनी जगह पक्की कर ली. बत्रा ने 11-9, 11-6, 11-9, 11-7 से राउंड 32 में पावड़े को हराया. अपनी इस जीत के साथ मनिका ओलंपिक में राउंड 16 के दौर में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं.टूर्नामेंट में 18वीं वरीयता प्राप्त और विश्व में 28वें स्थान पर काबिज 2018 राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन मनिका ने इससे पहले पेरिस ओलंपिक में विश्व की 103वें नंबर की खिलाड़ी ग्रेट ब्रिटेन की अन्ना हर्सी पर 11-8, 12-10, 11-9, 9-11, 11-5 अपनी पहली जीत हासिल की थी.मनिका को पहले गेम में बायें हाथ की खिलाड़ी के खिलाफ सामंजस्य बिठाने में परेशानी हुई और यह काफी करीबी मुकाबला रहा. मनिका ने अखिरी तीन अंक अपने नाम कर इसे 11-9 से जीता. दूसरे गेम की शुरुआत में भी मुकाबला काफी करीबी था, लेकिन 6-6 की बराबरी के बाद मनिका ने प्रीथिका को कोई मौका नहीं दिया और 11-6 से वह जीत गई.

भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम की लय तीसरे गेम में जारी रखते हुए पांच अंक की बढ़त बनाई, लेकिन प्रीथिका ने लगातार चार अंक हासिल कर स्कोर को 9-10 कर दिया. प्रीथिका दबाव में गेंद को नेट पर खेल गई और मनिका ने 11-9 से इस गेम को जीत लिया. मनिका ने चौके गेम में 6-2 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत को 10-4 में बदल कर छह मैच प्वाइंट हासिल किए.

नौकायन खिलाड़ी बलराज फाइनल में पांचवें स्थान पर

एजेंसी।पेरिस

पेरिस ओलंपिक में नौकायन में भारत के एकमात्र प्रतिनिधि बलराज पंवार पुरूषों की एकल स्कल में अपनी हीट रेस में पांचवें स्थान पर रहे और अब 13वें से 24वें स्थान के लिये खेलेंगे . 25 वर्ष के पंवार ने क्वार्टर फाइनल में चौथी हीट में सात मिनट और 5 . 10 सेकंड का समय निकाला . वह सेमीफाइनल सी . डी में खिसक गए जिसके मायने हैं कि ये खिलाड़ी 13वें से 24वें स्थान के लिये उतरेंगे . पंवार रेपेचेज दौर की रेस में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे . वह शनिवार को पहले दौर की हीट रेस में चौथे स्थान पर रहकर रेपेचेज में पहुंचे थे . चार क्वार्टर फाइनल हीट में शीर्ष तीन पर रहने वाले खिलाड़ी सेमीफाइनल ए . बी में पहुंचे जो पदक के लिये मुकाबला करेंगे .

ऑलेक्ज़ेंडर उसिक यूक्रेनी खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए पेरिस पहुंचे

एजेंसी।पेरिस

विश्व हैवीवेट मुक्केबाजी चैंपियन ऑलेक्ज़ेंडर उसिक युद्ध की विभीषिका झेल रहे यूक्रेन के खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए पेरिस आए हैं. उसिक ने सोमवार को पेरिस में यूक्रेनी हाउस का दौरा किया और वहां से उन्होंने तलवारबाजी प्रतियोगिता देखी जिसमें यूक्रेन की ओल्गा खारलान ने महिलाओं की व्यक्तिगत साबर में कांस्य पदक जीता, जो वर्तमान ओलंपिक खेलों में यूक्रेन का पहला पदक है. यूक्रेन की तलवारबाज के पदक जीतने के बाद उसिक ने एसोसिएटेड प्रेस से कहा, 'मेरी व्यक्तिगत इच्छा थी और शायद मैं जानता था कि ओल्गा उन उन खिलाड़ियों में शामिल है जो यूक्रेन के लिए पदक जीत सकती है.' उसिक ने उम्मीद जताई कि इन खेलों के आगे बढ़ने के साथ यूक्रेन के खिलाड़ी अधिक पदक जीतेंगे. उन्होंने इसके साथ ही कहा कि युद्ध की मार झेल रहे यूक्रेन की ओलंपिक में उपस्थिति बेहद महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा, 'हमारा देश युद्ध की मार झेल रहा है लेकिन इसके बावजूद हमारे खिलाड़ी यहां पहुंचे. वे कई मोर्चां पर एक साथ लड़ रहे हैं. हम अपने उन सभी खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं जो यहां हमारे देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं.'

जोकोविच ने मॉन्ट्रियल ओपन से नाम वापस लिया

मॉन्ट्रियल । नोवाक जोकोविच ने पेरिस ओलंपिक में राफेल नडाल पर जीत के बाद अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में खेले जाने वाले मॉन्ट्रियल ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया. जोकोविच ने ओलंपिक पुरुष एकल के दूसरे दौर में सोमवार को यहां नडाल को सीधे सेटों में हराया. जोकोविच की छह अगस्त से शुरू होने वाले नेशनल बैंक ओपन एटीपी मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता में भाग लेने की योजना थी लेकिन आयोजकों ने बताया कि उन्होंने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है. सर्बिया के इस टेनिस खिलाड़ी ने रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं लेकिन वह अभी तक ओलंपिक स्वर्ण पदक नहीं जीत पाए हैं.मॉन्ट्रियल ओपन में उनके स्थान पर रोमन सैफुलिन को मुख्य ड्रॉ में जगह दी गई है.

सात्विक और चिराग की जोड़ी ग्रुप सी में शीर्ष पर

ओलंपिक बैडमिंटन

एजेंसी।पेरिस

एशियाई खेलों की चैंपियन और पदक की दावेदार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने मंगलवार को यहां पेरिस ओलंपिक की बैडमिंटन पुरुष युगल स्पर्धा में मुहम्मद रियान अर्दिआंतो और फजर अल्फियान की इंडोनेशिया की जोड़ी को सीधे गेम में हराकर ग्रुप सी में शीर्ष स्थान हासिल किया.दुनिया की पांचवें नंबर की सात्विक और चिराग की भारतीय जोड़ी ने अर्दियांतो और अल्फियान की दुनिया की सातवें नंबर की जोड़ी को 40 मिनट में 21-13, 21-13 से हराया. ये दोनों जोड़ियां पहले ही अंतिम आठ में जगह बना चुकीं थी और इस मुकाबले से ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम का फैसला हुआ. भारतीय जोड़ी ने ग्रुप में अपने सभी मैच जीते. अर्दियांतो और अल्फियान के खिलाफ छह मैचों में सात्विक और चिराग की यह चौथी जीत है. सात्विक और चिराग की जोड़ी ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल टीम है. खेल की वैश्विक संचालन संस्थान बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने कहा है कि पुरुष युगल के नॉकआउट दौर के लिए ड्रॉ बुधवार को होगा. भारत और इंडोनेशिया की जोड़ी के बीच शुरुआत से ही प्रत्येक अंक के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिली लेकिन सात्विक और चिराग की जोड़ी पूरे मुकाबले के दौरान एक बार भी नहीं पिछड़ी. दोनों जोड़ियों ने तेज खेल दिखाया जिससे शुरुआत में अधिक रैली नहीं दिखीं.

भारत ने आयरलैंड को 2-0 से हराया

एजेंसी।पेरिस

हरमनप्रीत सिंह ने दागे दो गोल

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक खेलों के पूल बी मुकाबले में आयरलैंड को 2-0 से हराया. भारत ने इस तरह पेरिस खेलों में अजेय अभियान जारी रखा है. भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल दागे और टीम को बढ़त दिलाई जो अंत तक बरकरार रही. हरमनप्रीत ने सबसे पहले 11वें मिनट में पेनाल्टी स्ट्रोक पर गोल किया. फिर दूसरे क्वार्टर में 19वें मिनट में मैदानी गोल दागकर टीम की बढ़त दोगुनी कर दी. भारत ने इससे पहले न्यूजीलैंड को हराया था, जबकि रियो ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला था.

भारत ने तीसरा क्वार्टर समाप्त होने के बाद आयरलैंड पर 2-0 की बढ़त बनाए रखी है. अब अंतिम 15 मिनट का खेल शेष है. भारत की नजरें जहां इस बढ़त को बनाए रखने की होगी, जबकि आयरलैंड की टीम वापसी करना चाहेगी.भारतीय टीम ने दूसरा क्वार्टर समाप्त होने के बाद आयरलैंड पर 2-0 की बढ़त बनाए हुई है. भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दोनों गोल किए. स्ट्रोक को गोल में बदला, जबकि दूसरे क्वार्टर में मैदानी गोल के जरिए भारत की बढ़त दोगुना कर दी. कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए मैदानी गोल के जरिए गोल दागा. भारत ने इस तरह दूसरे क्वार्टर में हरमनप्रीत ने 19वें मिनट में गोल कर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया है. पहला क्वार्टर खत्म होने के बाद भारतीय हॉकी टीम ने आयरलैंड के खिलाफ बढ़त बना ली है. कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पहले क्वार्टर में पेनाल्टी स्ट्रोक पर गोल दाग टीम को हरमनप्रीत सिंह ने पहले ही क्वार्टर में गोल कर भारत को आयरलैंड के खिलाफ शुरुआत बढ़त दिला दी है. हरमनप्रीत ने पेनाल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलने में कोई भूल नहीं की. कप्तान के इस प्रयास से भारतीय टीम ने 1-0 की बढ़त बना ली है.

ओलंपिक तीरंदाजी

भजन अंतिम 32 में पहुंची

पेरिस । भारतीय तीरंदाज भजन कौर ने ओलंपिक के महिला एकल वर्ग में मंगलवार को यहां इंडोनेशिया की साइफा नूरफीफा कमाल को 7-3 से शिकस्त दी जबकि अंकिता भकत को पोलैंड की वियोलेटा मैसजोर से 4-6 हार का सामना करना पड़ा. भजन ने शुरुआती सेट में साइफा के साथ अंक साझा किये जबकि इंडोनेशिया की तीरंदाज ने दूसरे सेट को जीतकर भारतीय खिलाड़ी पर दबाव बना दिया. क्वालीफिकेशन में 22वें स्थान पर रहने वाली भजन ने इसके बाद दबाव में शानदार खेल दिखाया.उन्होंने तीसरे सेट में अच्छी वापसी करते हुए 10-10 के दो निशाने के साथ 29 का स्कोर किया.भजन ने चौथे सेट में साइफा के 25 के मुकाबले 27 अंक जुटाकर 5-3 की बढ़त बनायी और फिर आखिरी सेट में 25 के मुकाबले 28 अंक बनाकर जीत पक्की कर ली.इससे पहले अंकिता पोलैंड की खिलाड़ी के खिलाफ बढ़त लेने बाद लय गंवा बैठी. पहला सेट गंवाने के बाद अंकिता ने दूसरे और तीसरे सेट को जीत कर अच्छी वापसी की थी लेकिन पोलैंड की निशानेबाज ने आखिरी दो सेट में शानदार एकाग्रता दिखाते हुए जीत दर्ज की.

सफलता

रोलां गैरां में दर्शक का राफा राफा का शोर, चेयर अंपायर ने शांत कराया

पेरिस ओलंपिक में दिख रही है दर्शकों की भारी उपस्थिति

एजेंसी।पेरिस

रफेल नडाल ने सोमवार को जैसे ही नोवाक जोकोविच के खिलाफ मैच खेलने के लिए रोलां गैरां में प्रवेश किया दर्शक राफा राफा चिल्लाने लगे. शोर इतना ज्यादा था कि चेयर अंपायर को दर्शकों को खेल के दौरान शांत रहने के लिए कहना पड़ा. पेरिस ओलंपिक और पिछले दो ओलंपिक खेलों में जो सबसे बड़ा अंतर है वह है दर्शकों की उपस्थिति और उनका शोर. जूडो से लेकर तरणताल तक और जिमनास्टिक से लेकर सर्फिंग तक हर जगह है दर्शक अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं. उनके शोर ने मानो ओलंपिक खेलों में नई जान भर दी है.कोविड-19 महामारी के कारण तोक्यो ओलंपिक खेलों को एक वर्ष के लिए स्थगित कर दिया गया था और 2021 में उनका आयोजन दर्शकों के बिना किया गया. इसके बाद बीजिंग में 2022 में खेले गए शीतकालीन ओलंपिक खेलों में भी यही स्थिति थी. इस तरह से पेरिस ओलंपिक महामारी के बाद पहले ऐसे ओलंपिक खेल हैं जिनमें दर्शकों को आने की अनुमति मिली है. अपनी 14 वर्षीय बेटी एली को तैराकी करते हुए देखने के लिए ऑस्ट्रेलिया से 23 घंटे की उड़ान और दक्षिण कोरिया में एक रात बिताने के बाद यहां पहुंचे जोडी लिन्स्ने ने कहा,''यह हमारे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण यात्रा है.' पिछले ओलंपिक खेलों में खिलाड़ियों के परिजनों को आने की अनुमति नहीं थी. इन खेलों में खिलाड़ियों को भी दर्शकों की भारी कमी महसूस हुई थी.

खास बातें

- रफेल नडाल के प्रवेश करते ही दर्शकों के शोर से गूंजा
- जूडो से लेकर जिमनास्टिक व तैराकी तक दर्शकों की भीड़

ब्रिटेन की किम्बरली वुड्स ने पेरिस में महिलाओं की कयाक एकल स्लैम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के बाद कहा,''मैं ऐसी खिलाड़ी हूं जिसे दर्शकों के शोर के बीच अच्छा प्रदर्शन करने की आदत है. तोक्यो में इसकी बड़ी कमी खली और तब मुझे संघर्ष करना पड़ा था. यहां दर्शकों ने वास्तव में मुझे प्रेरित किया.

'जोकोविच और नडाल के बीच सोमवार को खेले गए मैच को देखने के लिए दर्शक काफी पहले से कतार लगाए हुए खड़े थे. भीड़ इतनी बढ़ गई थी कि मीडिया के लिए आरक्षित जगह में भी दर्शक घुस गए थे. नडाल इस मैच में हार गए थे लेकिन उन्होंने बाद में कहा कि दर्शकों ने उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया यहां फ्रेंच ओपन में रिकॉर्ड 14 बार के चैंपियन नडाल ने कहा,''जब भी मैं यहां खेलता हूं तो मुझे लगता है मैं घर में खेल रहा हूं. यह स्थान मेरे लिए बेहद खास है. मैं दर्शकों के समर्थन का पूरा आनंद लेता हूं.

पेरिस ओलंपिक पर बारिश के बाद अब लू का खतरा

एजेंसी।पेरिस

पेरिस ओलंपिक की शुरुआत उद्घाटन समारोह में बारिश के साथ हुई थी जिसने दर्शकों के साथ खिलाड़ियों को भी तर कर दिया था, लेकिन अब यहां लू का खतरा मंडराने लगा है. मंगलवार को यहां तेज गर्मी महसूस की गई और राष्ट्रीय मौसम एजेंसी ने कहा कि फ्रांस के अधिकांश हिस्से में लू की चेतावनी जारी की गई है तथा पेरिस और आसपास के इलाकों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक तक पहुंचने की संभावना है.फ्रांस के दक्षिणी हिस्से में गर्मी अधिक कहर बरपा सकती है. इसमें भूमध्य सागर का तटीय शहर मार्सिले भी शामिल है, जो फुटबॉल और नौकायन जैसी ओलंपिक प्रतियोगिताओं की मेजबानी कर रहा है. सोमवार को दक्षिणी फ्रांस के कुछ हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक था. मंगलवार को इसमें और बढ़ोतरी होने की संभावना है .बारिश के कारण खेलों की खराब शुरुआत के बाद आयोजक अब खिलाड़ियों और दर्शकों को गर्मी से बचने के लिए आगाह कर रहे हैं. मौसम विभाग में इसके साथ ही अगले दो दिनों में यहां शाम को तूफान आने की भविष्यवाणी भी की है.

ब्रीफ खबरें

बच्चों के बीच विवाद में बुजुर्ग को मारी गोली

नालंदा । नालंदा में 10 दिन पूर्व बच्चों के बीच हुए विवाद में बदमाशों ने मंगलवार की सुबह घर के बुजुर्ग को गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया. मामला चंडी थानाक्षेत्र के घोराहरी गांव का है. घायल की पहचान रमेश पासवान के रूप में हुई है. घायल रमेश ने बताया कि गांव के ही पासवान के बच्चों से उनके बच्चों का विवाद हुआ था. जख्मी हालत में उन्हें इलाज के लिए चण्डी रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां से बेहतर इलाज के लिए उन्हें बिहार शरीफ सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया.

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

वैशाली । वैशाली में हाजीपुर रेलवे स्टेशन के पास पैजेंसर ट्रेन से गिरकर एक रेल यात्री ट्रेन की चपेट में आ जाने के कट गया. जहां उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई. हालांकि घटना की सूचना मिलते ही हाजीपुर रेल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी. क्षत विक्षत शव के पास पड़ा मोबाइल भी पूरी तरह से टूट चुका था. टूटे मोबाइल से निकले सिम कार्ड को रेल पुलिस ने दूसरे फोन में लगाकर घटना की सूचना उसके परिजनों को दी. जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान सिवैसी गांव निवासी आफताब आलम के 20 वर्षीय पुत्र के तौर पर हुई है.

डकैतों ने व्यवसायी के घर में की लूटपाट

पूर्वी चंपारण । जिले के सुगौली थाना क्षेत्र में सोमवार की रात डकैतों ने एक कपड़ा व्यवसायी के घर में जमकर उत्पात मचाया. करीब 10 की संख्या में आये डकैतों ने घर में घुसकर लूटपाट की. साथ ही तीन लोगों पर चाकू से वार कर घायल कर दिया. हालांकि, एक डकैत को घर वालों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है. घटना सुगौली के सरगम सिनेमा रोड में रेडीमेड कपड़ा व्यवसायी ओमप्रकाश बरनवाल के घर पर हुई है. पीड़ित व्यवसायी के परिजनों ने बताया कि रात में दो बजे के करीब 10 की संख्या में डकैत बांस के सहारे घर में घुसे.

आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने मंगलवार को पटना में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया.

बिहार में भी अब हिंदी में होगी एमबीबीएस की पढ़ाई

संवाददाता ।पटना

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में हिन्दी में बैचलर ऑफ मेडिसीन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस) की पढ़ाई होती है. इसी तर्ज पर अब बिहार सरकार ने भी राज्य में हिन्दी माध्यम से एमबीबीएस की पढ़ाई कराने का फैसला लिया है. सरकार के इस फैसले से उन छात्रों को ज्यादा फायदा होगा, जिनकी मातृभाषा हिन्दी है. भागलपुर के जेएलएनएमसीएच समेत राज्य के मेडिकल कॉलेजों में इसकी तैयारी चल रही है.

पटना स्थित आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय से मेडिकल कॉलेज को पाठ्यक्रम और किताबें भेजी जाएंगी और छात्रों को हिंदी माध्यम से पढ़ाने के लिए शिक्षकों का भी चयन किया जाएगा. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में कराने का फैसला लिया है. इसके लिए सिलेबस और किताबें आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी द्वारा तैयार किया जाएगा.

एमबीबीएस की पढ़ाई में इस बड़े बदलाव से उन छात्रों को पढ़ाई में सुविधा होगी, जिन्होंने हिन्दी माध्यम से स्कूली शिक्षा हासिल की है. क्योंकि, ऐसे छात्रों को अंग्रेजी में पढ़ाई करने में भारी परेशानी झेलनी पड़ती है. एमबीबीएस की पढ़ाई हिन्दी माध्यम से होने पर वो मेडिकल की पढ़ाई अच्छी तरह कर पाएंगे और ज्यादा अच्छे तरीके से किताबों को भी समझ पाएंगे. हिंदी में एमबीबीएस की किताबें खरीदने के लिए अधिकारिक रूप से निविदा भी जारी कर दिया गया है.

बेगूसराय का मामला : परिजनों में छाया मातम

गंगा स्नान के वक्त डूबे चार छात्र एक छात्र की डूबने से हुई मौत

- घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के शालीग्राम छपरापट्टी मुंगेर गंगा घाट की है.
- मृतक छात्र की पहचान मदन मोहन कुमार शर्मा के रूप में हुई है
- चार दोस्तों के साथ मुंगेर गंगा घाट पर गंगा स्नान करने के लिए गया था

संवाददाता ।बेगूसराय

बेगूसराय में गंगा स्नान करने के दौरान चार छात्र डूब गए, जिनमें से तीन छात्रों को स्थानीय गोताखोर द्वारा किसी तरह बाहर निकाल कर जान बचा ली गई. जबकि एक छात्र को नहीं बचाया जा सका. मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया. घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के शालीग्राम छपरापट्टी मुंगेर गंगा घाट की है. मृतक छात्र की पहचान बलिया थाना क्षेत्र के छोटी बलिया ऊपर टोला निवासी उपेंद्र शर्मा के बेटे मदन मोहन कुमार शर्मा (18) के रूप में की गई है. जानकारी के मुताबिक, मदन मोहन कुमार शर्मा अपने चार दोस्तों के साथ मुंगेर गंगा घाट पर गंगा स्नान करने के लिए गया था. स्नान करने के दौरान गंगा नदी में चारों दोस्त डूबने लगे. इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने चारों दोस्तों को डूबते देखा. आनन-फानन में गोताखोर ने पानी में कूद कर तीन छात्रों को किसी तरह गंगा नदी के पानी से निकलकर जान बचा ली. लेकिन एक छात्र मदन मोहन कुमार शर्मा को नहीं बचा सके, जिससे उसकी डूबने से मौत हो गई. हालांकि इस घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने साहेबपुर कमाल थाना पुलिस को दी.

सूचना पर मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया. फिर आगे की कार्रवाई में जुट गई. जानकारी के अनुसार, मृतक मदन मोहन कुमार शर्मा दसवीं का छात्र था. इस संबंध में साहेबपुर कमाल थाना अध्यक्ष ने बताया कि गंगा स्नान करने के दौरान एक छात्र की डूब कर मौत हो गई है.

छात्र को खोजते एनडीआरएफ की टीम

मां ने तालाब में लगाई छलांग, बचाने के लिए कूदे दो बेटे, तीनों की मौत

बांका । बांका थाना क्षेत्र के जनकपुर गांव के तालाब से मंगलवार को दो नाबालिग के साथ एक महिला का शव बरामद किया गया है. तालाब से तीन के शव मिलने की सूचना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है. मृतकों की पहचान जनकपुर निवासी संजय यादव की पत्नी मीना देवी (29 वर्ष) समेत उनके दो पुत्र अजीत कुमार (14 वर्ष) और बिट्टू कुमार (11 वर्ष) के रूप में हुई है. वहीं, पुलिस के अनुसार बच्चों ने मां को उसके प्रेमी के संग देख लिया था, जिसके बाद यह घटना हुई है. वहीं, इस मामले की उसके पति सहित अन्य परिवार वालों को कोई जानकारी नहीं है. बताया जा रहा है कि संजय यादव कोलकाता में रहकर कुछ काम करता है.

मुंबई से चोरी 10 लाख की घड़ियां बरामद

लुटेरों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही पुलिस

- मुंबई पुलिस ने शटर कटवा गिरोह के सक्रिय सदस्य मोबिन देवान को मुंबई में ही छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया था

संवाददाता ।मोतिहारी

मुंबई में शटर तोड़कर हुई 25 लाख की घड़ी चोरी मामले में मुंबई पुलिस ने मोतिहारी पुलिस की मदद से मोतिहारी के घोड़ासहन में छापामारी कर करीब 10 लाख की घड़ी बरामद की हैं. स्थानीय पुलिस के सहयोग से घोड़ासहन के हसन नगर में स्थित मोबिन देवान के घर में छापामारी कर उक्त चोरी की घड़ियां बरामद की गई हैं. उसके बाद मुंबई पुलिस बरामद हुई घड़ियों को अपने साथ ले गई. जानकारी के अनुसार, बीती 19 जुलाई की सुबह शटर कटवा गिरोह के बदमाशों ने एक घड़ी शोरूम का शटर तोड़ कर 25 लाख की महंगी घड़ियां चुरा ली थीं. उसके बाद मुंबई पुलिस ने शटर कटवा गिरोह के सक्रिय सदस्य मोबिन देवान को मुंबई में ही छापामारी कर गिरफ्तार कर लिया था. अब उसकी निशानदेही पर उसके घर में ही छापामारी कर उक्त घड़ियां बरामद की गई हैं. मुंबई पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी कर रही है.

गौरतलब है कि मोतिहारी के घोड़ासहन का शटर कटवा गिरोह पूरे देश में कुख्यात है. लगभग देश के कोने-कोने की पुलिस लगातार घोड़ासहन में किसी न किसी मामले को लेकर छापामारी करती रहती है. बता दें कि पिछले दो दिन पहले ही महाराष्ट्र पुलिस 53 लाख के आईफोन चोरी मामले में घोड़ासहन से एक शटर कटवा गिरोह के सक्रिय सदस्य को मोतिहारी पुलिस की मदद से गिरफ्तार कर अपने साथ मुंबई ले गई थी.

काजल हत्याकांड

अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा

भागलपुर । जिले के बबरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत मोगलपुरा में तीन साल पूर्व हुई बहुचर्चित गर्भवती काजल हत्याकांड मामले में न्यायालय ने मोगलपुरा की लेडी डॉन जेवा खान और उसके देवर इंतसार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. बीते 25 जुलाई को एडीजे-5 सुदेश कुमार श्रीवास्तव की अदालत में दोनों को दोषी करार दिया था.

शिक्षक अभ्यर्थियों को अब तीन की जगह पांच मौके मिलेंगे

पटना । बिहार लोक सेवा आयोग की ओर से ली जाने वाली चौथे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा में बैठने के अवसर तीन की जगह अब पांच होंगे. दरअसल बीते 15 मार्च को शिक्षा विभाग की ओर से बिहार राज्य विद्यालय अध्यापक नियमावली 2023 में संशोधन कर अवसरों की संख्या पांच कर दी गई थी, लेकिन तीसरी बार ही शिक्षक नियुक्ति परीक्षा लेने के कारण किसी अभ्यर्थी को बढ़े हुए अवसर की जरूरत नहीं थी. ऐसे में अब चौथे चरण में होने वाली बहाली में यह नियम लागू होगा. वहीं सरकार ने 1.60 लाख शिक्षकों की नियुक्ति करने का निर्णय लिया है. जानकारी के अनुसार वर्तमान में करीब तीन लाख अभ्यर्थी ऐसे हैं जिन्होंने टीआरई-1, टीआरई-2 और टीआरई-3 में अपने तीनों अवसर का इस्तेमाल कर लिया है.

कारोबार

बंधन बैंक के शेयर में 13% से अधिक की तेजी

नयी दिल्ली। निजी क्षेत्र के बंधन बैंक के शेयर में 13 प्रतिशत से अधिक तेजी आई. कंपनी के अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध लाभ में 47 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने की जानकारी देने के बाद उसके शेयर में तेजी आई. बीएसई पर शेयर 11.97% बढ़ कर 215.50 रुपये पर पहुंच गया. एनएसई पर यह 13.35 प्रतिशत चढ़कर 218.20 रुपये पर रहा. बंधन बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी का अप्रैल-जून तिमाही का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 47% बढ़कर 1,063 करोड़ रुपये हो गया.

एनबीसीसी को 411.45 करोड़ का मिला ठेका

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीसीसी की शाखा को महाराष्ट्र में एक नए मेडिकल कॉलेज और 430 बिस्तरों वाले अस्पताल के निर्माण के लिए 411.45 करोड़ रुपये का ठेका मिला है. एनबीसीसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एचएससीसी (इंडिया) लिमिटेड को हाल ही में बुलढाणा में 100 छात्र क्षमता वाले नए सरकारी मेडिकल कॉलेज और 430 बिस्तरों वाले अस्पताल के निर्माण का ठेका दिया गया है. यह ठेका उसे महाराष्ट्र सरकार के चिकित्सा शिक्षा और आयुष ने दिया है.

एलएंडटी की शाखा ने किया समझौता

नयी दिल्ली । इंजीनियरिंग एवं निर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई ने मुंबई में एक रियल एस्टेट परियोजना के विकास के लिए वैलोर एस्टेट लिमिटेड के साथ समझौता किया है. एलएंडटी परेल प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड रियल एस्टेट विकास व्यवसाय में है. एलएंडटी ने बीएसई को दी सूचना में कहा, एलएंडटी परेल प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड ने मुंबई में रियल एस्टेट परियोजना विकसित करने के लिए वैलोर एस्टेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं. लार्सन एंड टुब्रो 27 अरब अमेरिकी डॉलर की भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी है.

देश में सोने का कुल आयात आठ फीसदी बढ़कर 196.9 टन रहा

भारत में सोने की मांग अप्रैल-जून तिमाही में 5% घटी : डब्ल्यूजीसी

- दूसरी तिमाही के दौरान 17 फीसदी बढ़कर 93,850 करोड़ रुपये हो गई

एजेंसी ।नई दिल्ली

भारत में सोने की मांग में गिरावट आई है. सोने की मांग में यह गिरावट कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि के कारण दर्ज हुई है. अप्रैल-जून तिमाही में सोने की मांग पांच फीसदी घटकर 149.7 टन रह गई है. हालांकि, इस दौरान देश में सोने का कुल आयात आठ फीसदी बढ़कर 196.9 टन रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 182.3 टन था. विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की ओर से मंगलवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल-जून 2024 तिमाही में सोने की मांग घटकर 149.7 टन रह गई, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 158.1 टन थी. हालांकि, मूल्य के संदर्भ में सोने की मांग दूसरी तिमाही के दौरान 17 फीसदी बढ़कर 93,850 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 82,530 करोड़ रुपये रही थी.

रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल-जून तिमाही में सोने की कीमतें आसमान छू गईं, जिससे 24 कैरेट सोने के दाम रिकॉर्ड प्रति 10 ग्राम 74,000 रुपये को पार कर गई. अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में अप्रैल-जून तिमाही में सोने की औसत कीमत 2,338.2 अमेरिकी डॉलर रही, जबकि 2023 की इसी अवधि में यह 1,975.9 अमेरिकी डॉलर थी. वहीं, रुपये के संदर्भ में दूसरी तिमाही में सोने की औसत कीमत 62,700.5 रुपये रही, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 52,191.6 रुपये (आयात शुल्क और जीएसटी को छोड़कर) रही थी. दूसरी तिमाही 2024 सोना मांग रुझान' रिपोर्ट के मुताबिक सोने की वैश्विक मांग में वृद्धि दर्ज हुई है. अप्रैल-जून तिमाही में मांग 4.16 फीसदी बढ़कर 1,258.2 टन हो गई. रिपोर्ट के अनुसार 2023 की दूसरी तिमाही में सोना की कुल वैश्विक मांग 1,207.9 टन थी, जो 2024 में बढ़कर 1,258.2 टन हो गई.

डब्ल्यूजीसी के सीईओ सचिन जैन ने जारी बयान में कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में भारत की सोने की मांग में एक साल पहले की तुलना में 5 फीसदी की गिरावट आई है लेकिन आयात करों में कटौती के बाद स्थानीय कीमत में सुधार के कारण 2024 की दूसरी छमाही में खपत में सुधार होने की उम्मीद है.

अब टाटा मोटर्स है देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी, मारुति सुजुकी को दी पटखनी

एजेंसी।नयी दिल्ली

टाटा मोटर्स ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए देश की दिग्गज कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी को पछाड़ दिया है. टाटा मोटर्स का मार्केट कैप 48 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है. उधर, मारुति सुजुकी का मार्केट कैप फिलहाल 47.6 अरब डॉलर ही है. इसके साथ ही टाटा मोटर्स मार्केट कैप के हिसाब से देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी बन गई है. इसके साथ ही टाटा ग्रुप की कार निर्माता कंपनी अब दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों की लिस्ट में 388वें नंबर पर आ गई है.

टेस्ला इंक: एलन मस्क के नेतृत्व वाली अमेरिकन कंपनी टेस्ला 704 अरब डॉलर का मार्केट कैप हासिल कर चुकी है. इस इलेक्ट्रिक वेहिकल निर्माता कंपनी का मार्केट कैप दूसरे नंबर पर मौजूद कंपनी से दोगुने से भी ज्यादा है.

टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन : जापान की टोयोटा का मार्केट कैप 299 अरब डॉलर आंका जाता है. इस साल कंपनी के शेयर लगभग 13 फीसदी ऊपर जा चुके हैं. कंपनी की कारें सारी दुनिया में पसंद की जाती हैं.

400 अरब डॉलर वाला पहला कारोबारी ग्रुप बना टाटा

इससे पहले शुक्रवार को टाटा ग्रुप ने अंबानी और अडानी को पीछे छोड़ते हुए 400 अरब डॉलर के पहले भारतीय कारोबारी ग्रुप बनने का गौरव हासिल किया था. मुकेश अंबानी का रिलायंस ग्रुप 277 अरब डॉलर के मार्केट कैप के साथ दूसरे स्थान पर और गौतम अडाणी के नेतृत्व वाला अडाणी ग्रुप 206 अरब डॉलर के मार्केट कैप के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद है. हालांकि, अगर हम दुनिया की 10 सबसे बड़ी कार कंपनियों पर नजर डालें तो उनमें भारत की कोई भी कंपनी शामिल नहीं है. सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, टाटा मोटर्स का इस लिस्ट में 12वां स्थान है.

कोलगेट-पामोलिव को 248.74 करोड़ का टैक्स नोटिस

एजेंसी।नयी दिल्ली

आय कर विभाग ने कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड को ट्रांसफर प्राइसिंग से जुड़े मामले में 248.74 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड नोटिस मिला है. एफएमसीजी कंपनी कोलगेट-पामोलिव इंडिया लिमिटेड (सीपीआईएल) के प्रमुख ने कहा कि अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष आदेश को चुनौती देंगे. यह कंपनी दांतों की देखभाल के क्षेत्र में काम करती है. वित्त वर्ष 2023-24 में सीपीआईएल की शुद्ध बिक्री 5,644 करोड़ रुपये थी. कंपनी की ओर से एक नियामक फाइलिंग के अनुसार, नोटिस 26 जुलाई को मिला. ट्रांसफर प्राइसिंग से संबंधित मुद्दों के लिए आयकर की मांग 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए है. सीपीआईएल ने कहा कि मांग राशि में 79.63 करोड़ रुपये की ब्याज राशि शामिल है. सीपीआईएल ने कहा कि इस आदेश के कारण कंपनी के वित्तीय संचालन या अन्य गतिविधियों पर प्रभाव नहीं पड़ेगा. यह मांग मुख्य रूप से स्थानांतरण मूल्य-संबंधी मुद्दों के कारण की गई है.

फर्जी दावे करना दंडनीय अपराध : आयकर विभाग ने कहा कि आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले खर्चों के लिए फर्जी दावे न करें और न ही आय को कम बताएं या कटौतियों को बढ़ा-चढ़ाकर न बताएं क्योंकि ऐसा करना दंडनीय अपराध है.

पेट्रोल-डीजल स्थिर, कच्चा तेल 82 डॉलर के करीब

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है. ब्रेंट क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब है. सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है. इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये है.

आरबीआई रिपोर्ट — दुनियाभर में पिछले साल डेटा चोरी की औसतन लागत 4.45 मिलियन डॉलर रही

साल 2023 में डेटा चोरी के मामलों में बढ़ोतरी हुई

एजेंसी।नयी दिल्ली

एक तरफ सरकार साइबर सुरक्षा बढ़ाने में लगी है तो दूसरी ओर ठग हर हथकंडे अपनाकर ठगी को अंजाम देने में लगे हैं. कहीं पैसे तो कहीं डेटा ही चोरी कर रहे हैं. इस वजह से देश में डेटा चोरी के मामले बढ़ गए हैं. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की हालिया रिपोर्ट में यह बात सामने आयी है. आरबीआई के मुताबिक साल 2023 में डेटा चोरी के मामलों में काफी बढ़ोतरी हुई है. रिपोर्ट में बताया गया है देश में फिशिंग के मामले काफी आम हैं. देश में पिछले साल करीब 22 फीसदी फिशिंग के मामले सामने आए हैं. वहीं इसके बाद चोरी या समझौते वाले मामले सामने आए हैं. यह करीब 16 फीसदी हैं. इस रिपोर्ट का नाम ''साल 2023-24 के लिए करेंसी और फाइनेंस'' है.

इस रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल डेटा चोरी की औसतन लागत साल 2020 के मुकाबले साल 2023 में 28% बढ़ गई है. यह लागत साल 2023 में औसतन 2.18 मिलियन डॉलर (करीब 18.25 करोड़ रुपये) थी. हालांकि रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि लागत में क्या शामिल है या इसे कौन वहन करता है. रिपोर्ट में कहा गया है कि कई इंडस्ट्री ऐसी हैं जिन पर साइबर अटैक का हमला ज्यादा हो सकता है यानी वे साइबर हमलों से निपटने के लिए असुरक्षित हैं. इसमें ऑटोमोटिव इंडस्ट्री ऐसी घटनाओं के लिए सबसे अधिक असुरक्षित है. वहीं रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर साइबर हमलों से निपटने में ज्यादा सुरक्षित हैं. रिपोर्ट के मुताबिक साइबर हमलों में तेजी ऐसे समय हुई है जब भारत ने डिजिटल अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है. यह वर्तमान में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 10 फीसदी है. इसके साल 2026 तक दोगुना होने की उम्मीद है. वहीं रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत इस समय रियल टाइम पेमेंट में सबसे आगे है. यह वैश्विक बाजार का 48.5% है.

रिपोर्ट में डेटा चोरी पर विस्तार से बताया गया है. आरबीआई के अनुसार दुनियाभर में पिछले साल डेटा चोरी की औसतन लागत 4.45 मिलियन डॉलर रही. यह पिछले 3 साल में 15 फीसदी ज्यादा है. रिजर्व बैंक का मानना है कि दुनियाभर में साइबर क्राइम साल 2028 तक 13.82 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का हो जाएगा. रिजर्व बैंक साइबर सिक्योरिटी को बढ़ावा देने के लिए काफी रकम खर्च कर रहा है. साथ ही नई-नई तकनीकों का भी इस्तेमाल कर रहा है. रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकांश केंद्रीय बैंकों ने साइबर सिक्योरिटी में अपना बजट 5 फीसदी तक बढ़ाया है. कुछ समय पहले रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बैंकों को साइबर सुरक्षा बढ़ाने पर ध्यान देने को कहा था.

नवी फिनसर्व ने जेपी मॉर्गन के साथ सौदा पूरा कर लिया

- नवी फिनसर्व, सचिन बंसल द्वारा संचालित एक गैर-बैंक वित्तीय संस्थान (एनबीएफसी) है

एजेंसी ।नयी दिल्ली

नवी फिनसर्व ने जे पी मॉर्गन के साथ 3.8 करोड़ अमरीकी डॉलर (करीब 315 करोड़ रुपये) का व्यक्तिगत ऋण प्रतिभूतिकरण सौदा पूरा कर लिया है. सचिन बंसल द्वारा संचालित एनबीएफसी कंपनी ने एक बयान में कहा, 'पास-थ्रू सर्टिफिकेट' (पीटीसी) के रूप में संरचित लेनदेन को असुरक्षित व्यक्तिगत ऋणों के एक समूह द्वारा समर्थित किया जाएगा, जिसकी शुरुआत तथा सेवा नवी फिनसर्व द्वारा की जाएगी. नवी फिनसर्व, सचिन बंसल द्वारा संचालित एक गैर-बैंक वित्तीय संस्थान (एनबीएफसी) है. पास थ्रू सर्टिफिकेट' एक ऐसा सर्टिफिकेट है जो निवेशक को कुछ निश्चित बंधक-समर्थित प्रतिभूतियों के बदले दिया जाता है जो जारीकर्ता के पास होती हैं. बयान में कहा गया, यह भारत में फिनटेक क्षेत्र में जे पी मॉर्गन का पहला 'पास-थ्रू सर्टिफिकेट' लेनदेन है. साथ ही यह भारत में पहला असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण समर्थित पीटीसी लेनदेन है. नवी फिनसर्व ने कहा कि कंपनी इस धन का इस्तेमाल अपने डिजिटल व्यक्तिगत ऋण कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए करेगा. भारत में डिजिटल ऋण देने में तेजी आ रही है और यह समग्र भारतीय फिनटेक बाजार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है.

वायनाड भूस्खलन : सेना, नौसेना व एनडीआरएफ की टीमों ने मलबे में फंसे सैकड़ों लोगों को बचाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया

बाल-बाल बचे पीड़ितों ने सुनाई अपनी दर्दभरी दास्तान

एजेंसी।वायनाड

केरल के वायनाड जिले में आए विनाशकारी भूस्खलन के कारण मलबे में फंसे लोगों को बचाने के लिए अभियान जारी है हालांकि इस हादसे में बाल-बाल बचे लोग अपने बीते कुछ क्षणों को याद करते हुए सिहर उठते हैं. वायनाड के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में एक बुजुर्ग दंपती ने आपदा के दौरान रात के अंधेरे में सुरक्षित बचने की अपनी हताश कोशिशों का जिक्र किया. उनका घर भूस्खलन में नष्ट हो गया. दंपती अपने क्षेत्र में कीचड़ भरा पानी बहता देख रात 11 बजे ही अपना घर छोड़कर भाग निकले थे. उन्होंने पास की एक पहाड़ी पर शरण लेने से पहले अपने पड़ोसियों को बचाने की कोशिश की थी लेकिन पड़ोसियों ने उनके साथ आने से इनकार कर दिया. बुजुर्ग व्यक्ति ने भावुक आवाज में कहा, "हमने उनसे (पड़ोसियों से) हमारे साथ आने का आग्रह किया था, लेकिन उन्होंने कहा कि वह देर रात एक बजे हमारे साथ आएंगे और वह कभी नहीं आए."

मेप्पाडी अस्पताल में भारी भीड़ : उन्होंने कहा कि वे सुबह तक पहाड़ी की चोटी पर इंतजार कर रहे थे और जब वे वापस आए, तो पूरा इलाका तबाह हो चुका था. एक अन्य महिला ने रोते हुए संवाददाताओं से कहा कि उसके रिश्तेदार ने उसे फोन किया और कहा कि वे अपने बच्चे को लेकर घर से भाग रहे हैं. महिला ने कहा कि उसने (रिश्तेदार) मुझे रात में फोन किया और कहा कि वे इस क्षेत्र से भागने की कोशिश कर रहे हैं. उनके साथ एक बच्चा था. उसके बाद से उनका फोन नहीं लगा. उस परिवार का अभी तक पता नहीं चल पाया है. मंगलवार को हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 93 हो गई है और सेना, नौसेना व एनडीआरएफ की टीमें मलबे में फंसे सैकड़ों लोगों को बचाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही हैं. मुंडक्कई के पास मेप्पाडी अस्पताल में घायलों, मृतकों और लापता दोस्तों व रिश्तेदारों की तलाश कर रहे लोगों की भीड़ लगी हुई है.

सोमवार तक अपने मनोरम दृश्यों के लिए मशहूर मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांवों की अब भूस्खलन की चपेट में आने के बाद तस्वीर बदल गई है और अन्य हिस्सों से उनका संपर्क टूट गया है. गांवों में तबाह हुए मकान, उफनती नदियां और उखड़े हुए पेड़ों के दृश्य दिखाई दिए. प्रेट्र

लोगों ने फोन पर रोते हुए मदद की गुहार लगायी

वायनाड जिले की ऊंचाई पर स्थित बस्तियों में मंगलवार को तड़के भूस्खलन से तबाह हुए मकानों और मलबे के ढेर के नीचे फंसे होने के बाद लोग लगातार फोन कर मदद की गुहार लगाते रहे. टेलीविजन चैनलों ने कई लोगों की फोन पर बातचीत प्रसारित की जिसमें वे रो रहे थे तथा खुद को बचाने का अनुरोध कर रहे थे क्योंकि वे या तो अपने घरों में फंस गए या पुलों के बह जाने तथा सड़कों के जलमग्न होने के कारण उनके पास वहां से निकलने का कोई रास्ता नहीं बचा है. ऐसी ही एक बातचीत में चूरलमाला शहर की निवासी एक महिला को जोर-जोर से रोते हुए यह कहते सुना गया कि उसके घर में कोई व्यक्ति मलबे में फंस गया है और उसे बाहर नहीं निकाला जा सका. महिला को यह कहते हुए सुना गया, 'कृपया कोई आए और हमारी मदद करे. हमने अपना घर खो दिया है. हमें नहीं पता कि नौशीन (स्पष्ट रूप से परिवार का कोई सदस्य) जीवित है या नहीं. वह दलदल में फंस गयी है. हमारा घर शहर में ही है.' चूरलमाला के एक और निवासी ने फोन पर बातचीत के दौरान कहा कि उनका मकान अब भी हिल रहा है और उन्हें नहीं पता कि क्या किया जाए. उसने कहा, 'धरती हिल रही है. इस जगह बड़ा शोर है. हमारे पास चूरलमाला से बाहर आने का कोई रास्ता नहीं बचा है.' एक अन्य व्यक्ति ने फोन पर सूचना दी कि मुंडक्कई में बड़ी संख्या में लोग मलबे में फंसे हैं और जिंदा रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. उसने कहा, 'अगर कोई मेप्पदी इलाके से वाहन से यहां आ सकता है तो हम सैकड़ों लोगों की जान बचा सकते हैं.' एक घायल बुजुर्ग ने एक टेलीविजन चैनल को बताया कि उनकी पत्नी लापता हैं और उन्हें नहीं मालूम कि वह कहां हैं. उन्होंने बताया, 'हम घर में सो रहे थे. अचानक एक तेज आवाज सुनाई दी और हमने बड़े-बड़े पत्थर तथा पेड़ों को हमारे मकान की छत पर गिरते हुए देखा. घर में बाढ़ का पानी घुस गया जिससे घर का दरवाजा टूट गया.' उन्होंने यह भी बताया कि किसी ने उन्हें बचाया और अस्पताल पहुंचाया लेकिन उनकी पत्नी का कुछ अता-पता नहीं है.

बचाव अभियान

गांवों में बड़े पैमाने पर तबाही के निशान छोड़े भूस्खलन ने

वायनाड में ऊंचाई पर स्थित गांवों में मंगलवार को बड़े पैमाने पर हुई भूस्खलन की घटनाओं के बाद तबाह हुए मकान, उफनती नदियां और उखड़े हुए पेड़ों के दृश्य दिखाई दिए. सोमवार तक अपने मनोरम दृश्यों के लिए मशहूर मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांवों की अब भूस्खलन की चपेट में आने के बाद तस्वीर बदल गई है और अन्य हिस्सों से उनका संपर्क टूट गया है. बाढ़ के पानी में बहे वाहनों को कई स्थानों पर पेड़ों की टहनियों में फंसे और यहां-वहां डूबे हुए देखा जा सकता है. उफनती नदियों ने अपना मार्ग बदल लिया है और वे रिहायशी इलाकों में बह रही हैं, जिससे और विनाश हो रहा है. पहाड़ियों से लुढ़कते बड़े-बड़े पत्थर बचावकर्मियों के रास्ते में बाधा पैदा कर रहे हैं. बचाव कार्यों में जुटे लोगों को भारी बारिश के बीच शवों और घायलों को एम्बुलेंस तक ले जाते हुए देखा जा सकता है. भूस्खलन की घटनाओं के कारण बड़े पैमाने पर पेड़ उखड़ गए हैं और बाढ़ के पानी ने हरे-भरे क्षेत्रों को नष्ट कर दिया है. अधिकारियों के मुताबिक, भूस्खलन प्रभावित इलाकों में मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांव शामिल हैं.

मौसम विभाग ने वायनाड और पड़ोसी जिलों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया

तिरुवनंतपुरम। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन की चपेट में आए केरल के वायनाड जिले और पड़ोसी मलप्पुरम, कोझीकोड और कन्नूर जिलों के लिए मंगलवार को अत्यधिक भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी किया. आईएमडी ने वायनाड समेत चार जिलों के लिए 'रेड अलर्ट', जबकि तिरुवनंतपुरम और कोल्लम को छोड़कर राज्य के सभी अन्य जिलों के लिए मंगलवार को 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है. 'रेड अलर्ट' 24 घंटे में 20 सेंटीमीटर से अधिक की भारी से अत्यधिक भारी बारिश की आशंका को दर्शाता है. 'ओरेंज अलर्ट' का मतलब 11 सेंटीमीटर से 20 सेंटीमीटर की बहुत भारी बारिश होता है तथा 'येलो अलर्ट' का मतलब छह सेंटीमीटर से 11 सेंटीमीटर के बीच बहुत भारी बारिश होता है. मंगलवार को पथनमथिट्टा, अलप्पुझा, कोट्टयम, एर्नाकुलम, इडुक्की, त्रिशूर, पलक्कड और कासरगोड जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है. मौसम विभाग ने मलप्पुरम, कोझीकोड, वायनाड और कन्नूर जिलों के लिए बुधवार के लिए भी 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है. राज्य सरकार ने मंगलवार को बताया कि भारी बारिश के बीच राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कई दल, दो हेलीकॉप्टर और अन्य बचाव दल मुंडक्कई जा रहे हैं, जिसका वायनाड जिले में हुए विनाशकारी भूस्खलन के बाद अन्य हिस्सों से संपर्क पूरी तरह टूट गया है.

कुल्लू में बादल फटने से आई बाढ़ में बह गए पुल व छप्पर

- प्रशासन ने लोगों से नदियों एवं नालों से दूर रहने और अस्थायी ढांचे न बनाने की अपील की

एजेंसी।शिमला

हिमाचल प्रदेश में कुल्लू जिले के तोश नाला में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में पैदल पार करने वाला एक पुल और तीन अस्थायी छप्पर बह गए. अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. कुल्लू के उपायुक्त तोरुल एस रवीश ने बताया कि यह घटना सुबह मणिकरण के तोश इलाके में हुई और इसमें किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है. उन्होंने बताया कि स्थिति का आकलन करने के लिए एक टीम घटनास्थल पर भेजी गई है. उन्होंने कहा, 'लोगों से हमारी अपील है कि वे नदियों एवं नालों से दूर रहें और नालों के पास अस्थायी ढांचे न बनाएं.' उपायुक्त ने कहा कि मानसून के दौरान निर्माण गतिविधि प्रतिबंधित है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी. मौसम विभाग ने बुधवार और बृहस्पतिवार को राज्य के सात जिलों में तेज हवाओं के साथ भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताते हुए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है. दो और तीन अगस्त को भी विभिन्न स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताते हुए 'येलो' अलर्ट जारी किया है.

अब तक 62 जानें गईं करोड़ों का नुकसान

विभाग ने कुल्लू, सोलन, सिरमौर, शिमला और किन्नौर जिलों के संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ की संभावना जताई है तथा निचले इलाकों में तेज हवाएं चलने एवं जलभराव के कारण बागानों और खड़ी फसलों, कमजोर संरचनाओं और कच्चे मकानों को नुकसान पहुंचने की चेतावनी भी दी है. इस बीच, राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हुई. मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, सोमवार शाम से शिमला, सराहन और रोहड़ू में 12 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि संगड़ाह (10 मिमी), जोगिंदर नगर (आठ मिमी), सैंज (6.5 मिमी), मनाली (छह मिमी), रामपुर (5.8 मिमी), धर्मशाला (5.4 मिमी) और गोहर (पांच मिमी) में भी बारिश दर्ज की गई.

ब्रीफ खबरें

सोमनाथ एक्सप्रेस ट्रेन में बम की धमकी

फिरोजपुर। जम्मू और राजस्थान के बीच चलने वाली सोमनाथ एक्सप्रेस में बम की सूचना मिलने के बाद, उसे मंगलवार को पंजाब के फिरोजपुर जिले में एक रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर ट्रेन में बम होने का दावा किया था. सभी यात्रियों को कासू बेगू रेलवे स्टेशन पर उतार लिया गया. सोमनाथ एक्सप्रेस जम्मू तवी व राजस्थान में भगत की कोठी के बीच चलती है.

अफगान राजनयिक मिशन सेवा खारिज

इस्लामाबाद। तालिबान ने कई अफगान राजनयिक मिशन को मंगलवार को अस्वीकृत करते हुए कहा कि वह अफगानिस्तान में पश्चिमी देशों द्वारा समर्थित पूर्व प्रशासन से जुड़े राजनयिकों की ओर से जारी पासपोर्ट, वीजा और अन्य दस्तावेजों को मान्यता नहीं देगा. विदेश मंत्रालय ने कहा कि लंदन, बर्लिन, बेल्जियम, बॉन, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, इटली, यूनान, पोलैंड, ऑस्ट्रेलिया, स्वीडन, कनाडा और नॉर्वे स्थित मिशन द्वारा जारी किए गए दस्तावेज अब मान्य नहीं हैं.

स्कूल में कसरत के दौरान 12 बच्चे बेहोश

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में मंगलवार सुबह एक स्कूल में प्रार्थना के बाद कथित रूप से दो बार कसरत और योगासन के लिए मजबूर किए जाने के कारण 12 बच्चे बेहोश हो गए. उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. अधिकारियों ने बताया कि यह घटना एटा जिले के मलावन थाना क्षेत्र के हरचंदपुर में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में हुई. जिलाधिकारी के अनुसार, स्कूल में सुबह प्रार्थना के बाद कसरत करने के दौरान कुछ बच्चे बेहोश हो गए.

मादुरो को विजेता घोषित किए जाने के विरोध में प्रदर्शन शुरू

- **वेनेजुएला :** विपक्ष ने मादुरो के खिलाफ अपने प्रत्याशी की जीत का सबूत होने का दावा किया

एजेंसी।काराकस

वेनेजुएला में हजारों लोगों के प्रदर्शन के बीच विपक्ष के उम्मीदवार एडमुंडो गोंजालेज ने सोमवार को घोषणा की कि उनके प्रचार अभियान दल के पास जरूरत पड़ने पर यह दिखाने के लिए सबूत है कि उन्होंने देश का राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता है, लेकिन चुनावी प्राधिकारियों ने उनके हिस्से की जीत राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को दे दी है. गोंजालेज और विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने रविवार को हुए चुनाव में 70 प्रतिशत से अधिक 'टैली शीट' प्राप्त की हैं, जो दिखाती हैं कि गोंजालेज को मादुरो से दोगुने से भी अधिक वोट मिले हैं. दोनों नेताओं ने मादुरो को विजेता घोषित किए जाने के बाद प्रदर्शन कर रहे लोगों से शांत रहने की अपील की है. इससे पहले, मादुरो की सत्तारूढ़ यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी ऑफ वेनेजुएला की वफादार माने जाने वाली राष्ट्रीय चुनाव परिषद ने मादुरो को आधिकारिक रूप से विजेता घोषित किया था. देश की राजधानी में ज्यादातर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे लेकिन जब राष्ट्रीय पुलिस अधिकारियों ने लोगों को आगे बढ़ने से रोका तो बवाल शुरू हो गया. पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया.

निर्माणाधीन घर की छत गिरने से चार मजदूर मरे

जयपुर। राजस्थान के राजसमंद जिले में सोमवार देर रात एक निर्माणाधीन इमारत की छत गिरने से चार मजदूरों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए. राजसमंद के जिला अधिकारी डॉ. भंवर लाल ने बताया, 'खमनोर इलाके में मेघवाल समुदाय के एक सामुदायिक भवन का निर्माण किया जा रहा था. सोमवार देर रात 13 मजदूर वहां काम कर रहे थे कि इसी दौरान छत गिर गई.' लाल ने बताया कि 10 मजदूर छत के मलबे के नीचे दब गए, जिनमें से दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. उन्होंने बताया कि पांच घायलों को राजसमंद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि एक अन्य को गंभीर हालत के कारण उदयपुर जिला अस्पताल ले जाया गया है.

राशन घोटाला : ईडी ने बंगाल में 10 जगहों पर मारी रेड

एजेंसी।कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाले की जांच के सिलसिले में मंगलवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में 10 अलग-अलग स्थानों पर एक साथ छापे मारे. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि एजेंसी के अधिकारियों ने केंद्रीय बलों के साथ मिलकर राजरहाट, बारासात, बशीरहाट, भांगर और देगंगा इलाकों में व्यापारियों एवं तृणमूल कांग्रेस के दो नेताओं के आवासों तथा मिल और कार्यालयों पर छापे मारे. एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'चावल और आटा मिल के साथ-साथ ऐसे व्यवसायियों के कार्यालयों पर भी छापेमारी की गई जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से घोटाले में शामिल हैं. देगंगा के तृणमूल कांग्रेस के दो नेताओं के मिल की तलाशी भी ली जा रही है.' उन्होंने बताया कि ईडी अधिकारियों ने उस तृणमूल कांग्रेस नेता के

वाहन की भी तलाशी ली, जिसे राज्य के वन मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक का करीबी माना जाता है. मलिक को घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है. सोना, कोयला और गौ तस्करी के मामलों में संलिप्त बशीरहाट में संग्रामपुर के एक अन्य व्यवसायी के परिसरों पर भी छापे मारे गए. अधिकारी ने कहा, 'इस व्यवसायी ने राशन वितरण घोटाले के साथ-साथ सोना और ईंट भट्टा कारोबार में भी भारी मात्रा में पैसा लगाया था.' इस व्यवसायी को 2014 में सोने की तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया गया था.

मवेशी तस्करी मामला : तृणमूल नेता अनुब्रत मंडल को जमानत

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मवेशी तस्करी मामले में गिरफ्तार तृणमूल कांग्रेस के नेता अनुब्रत मंडल को मंगलवार को जमानत दे दी. न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मंडल को इस आधार पर राहत दी कि मामले की सुनवाई में समय लगेगा और वह दो साल से जेल में हैं. हालांकि, तृणमूल नेता जेल में ही रहेंगे क्योंकि उन्हें नवंबर 2022 में इसी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी गिरफ्तार किया था. शीर्ष अदालत ने मंडल को जांच में सहयोग करने और पासपोर्ट जमा कराने का निर्देश दिया. मंडल की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने दलील दी कि तृणमूल नेता को 11 अगस्त 2022 को गिरफ्तार किया गया था और वह तब से जेल में हैं. मंडल को छोड़कर सभी आरोपी जेल से बाहर हैं और ये न्याय के मखौल जैसा है. रोहतगी ने आरोप लगाया कि उन्हें आरोपपत्र का अंग्रेजी संस्करण उपलब्ध नहीं कराया गया.

फैसला राजस्थान में शिक्षा विभाग के नए सत्र के लिए जारी कैलेंडर से शुरू हुई राजनीतिक बहस

5 अगस्त को 'स्वर्ण मुकुट मस्तक दिवस' मनाने का प्रस्ताव

एजेंसी।जयपुर

राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी स्कूलों के नए सत्र के लिए जारी शैक्षणिक कैलेंडर (शिविरा पंचांग) से राजनीतिक बहस शुरू हो गई है क्योंकि इसमें पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के उपलक्ष्य में 'स्वर्ण मुकुट मस्तक दिवस' मनाने का प्रस्ताव है. इसमें 28 मई को वीर सावरकर जयंती मनाए जाने की घोषणा भी की गई है. उल्लेखनीय है कि पांच अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया था. शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए कैलेंडर शिविरा पंचांग रविवार को जारी किया. इसमें चार फरवरी को सूर्य नमस्कार दिवस, सात फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती, 14 फरवरी को मदर्स डे-फादर्स डे और 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस दिवस के तौर पर शामिल किया गया है. कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने स्कूलों में, जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाए जाने का जश्न मनाने के भाजपा सरकार के फैसले की आलोचना की.

खास बातें

- 28 मई को सावरकर जयंती मनाए जाने की घोषणा
- 23 जनवरी सुभाष चंद्र बोस दिवस के तौर पर मनेगा

राजनीतिक हितों को साधने वाला कदम : कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि सरकार का यह कदम शैक्षिक के बजाय राजनीतिक हितों को साधने वाला है. डोटासरा ने कहा, 'कांग्रेस शिक्षा के इस राजनीतिकरण और राज्य सरकार द्वारा छात्रों पर अपनी विभाजनकारी विचारधारा थोपे जाने का विरोध करती है.' इससे पहले प्राथमिक विद्यालय शिक्षा विभाग ने नौ जुलाई को अपना वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित किया था जिसमें राम मंदिर के अभिषेक के उत्सव को शामिल किया गया था. माध्यमिक शिक्षा विभाग के कैलेंडर में दूसरे और चौथे शनिवार को 'नो बैग डे' जैसी पहल और स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और गांधी जयंती जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों का उत्सव मनाना भी शामिल है.

कांग्रेस का विरोध, भाजपा ने किया फैसले का बचाव

उल्लेखनीय है कि 26 फरवरी को कार्यभार संभालने के बाद स्कूली शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सावरकर और महाराणा प्रताप जैसी हस्तियों के इतिहास में चित्रण की आलोचना की थी. उनका तर्क था कि पिछली कहानियों में मुगल बादशाह अकबर का गलत तरीके से महिमामंडन किया गया था. उन्होंने कहा था कि स्वतंत्रता संग्राम में सावरकर की भूमिका को इतिहास में गलत तरीके से लिखा गया है. कांग्रेस प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने नए कैलेंडर की निंदा करते हुए कहा कि यह शिक्षा का राजनीतिकरण करने और हिंदुत्व विचारधारा का प्रचार करने का प्रयास है. उन्होंने मंत्री के दृष्टिकोण की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें शिक्षा पर ध्यान नहीं दिया गया है और इसका उद्देश्य छात्रों को सावरकर के बारे में पढ़ाना है, जिन्होंने अंग्रेजों से लड़ने के बजाय उनसे माफी मांगी थी. वहीं भाजपा के प्रवक्ता मुकेश पारीक ने कैलेंडर का बचाव करते हुए कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि भाजपा का इरादा छात्रों को सावरकर और महाराणा प्रताप जैसी हस्तियों के बारे में शिक्षित करना है क्योंकि वह मानती है कि इनकी कहानियां उन्हें प्रेरित करेंगी.

उप्र में अवैध धर्मांतरण कराने पर होगा आजीवन कारावास

एजेंसी।लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) अधिनियम, 2024 पारित हो गया. विधानसभा में मंगलवार को संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने सदस्यों से विधेयक को पारित करने का अनुरोध किया.

विधेयक के पक्ष में सदस्यों की संख्या अधिक होने पर अध्यक्ष ने इसके पारित कर दिये जाने की घोषणा की. इसके पहले कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' और सपा के कई सदस्यों ने इस विधेयक को प्रवर समिति को सौंपने का प्रस्ताव दिया, लेकिन प्रवर समिति को सौंपने के विरोध में सदस्यों की संख्या अधिक होने की वजह से यह प्रस्ताव गिर गया. इस संशोधित अधिनियम में छल-कपट या जबर्दस्ती कराये गये धर्मांतरण के मामलों में

कानून को पहले से सख्त बनाते हुए अधिकतम आजीवन कारावास या पांच लाख रुपये के जुर्माने की सजा का प्रावधान किया गया है. संशोधित विधेयक में किसी महिला को धोखे से जाल में फंसाकर उसका धर्मांतरण करने, उससे अवैध तरीके से विवाह करने और उसका उत्पीड़न करने के दोषियों को अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान किया गया है. पहले इसमें अधिकतम 10 साल की कैद का प्रावधान था. खन्ना ने सदन में पहले दिन सोमवार को उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) अधिनियम, 2024 को पुरःस्थापित किया था.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)